



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

द. 37] नई दिल्ली, सनिवार, तितम्बर 10, 1994/भाद्र 19, 1916
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 10, 1994/BHADRA 19, 1916

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अक्षय संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—पांड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए एवं संविधिक आवेदन और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधीं, स्वायत्त सभा कार्य मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1994

का. आ. 2174.—नोटरीज नियम 1956 के नियम 6 के अनुसरण में गवर्नर प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री खलील एम. शेख एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे वीरांग, सोपांडा—वसाई क्षेत्र (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आवेदन इस सूचना के प्रकाशन के बादहूँ दिन के भीतर लिखित रूप में सेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(94)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)
(Judicial Section)
NOTICE

New Delhi, the 29th July, 1994

S.O. 2174.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956

that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Khalil S. Shaikh Advocate for appointment as a Notary to practise in Virar Sopara-Vasai Region in the state of Maharashtra.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned with for appointment as a Notary to practice in Virar Sopara-Vasai Region in the State of Maharashtra.

[F. No. 5(94)/94 Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority.

सूचना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1994

का. आ. 2175 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि सुश्री वेव्यानी एम. शाह, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे महाराष्ट्र में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आवेदन इस सूचना के प्रकाशन के बादहूँ दिन के भीतर लिखित रूप में सेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(97)/94-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 29th July, 1994

S.O. 2175.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Miss Devyani S. Shah, Advocate for appointment as a Notary to practice in Maharashtra.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(97)/94 Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1994

का. आ. 2176.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री प्रणोय रंजन चौधरी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे डालहोजी स्केयर, माणिकटोला और साल्ट लेक (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजे जाए।

[सं. 5(96)/94—न्यायिक]
पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 29th July, 1994

S.O. 2176.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Pranoy Ranjan Chaudhuri Advocate for appointment as a Notary to practice in Dahousie, Square Manick Tola Salt Lake (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(96)/94 Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1994

का. आ. 2177.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सी. जे. सुन्दर दास एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मद्रोपोलिटान सिटी (कर्नाटक) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजा जाए।

[सं. 5(95)/94-न्यायिक]
पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 29th July, 1994

S.O. 2177.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. C. J. Sundar Das, Advocate for appointment as a Notary to practice in Metropolitan City (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(95)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1994

का. आ. 2178.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री प्रदित्य बैनेरजी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पूर्णिया (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजे जाए।

[सं. 5(93)/94—न्यायिक]
पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 29th July, 1994

S.O. 2178.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Aditya Banerjee, Advocate for appointment as a Notary to practise in Purlia (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[F. No. 5(93)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का. आ. 2179.—नोटरीज नियम 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम अधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बलबीर कुमार सचदेव, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे जिला फिरोजपुर (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजा जाए।

[सं. 5(102)/94-न्यायिक]
पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2179.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Balbir Kumar Sachdeva, Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Ferozepur (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within a fourteen days of the publication of this Notice.

[F. No. 5(102)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का.आ. 2180 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जगदीश चन्द्र बाथला, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे राष्ट्रीय राजधानी भेज दिल्ली में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाये।

[सं. 5(106)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2180.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Jagdish Chander Bathla, Advocate for appointment as a Notary to practise in NCT of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(106)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का.आ. 2181 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के प्रनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रंजन डे, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तकानगंज सर्विजिन (पश्चिम) बंगाल में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाये।

[सं. 5(105)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2181.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ranjan De, Advocate for appointment as a Notary to practise in Toofanganj Sub- Division (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(105)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का.आ. 2182 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री तारा सिंह एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे भरतपुर सिटी, (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाये।

[सं. 5(108)-94 न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2182.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Tara Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bharatpur City (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(108)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का.आ. 2183 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि सुश्री वी.लथा एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे बंगलौर (कर्नाटक) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाये।

[सं. 5(107)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2183.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Ms. V. Latha, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bangalore (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(107)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का.आ. 2184—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि सुधी प्रवृत्ति शर्मा एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे मयूर विहार, राष्ट्रीय राजधानी में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षण इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाये।

[सं. 5(99)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2184.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Miss Archana Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Mayur Vihar, NCT of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(99)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का.आ. 2185—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अमृत बीर सिंह सोढ़ी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे जिला किरोजपुर (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षण इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाये।

[मं. 5(104)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2185.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Amritbir Singh Sodhi, Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Ferozepur (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(104)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का.आ. 2186—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री महेन्द्र सिंह एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे काश्मर जिला अलवर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षण इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाये।

[मं. 5(101)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2186.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Mahender Singh Advocate for appointment as a Notary to practise in Kathoonar, Distt. Alwar (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(101)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का.आ. 2187—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमती शोभना शेषमल कर्नावल एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे कोल्हापुर (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षण इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाये।

[मं. 5(98)/94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2187.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Shobhana Sheshmal Karnawal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kolhapur (Maharashtra).

2. Any objection to the application of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(98)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का. प्रा. 2188 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मोहम्मद इन्द्राजान एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे बहुराईव (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाय।

[सं. 5(100), -94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2188.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Mohd. Iqbal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Baharaich (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(100)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1994

का. प्रा. 2189 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है है कि श्री रमेश कुमार शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे मेरठ (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाय।

[गं. 5(103)/ 94-न्यायिक]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 3rd August, 1994

S.O. 2189.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ravinder Krishan Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Meerut (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(103)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1994

का. प्रा. 2190.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बी.पी. शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(103)/91-न्या.]
पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 8th August, 1994

S.O. 2190.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri B. R. Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kurukshetra (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(103)/91-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त 1994

का. प्रा. 2191.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मुरेश कुमार मिश्र, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे गांधीगढ़ (उत्तर प्रदेश) राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति

पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(58)/93-न्यायिक]
पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 10th August, 1994

S.O. 2191.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Suresh Kumar Misra, Advocate for appointment as a Notary to practise in Pilibhit (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(58)/93-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1994

का. प्रा. 2192.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बजीर अब्द जुनेजा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कुरुक्षेत्र एवं यमुना नगर (हरियाणा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(123)/91-न्या.]
पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 10th August, 1994

S.O. 2192.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Wazir Chand Juneja, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kurukshetra and Yamunanagar, (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(123)/91-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

(आक्षकर)

का. प्रा. 2193.—ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के बंद (23-ग) के उपर्युक्त

(v) द्वारा प्रदत्त अक्षियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा डी.वी.एस. चेरिटीज, मदुरै को कर-निर्धारण वर्ष 1992-93 से 1994-95 तक के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपर्युक्त के प्रयोगजनार्थ अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

(i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल प्रथम इसकी आय का इस्तेमाल करने के लिए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;

(ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से सगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी प्रबंधि के दौरान धारा 11 की उपधारा (5) में विविधिष्ट किसी एक अधिवा एक ये अधिक छंग अधिवा तरीकों से भिन्न तरीकों से इसकी निधि (जेवर-जवहिरात, फर्मचिर प्रादि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंशदान से भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करना सकेगा;

(iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिलाभ के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रासंगिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9566/फा. सं 197/40/94-ग्रायकर नि.-1]
केशव देव, उप सचिव

Ministry of Finance
(Department of Revenue)

New Delhi, the 7th July, 1994

(INCOME-TAX)

S.O. 2193.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (V) of clause (25-C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies T.V.S. Charities, Madurai for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1992-93 to 1994-95, subject to the following conditions, namely :—

- the assessee will apply its income, or accumulate for application wholly or exclusively to the objects for which it is established;
- the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;
- this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee and separate books of accounts are maintained in respect of such business.

[Notification No. 9566/F. No. 197/40/94-ITA]
KESHAV DEV, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

(आधिकर)

का. आ. 2194—आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपर्युक्त V द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा रामकृष्ण शारदा मिशन, कलकत्ता को कर-निर्धारण वर्ष 1993-94 से 1995-96 तक के लिए निम्नलिखित गतियों के अध्यधीन रहते हुए उक्त उपर्युक्त में प्रयोजनार्थ अधिमूलिक बताती है, अर्थात् :—

- (i) कर-निर्धारिती इसकी आय का इस्तेमाल अथवा इसकी आय का इस्तेमाल करते हुए इसका संचयन पूर्णतया तथा अनन्यतया उन उद्देश्यों के लिए करेगा, जिनके लिए इसकी स्थापना की गई है;
- (ii) कर-निर्धारिती ऊपर-उल्लिखित कर-निर्धारण वर्षों से संगत पूर्ववर्ती वर्षों की किसी भी अवधि के द्वारा धारा 11 की उपधारा (5) में विनिर्दिष्ट किसी एक अथवा एक में अधिक लंग, अथवा तीनों में भिन्न तरीकों से इसकी निर्धारण (जेवर-जवाहिरात, फर्नीचर आदि के रूप में प्राप्त तथा रख-रखाव में स्वैच्छिक अंगदान में भिन्न) का निवेश नहीं करेगा अथवा उसे जमा नहीं करवा सकेगा;
- (iii) यह अधिसूचना किसी ऐसी आय के संबंध में लागू नहीं होगी, जो कि कारोबार से प्राप्त लाभ तथा अभिनाश के रूप में हो जब तक कि ऐसा कारोबार उक्त कर-निर्धारिती के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रारंभिक नहीं हो तथा ऐसे कारोबार के संबंध में अलग से लेखा-पुस्तिकाएं नहीं रखी जाती हों।

[अधिसूचना सं. 9567/का. सं. 179/88/92-आधिकर नि.-1]

केशव देव, उप सचिव

New Delhi, the 7th July, 1994

(INCOME-TAX)

S.O. 2194.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23-C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Ramakrishna Sharda Mission, Calcutta for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1993-94 to 1995-96 subject to the following conditions, namely :—

- (i) the assessee will apply its income, or accumulate for application, wholly and exclusively to the objects for which it is established;
- (ii) the assessee will not invest or deposit its funds (other than voluntary contributions received and maintained in the form of jewellery, furniture etc.) for any period during the previous years relevant to the assessment years mentioned above otherwise than in any one or more of the forms or modes specified in sub-section (5) of Section 11;

(iii) this notification will not apply in relation to any income being profits and gains of business, unless the business is incidental to the attainment of the objectives of the assessee separate books of accounts are maintained in respect of such business.

(Notification No. 9567/F. No. 197/88/92-ITAII)

KESHAV DEV, Dy. Secy.

मुख्य आधिकार भायुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, 26 जुलाई, 1994

का. आ. 2195.—स. 3 : मुख्य आधिकार भायुक्त, कलकत्ता द्वारा पारित अधिसूचना सं. 13/93-94 दिनांक 4-2-94, मुख्य आधिकार भायुक्त-II कलकत्ता द्वारा पारित 8/93-94 दिनांक 25-08-93 मुख्य आधिकार भायुक्त-III द्वारा पारित 5/93-94 दिनांक 11-8-1993 द्वारा 9/93-94 दिनांक 2-9-93 तथा मुख्य आधिकार भायुक्त, मुख्य आधिकार भायुक्त-II तथा मुख्य आधिकार भायुक्त-III, कलकत्ता द्वारा पारित सभी पूर्वी वर्षों के अधिसूचनाओं का आविष्कार द्वारा करते हुए, तथा आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उपधारा (1) एवं (2) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय प्रस्तव भर वाले की अधिसूचना सं. 9565 एक सं. 279/129/93 द्वारा दी जै (खण्ड (ii) दिनांक 5-7-94 तथा एस बो सं. 504 दिनांक 5-7-94 द्वारा हमें प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, और इस दिवाली में सभी बनाने वाली प्रत्येक गतियों द्वारा प्रयोग करते हुए तथा इस दिवाली में जारी की गयी समस्त पूर्वी अधिसूचनाओं का अधिकारित बनाने करते हुए, इस अधिकारित के पूर्व ऐसे मामले जो निपटाये गये हैं या निपटाने से छूटे हुए हैं, को छोड़कर, हम, मुख्य आधिकार भायुक्त, कलकत्ता, मुख्य आधिकार भायुक्त-II, कलकत्ता, मुख्य आधिकार भायुक्त-III कलकत्ता, एवं द्वारा निर्वाचित होते हैं कि इसके साथ सभी अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट आधिकार भायुक्त, (अपील) ऐसे गतियों के संबंध में अपने हाथों का पालन करें जिनके आधिकार या बनाने वाले अवधार अथवा अधिकार अवधार अधिकार अधिकारियों/निर्धारियों द्वारा हो और जो आधिकार अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (ए) से (एक) में, बनाने वाले अधिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 23 की उपधारा (ए) के खण्ड (ए) से (ई) में बनाने वाले अधिकार अधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 22 की उपधारा (ए) के खण्ड (ए) से (ई) में, कम्पनी (सामूह) अधिकार नियम, 1984 (1984 का 7) की धारा 11 की उपधारा (1) में, आजकार अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) में और आधिकार अधिनियम, 1987 (1987 का 35) की धारा 22 की उपधारा (1) में और सम्पदा शुल्क अधिनियम, 1953 की धारा 62 में उल्लिखित कियी आदेशों से असंतुष्ट हों।

2. जहां एक आधिकार तरफ़त, वार्ष अवधार विशेष रेंज या उनके अंतर्गत इस अधिसूचना के प्रत्यावार एक प्रभार से द्वारा प्रभार में स्थानात्मक हो गये हैं, इस अधिसूचना के जारी होने के शीघ्र पहले आधिकार भायुक्त (अपील), के समीप उन आधिकार आई/सहैता/विशेष रेंज अवधार उनके अंतर्गत निधीरियों से उद्भूत अपील विभिन्न है, और इस अधिसूचना के लागू होने की तिथि से उन आई/सहैता/विशेष रेंज अवधार उनके अंतर्गत स्थानात्मक निधीरियों द्वारा किये जायेंगे जिनके अधीन उक्त आई/सहैता/विशेष रेंज अवधार उनके अंतर्गत स्थानात्मक निधीरियों द्वारा किये जायेंगे हैं।

3. यह अधिसूचना 1-8-94 से लागू होती है।

प्रत्यक्षी

आयकर आयुक्तों (अपील) के लेखाधिकार

क्रम आयकर आयुक्त (प्रील) लेखाधिकार
सं. का पत्रनाम

1 2 3

मूल्य आयकर आयुक्त : कलकत्ता के मित्रकाण (धीर)

1. आयकर आयुक्त (प्रील)-1 (क) आयकर उपायुक्त रेंज-1, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।
(ख) आयकर उपायुक्त, विशेष रेंज-II, कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-II कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।
(ग) आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-22, कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-22 के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

2. आयकर आयुक्त (प्रील)-6 (क) आयकर उपायुक्त रेंज-7, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।
(ख) आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-12, कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-12 के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

3. आयकर आयुक्त (प्रील)-7 (क) आयकर उपायुक्त रेंज-10 कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।
(ख) आयकर आयुक्त विशेष रेंज-8, कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-8 के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।
(ग) आयकर उपायुक्त रेंज-13, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।
(घ) आयकर आयुक्त (शर्मा) (प्रील) (सर्कन-II) (१), गुवाहाटी ।

4. आयकर आयुक्त (प्रील)-10 कलकत्ता (क) आयकर उपायुक्त, विशेष रेंज-1, कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-1 कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

1

2

3

(क) आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-7 कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-7 कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

(ख) आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-2, कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-2 के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

(द) आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-10, कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-10, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

(ख) आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-21 कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-21 कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

(द) आयकर उपायुक्त जलपाइयुक्त रेंज, जलपाइयुक्त के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।

5. आयकर आयुक्त (प्रील)-12 कलकत्ता ।

(क) आयकर उपायुक्त, रेंज-II कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।

(ख) आयकर उपायुक्त रेंज-20, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

6. आयकर आयुक्त (प्रील)-13 कलकत्ता

(क) आयकर उपायुक्त रेंज-6, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।

(ख) आयकर उपायुक्त, रेंज-21, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभा निधारण अधिकारी ।

(ग) आयकर उपायुक्त रेंज-13, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।

मूल्य आयकर आयुक्त-II, कलकत्ता के निधारण अधिकारी ।

1. आयकर आयुक्त (प्रील)-II कलकत्ता (क) आयकर उपायुक्त रेंज-2, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।

(ख) आयकर उपायुक्त रेंज-17, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निधारण अधिकारी ।

(ग) आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-3, कल. तथा आयकर उपायुक्त के विशेष रेंज-3 कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

(घ) आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-13, कल. तथा आयकर उपायुक्त विशेष रेंज-13, कल. तथा आयकर उपायुक्त के विशेष रेंज-13 कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निधारण अधिकारी ।

1	2	3	1	2	3.
2	प्रायकर आयुक्त (प्रधीन)-4, कलकत्ता	(र) आयाम उपायुक्त रेंज-3, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ख) आयाम 2 उपायुक्त रेंज-12, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ग) आयाम 3-पायुक्त विशेष रेंज-4, कल. तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-4 के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी। (घ) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-16, कल. तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-16 के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ज) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-15, कल. तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-15 के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी।	मुख्य प्रायकर आयुक्त-II] के नियन्त्रणाधीन :-	1. प्रायकर आयुक्त (प्रधीन)-III, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ख) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-6, कलकत्ता तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-6 के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ग) प्रायकर उपायुक्त रेंज-18, बंगलौर के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण प्रधिकारी। (घ) प्रायकर उपायुक्त रेंज-19, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण प्रधिकारी हुगली, मिहापुर व हल्दिया ममेत।	
3.	प्रायकर आयुक्त (प्रधीन) 5, कलकत्ता	(क) प्रायकर उपायुक्त रेंज-8, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ख) प्रायकर उपायुक्त रेंज-14, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ग) प्रायकर उपायुक्त रेंज-16, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण प्रधिकारी। (घ) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-9, कल. तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-9, के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ज) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-14, कल. तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-19 के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ख) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-23, कल. तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-23, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी।	2. प्रायकर आयुक्त (प्रधीन)-8, कलकत्ता	(क) प्रायकर उपायुक्त रेंज-5, कलकत्ता के अधीन कार्यरत सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ख) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-5, कलकत्ता तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-5, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ग) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-18, कल. तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-18 के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी। (घ) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-26, कलकत्ता तथा प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-20 के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी।	
4.	प्रायकर आयुक्त (प्रधीन)-II कलकत्ता	(क) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-14, कल. पूर्व प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-14 के कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी। (ख) प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-17, कल. प्रायकर उपायुक्त विशेष रेंज-17, कलकत्ता के अधीनस्थ सभी निर्धारण प्रधिकारी।	[म. ग. प्रा./मु. प्रा. क./योजना/30/94-95] (ए. के. बटवाल) मुख्य प्रायकर आयुक्त-III, कलकत्ता (ए. चटर्जी) मुख्य प्रायकर आयुक्त-I, कलकत्ता (ज. के. कर्तियन) मुख्य प्रायकर आयुक्त, कलकत्ता।		

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Calcutta, the 26th July, 1994

S.O. 2195.—In partial modification of all earlier orders in Notifications passed by the Chief Commissioner of Income-tax, Calcutta, Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta, Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta, and also in Notification Nos. 13/93-94 dated 4-2-1994, Chief Commissioner of Income-tax, Calcutta, 8/93-94 dated 25-8-1993 Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta, 5/93-94 dated 11-8-1993, Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta, and 9/93-94 dated 2-9-1993, Chief Commissioner of Income Tax III, Calcutta and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 120 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on us by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi vide its Notification No. 9565 F. No. 279/129/93-IIT (PT. II) dated 5-7-1994 and S.O. No. 504 dated 5-7-1994 and all other powers enabling us in this behalf and in supersession of all earlier notifications made in this behalf, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, we, the Chief Commissioner of Income Tax, Calcutta, Chief Commissioner of Income Tax-II, Calcutta and Chief Commissioner of Income Tax-III, Calcutta, hereby direct that the Commissioners of Income Tax (Appeals) of

this region specified in column 2 of the schedule attached hereto, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Wealth-tax or Gift-tax or Sur-tax or Interest tax or Expenditure tax or Estate Duty by the Income-tax Authorities/Assessing Officers specified in column 3 thereof as are aggrieved by any orders mentioned in clauses (a) to (i) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961, clauses (a) to (c) of sub-section (1-A) of Section 23 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) clauses (a) to (c) of sub-section (1-A) of Section 22 of the Gift-tax Act, 1958 (18 of 1958), sub-section (1) of Section 11 of the Companies (Profit) Sur-tax Act, 1984 (7 of 1984), sub-section (1) of Section 15 of the Interest-tax Act, 1974 (45 of 1974) and sub-section (1) of Section 22 of the Expenditure-tax Act, 1987 (37 of 1987) and Section 62 of the Estate Duty Act, 1953.

2. Where an Income-tax Circle, Ward or Special Range or part thereof stands transferred by this notification from one charge to another, appeals arising out of the assessment made in this Income-tax Ward/Circle/Special Range or part thereof and pending immediately before the date, from which this notification takes effect, before the Commissioner of Income-tax (Appeals) from whose charge that Income-tax Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred shall, from the date from which this notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioners of Income-tax (Appeals) to whom the said Ward/Circle/Special Range or part thereof is transferred.

3. This notification takes effect from 1st August, 1994

SCHEDULE

Jurisdiction of the Commissioners of Income-tax (Appeals)

Sl. No.	Designation of Commissioner of Income-tax (Appeals)	Jurisdiction
1	2	3
Under the Control of the Chief Commissioner of Income-tax, Calcutta.		

1. Commissioner of Income-tax (Appeals)-I, Calcutta.
2. Commissioner of Income-tax (Appeals)-VI, Calcutta.
3. Commissioner of Income-tax (Appeals)-VII, Calcutta.

- (a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, R-1, Cal.
- (b) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-11, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-11, Cal.
- (c) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-22, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-22, Cal.
- (a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-7, Calcutta.
- (b) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-12, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-12, Cal.
- (a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-10, Calcutta.
- (b) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-8, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-8, Calcutta.
- (c) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-15, Calcutta.
- (d) All Assessing Officers under the Administrative Control and subordinate to the Director of Income-tax (Income-tax Exemption) Calcutta.
- (e) A.C. (Inv.) Circle -II(I), Gauhati.

1	2	3
4. Commissioner of Income-tax (Appeals)-X, Calcutta.		(a) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-1, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-1, Calcutta. (b) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-7, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-7, Cal. (c) Deputy Commissioner of Income-tax. Special Range-2, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-2, Calcutta. (d) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-10, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-10, Calcutta. (e) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-21, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-21, Calcutta. (f) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Jalpaiguri Range, Jalpaiguri.
5. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XII, Calcutta.		(a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-11, Calcutta. (b) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-20, Calcutta.
6. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XIII, Calcutta.		(a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-6, Calcutta. (b) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-21, Calcutta. (c) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-13, Calcutta.

Under the Control of the Chief Commissioner of Income
Tax-II, Cal.

1. Commissioner of Income-tax (Appeals)-II, Calcutta	(a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-2, Calcutta. (b) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-17, Calcutta. (c) Deputy Commissioner of Income-tax , Special Range-3, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-3, Calcutta. (d) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-13, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-13, Calcutta.
2. Commissioner of Income-tax (Appeals)-IV, Calcutta	(a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range 3, Calcutta. (b) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-12, Calcutta. (c) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-4, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-4, Calcutta. (d) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-16, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-16, Calcutta. (e) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-15, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-15, Calcutta.

1

2

3

3. Commissioner of Income-tax (Appeals)-V, Calcutta.

(a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-8, Calcutta.

(b) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-14, Calcutta.

(c) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-16, Calcutta.

(d) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-9, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-9, Calcutta.

(e) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-19, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-19, Calcutta.

(f) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-23, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-23, Calcutta.

(a) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-14, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-14, Calcutta.

(d) Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-17, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Special Range-17, Calcutta.

4. Commissioner of Income-tax (Appeals)-XI, Calcutta.

Under the Control of the Chief Commissioner of Income-tax, III Calcutta.

1. Commissioner of Income-tax (Appeals)-III, Calcutta.

(a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-9, Calcutta.

(b) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-6, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-6, Calcutta.

(c) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-18, Calcutta.

(d) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-19, Calcutta, including Hooghly, Midnapore and Haldia.

(a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-5, Calcutta.

(a) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Range-4, Calcutta.

(b) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-5, Calcutta, and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-5, Calcutta.

(c) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-18, Calcutta and all Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-18, Calcutta.

(d) Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-20, Calcutta and All Assessing Officers subordinate to Deputy Commissioner of Income-tax, Spl. Range-20, Calcutta.

(e) All Assessing Officers functioning under Deputy Commissioner of Income-tax, Asansol Range, Asansol.

ग्रादेश

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1994

स्टाम्प

का. आ. 2197.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) का धारा 9 की उपधारा (1) के बंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो कि नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा जारी किए जाने वाले निम्नलिखित वर्णित प्रोमिसरी नोटों के स्वरूप वे बंध पत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य हैं:

- (क) मात्र दो करोड़ छत्तीस लाख रुपये के कुल मूल्य के J 00000001 से J 00022600 तक की विशिष्ट संख्या वाले एक-एक हजार रुपए के 15.5 प्रतिशत कराधेय सुरक्षित विमोच्य बंधपत्र,
- (ख) मात्र एक सौ छत्तीस करोड़ चौबीस लाख रुपए के कुल मूल्य के J 00022601 से J 01285000 तक की विशिष्ट संख्या वाले एक-एक हजार रुपए के 14 प्रतिशत कराधेय सुरक्षित विमोच्य बंधपत्र, और
- (ग) मात्र एक सौ करोड़ रुपए के कुल मूल्य के J 01285001 से J 02285000 को विशिष्ट संख्या वाले एक-एक हजार रुपए के 10.5 प्रतिशत करमुक्त सुरक्षित विमोच्य बंध पत्र।

[सं. 27/94-स्टाम्प—फा. सं. 33/44/94-वि. क.]

आत्मा राम, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th August, 1994

STAMPS

S.O. 2196.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of Promissory Notes—described as—

- (a) 15.5% Taxable Secured Redeemable Bonds bearing distinctive numbers J 00000001 to J 00022600 of rupees one thousand each of the total value of rupees two crores twenty six lakhs only.
- (b) 14% Taxable Secured Redeemable Bonds Bearing distinctive numbers J 00022601 to J 01285000 of rupees one thousand each of the total value of rupees one hundred twenty six crores twenty four lakhs only ; and
- (c) 10.5% Tax-free Secured Redeemable Bonds bearing distinctive numbers J 01285001 to J 02285000 of rupees one thousand each of the total value of rupees one hundred crores only :

to be issued by the National Thermal Power Corporation Limited, New Delhi, are chargeable under the said Act.

[No. 27/94-Stamp-F. No. 33/44/94-ST]

ATMA RAM, Under Secy.

ग्रादेश

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1994

स्टाम्प

का. आ. 1197.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के बंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उस शुल्क को माफ करता है जो कि हिन्दुस्तान मर्णीत टूल्स लिमिटेड, बंगलौर द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र एक सौ करोड़ रुपए मूल्य के प्रोमिसरी नोटों के स्वरूप में वर्णित बांडों—16-17 प्रतिशत विमोच्य मुर्गक्षत/अमुर्गक्षत पंचवर्षीय बांडों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य है।

[सं. 26/94-स्टाम्प—फा. सं. 33/40/94-वि. क.]

आत्मा राम, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th August, 1994

STAMPS

S.O. 2197.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of Promissory Notes—described as 16-17% Redeemable Secured/Unsecured five years bonds of the value of rupees One hundred crores only to be issued by Hindustan Machine Tools Limited, Bangalore are chargeable under the said Act.

[No. 26/94-Stamp-F. No. 33/40/94-ST]

ATMA RAM Under Secy.

ग्रादेश

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1994

स्टाम्प

का. आ. 2198.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के बंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो भारत के लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले निम्नोक्त प्रकार के वर्णित प्रोमीजरी नोटों के स्वरूप वाले बांडों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभार्य है।

- (i) मात्र तीन सौ करोड़ रु. मूल्य के “फ्लोटिंग रेट बांड”; और
- (ii) मात्र दो सौ करोड़ रुपये मूल्य की धरोहर का प्रमाण पत्र।

[सं. 29/94-स्टाम्प—फा. सं. 33/45/94-वि. क.]

आत्मा राम, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th August, 1994

STAMPS

S.O. 2198.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of Promissory note described as—

- (i) Floating Rate Bonds of the value of rupees three hundred crores only; and
- (ii) Certificate of deposits of the value of rupees two hundred crores only;

to be issued by the Small Industries Development Bank of India, Bombay are chargeable under the said Act.

[No. 29/94-Stamp-F. No. 33/45/94-ST]

ATMA RAM, Under Secy.

ग्रादेश

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1994

स्टाम्प

का. आ. 2199.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो कि विद्युत वित्त निगम, लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा जारी किया जाने वाले मात्र दम करोड़ रुपए के मूल्य के ऋण-पत्रों के स्वरूप के बांडों के स्वयं में वर्णित 13.5 प्रतिशत एमएलआर सरकार द्वारा गारंटी बांडों—2004 (VI श्रृंखला) पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभाव है।

[फा. सं.-25/94-स्टाम्प-फा. सं.-33/30/94-वि. क.]

आत्मा राम, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th August, 1994

STAMPS

S.O. 2199.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of Debentures—described as 13.5% SLR Government Guaranteed Bonds—2004 (VIth Series) of the value of rupees ten crores only to be issued by Power Finance Corporation Limited, New Delhi are chargeable under the said Act.

[No. 25/94-Stamp-F. No. 33/30/94-ST]
ATMA RAM, Under Secy.

ग्रादेश

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1994

स्टाम्प

का. आ. 2200.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

एवं द्वारा उस शुल्क का माफ करती है, जो ग्रामोंग विद्युतीकरण निगम द्वारा, नई दिल्ली द्वारा जारी किया जाने वाले मात्र एक सौ पचास करोड़ रुपए के मूल्य के 10.5 प्रतिशत कर मुक्त (आर ई सी बंधपत्रों) 2001 के स्वयं में वर्णित ऋण-पत्रों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभाव है।

[सं. 28/94-स्टाम्प-फा. सं. 33/10/94-वि. क.]

आत्मा राम, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th August, 1994

STAMPS

S.O. 2200.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds described as 10.5% Tax Free (RIC Bonds) 2001 of the value of rupees one hundred and fifty crores only to be issued by the Rural Electrification Corporation Limited, New Delhi are chargeable under the said Act.

[No. 28/94-Stamp-F. No. 33/10/94-ST]
ATMA RAM, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंकिंग प्रभाग

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1994

का. आ. 2201.—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के माध्यम परिवर्त धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक को सिफारिश पर एवं द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपर्युक्त सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने को तारीख से 31 मार्च, 1996 तक अजमेर मेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक द्वारा प्रज्ञापन (राजस्थान) पर लागू नहीं होंगे।

[एक सं. 1-1/94-ए. मी.]

एम.एल. कुकरेजा, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

Banking Division

New Delhi, the 18th August, 1994

S.O. 2201.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Ajmer Central Co-operative Bank Ltd. Ajmer (Rajasthan) from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 31st March 1996.

[F. No. 1(1)/94-AC]
M. L. KUKREJA, Under Secy.

दिल्ली, 18 अगस्त, 1994

का. आ. 2202.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय शब्दों के लिए प्रयोग) नियमांकनी 1976 के नियम: 10 के उपनियम (4) के अनुसार में (वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग के प्रशासनिक विवरण में स्थित) भारतीय साधारण शीमा नियम के निम्न

लिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

कंपनी का नाम :

नेशनल इंश्योरेन्स क. लि.

1. इन्दौर कार्यालय

[संख्या 13011/1/92-हि.का.क.]

सुधीर कुमार वर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 18th August, 1994

S.O. 2202.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the General Insurance Corporation of India (Under the Administrative control of Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) where of more than 80 per cent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Name of the Company : National Insurance Co. Ltd.,

1. Indore Regional Office

[No. 13011/1/92-HIC]
SUDHEER KUMAR VERMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1994

का.आ. 2203 केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग), नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में (वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित) भारतीय साधारण बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी-वृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

कंपनी का नाम

नेशनल इंश्योरेन्स क. लि.

1. मण्डल कार्यालय-2, जम्मू
2. शाखा कार्यालय-2, जम्मू

[संख्या 13011/1/93-हि.का.क.]
सुधीर कुमार वर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 18th August, 1994

S.O. 2203.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the General Insurance Corporation of India (Under the Administrative control of Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) where of more than 80 per cent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Name of the Company : National Insurance Co. Ltd.,

1. Divisional Office-2, Jammu

2. Branch Office-2, Jammu

[No. 13011/1/92-HIC]

SUDHEER KUMAR VERMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1994

का.आ. 2204 केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग), नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में (वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित) भारतीय साधारण बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

कंपनी का नाम :—नेशनल इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड

1. नेशनल इंश्योरेन्स कंपनी लिमिटेड,
शहर शाखा कार्यालय,
क्र.-5, इन्दौर

[सं. 13011/1/93-हि.का.क.]

सुधीर कुमार वर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 18th August, 1994

S.O. 2204.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the General Insurance Corporation of India (Under the Administrative control of Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) where of more than 80 per cent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Name of the Company.—National Insurance Co. Ltd.,

1. City Branch Office, Sl. 5, Indore.

[No. 13011/1/92-HIC]

SUDHEER KUMAR VERMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1994

का.आ. 2205 केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग), नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में (वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित) भारतीय साधारण बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अधिसूचित करती है:

कंपनी का नाम

युनाइटेड इंडिया इंश्योरेन्स क. लि.

1. प्रादेशिक कार्यालय, बम्बई
2. मण्डल कार्यालय 1, बम्बई
3. मण्डल कार्यालय 3, बम्बई
4. मण्डल कार्यालय 4, बम्बई
5. मण्डल कार्यालय 5, बम्बई
6. मण्डल कार्यालय 6, बम्बई
7. मण्डल कार्यालय 7, बम्बई
8. मण्डल कार्यालय 9, बम्बई
9. मण्डल कार्यालय 10, बम्बई
10. मण्डल कार्यालय 12, बम्बई
11. मण्डल कार्यालय 14, बम्बई
12. मण्डल कार्यालय 15, बम्बई
13. मण्डल कार्यालय 16, बम्बई
14. मण्डल कार्यालय 1, पुणे
15. शाखा कार्यालय कैम्प

16. शाखा कार्यालय, हडपसर	59. शाखा कार्यालय, सुनाम
17. शाखा कार्यालय, तिलकरोड़	60. शाखा कार्यालय, नाभा
18. मण्डल कार्यालय, औरंगाबाद	61. शाखा कार्यालय, समाना
19. शहर शाखा कार्यालय 1, औरंगाबाद	62. मण्डल कार्यालय, जम्मू-2
20. शहर शाखा कार्यालय 2, औरंगाबाद	63. शाखा कार्यालय, शंभवाल
21. शहर शाखा कार्यालय 3, औरंगाबाद	64. शाखा कार्यालय, उधमपुर
22. शाखा कार्यालय, धोह	65. धोहीय कार्यालय, अहमदाबाद
23. शाखा कार्यालय, छामगांव	66. मण्डल कार्यालय 1, अहमदाबाद
24. मण्डल कार्यालय जलगांव	67. मण्डल कार्यालय-3, अहमदाबाद
25. शाखा कार्यालय, धनिया	68. मण्डल कार्यालय 4, अहमदाबाद
26. मण्डल कार्यालय, नासिक	69. मण्डल कार्यालय, भोडासा
27. मण्डल कार्यालय-1, नागपुर	70. शाखा कार्यालय, ऊवा
28. शहर शाखा कार्यालय 3, नागपुर	71. शाखा कार्यालय, पोरबंदर
29. मण्डल कार्यालय-2, नागपुर	72. गांधा कार्यालय, गांधीगांव
30. शहर शाखा कार्यालय 1, नागपुर	73. शाखा कार्यालय, मुरेनगंगर
31. शाखा कार्यालय, वर्धा	74. शाखा कार्यालय, पनवेल
32. मण्डल कार्यालय, नांदेड़	75. शाखा कार्यालय, वारी
33. मण्डल कार्यालय, सोलापुर	76. मण्डल कार्यालय, अलीगढ़
34. शहर शाखा कार्यालय, सोलापुर	77. शाखा कार्यालय, महाड़
35. शाखा कार्यालय, मिरज	78. शाखा कार्यालय डहण
36. शहर शाखा कार्यालय 3, कोन्हापुर	79. शाखा कार्यालय, शोईसर
37. मण्डल कार्यालय, सासारा	80. मण्डल कार्यालय, आर.सी.एफ
38. मण्डल कार्यालय, अमरावती	81. शाखा कार्यालय, डोविली
39. शाखा कार्यालय, गिरीडौह	82. शाखा कार्यालय, उद्दास नगर
40. शाखा कार्यालय-1, वरभंगा	83. मण्डल कार्यालय, सी.बी.ई.
41. शाखा कार्यालय, खोहाती	84. धोहीय कार्यालय-11, जम्बई
42. शाखा कार्यालय, चार्डीगढ़-1	85. मण्डल कार्यालय-2, जम्बई
43. शाखा कार्यालय, चार्डीगढ़-1	86. मण्डल कार्यालय 8, जम्बई
44. शाखा कार्यालय, मंडी झवासी	87. मण्डल कार्यालय 11, जम्बई
45. मण्डल कार्यालय जम्मू	88. मण्डल कार्यालय 13, जम्बई
46. शाखा कार्यालय, जम्मू-1	89. शाखा कार्यालय, मालाड
47. शाखा कार्यालय, करनाल	
48. शाखा कार्यालय, कैथल	
49. शाखा कार्यालय, नंगल	
50. शाखा कार्यालय, ऊना	
51. शाखा कार्यालय, गुरदासपुर	
52. शाखा कार्यालय, कटुधा	
53. शाखा कार्यालय, वसुचा	
54. मण्डल कार्यालय, पठान कोट	
55. शाखा कार्यालय, बहापुरगढ़	
56. शाखा कार्यालय, रोपङ्ग	
57. शाखा कार्यालय, राज्यपुरा	
58. शाखा कार्यालय, चंडीगढ़-3	

[सं. 13011/1/92-हि.का.क.]

मुख्यमंत्री युमार बर्मी, अवर सचिव

New Delhi, the 18th August, 1994

S.O. 2205.—In pursuance of Sub-Roles (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules 1976 the Central Central Government hereby notifies the following offices of the General Insurance Corporation of

India (under the Administrative control of Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) where of more than 80 percent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

Name of the Company :— United India Insurance Co. Ltd.,

1. Regional Office, Bombay
2. Divisional Office-1, Bombay
3. Divisional Office-3, Bombay
4. Divisional Office-4, Bombay
5. Divisional Office-5, Bombay
6. Divisional Office-6, Bombay
7. Divisional Office-7, Bombay
8. Divisional Office-9, Bombay
9. Divisional Office-10, Bombay
10. Divisional Office-12, Bombay
11. Divisional Office-14, Bombay
12. Divisional Office-15, Bombay
13. Divisional Office-16, Bombay
14. Divisional Office-1, Pune
15. Branch Office, Camp
16. Branch Office, Hadapsar
17. Branch Office, Tilakroad
18. Divisional Office, Aurangabad
19. City Branch Office-1, Aurangabad
20. City Branch Office-2, Aurangabad
21. City Branch Office-3, Aurangabad
22. Branch Office, Beed
23. Branch Office, Khamgaon
24. Divisional Office, Jalgaon
25. Branch Office, Dhuliya
26. Divisional Office, Nasik
27. Divisional Office, Nagpur
28. City Branch Office-3, Nagpur
29. Divisional Office-2, Nagpur
30. City Branch Office-1, Nagpur
31. Branch Office, Verdha
32. Divisional Office, Nader
33. Divisional Office, Solapur
34. City Branch Office, Solapur
35. Branch Office, Miraj
36. City Branch Office-3, Kolhapur
37. Divisional Office, Satara
38. Divisional Office, Amravati
39. Branch Office, Girideeh
40. Branch Office-I, Darabhangha
41. Branch Office, Mohali
42. Branch Office-II, Chandigarh
43. Branch Office, Chandigarh-I
44. Branch Office, Mandi Dabbali
45. Divisional Office, Jammu
46. Branch Office-1, Jammu
47. Branch Office, Karnal
48. Branch Office, Kaithal
49. Branch Office, Nangal
50. Branch Office, Una
51. Branch Office, Gurdaspur
52. Branch Office, Kathua
53. Branch Office, Dasua
54. Divisional Office, Pathankot
55. Branch Office, Bahadurgarh
56. Branch Office, Ropar
57. Branch Office, Rajpura
58. Branch Office, Chandigarh-3.
59. Branch Office, Sunaam
60. Branch Office, Nabha
61. Branch Office, Samaana
62. Divisional Office-2, Jammu
63. Branch Office, Gangyal
64. Branch Office, Udhampur
65. Regional Office, Ahmedabad
66. Divisional Office-1, Ahmedabad
67. Divisional Office-3, Ahmedabad
68. Divisional Office-4, Ahmedabad
69. Divisional Office, Modasa
70. Branch Office, Unda
71. Branch Office, Porbandar
72. Branch Office, Gandhidham
73. Branch Office, Surendranagar
74. Branch Office, Panvel
75. Branch Office, Washi

76. Divisional Office, Alibagh
77. Branch Office, Mhad.
78. Branch Office, Hadroon
79. Branch Office, Boisar
80. Divisional Office, R.C.F.
81. Branch Office, Dombiwali
82. Branch Office, Ulhasnagar
83. Divisional Office, C. B. D.
84. Regional Office-II, Bombay
85. Divisional Office-2, Bombay
86. Divisional Office-8, Bombay
87. Divisional Office-II, Bombay
88. Divisional Office-13, Bombay
89. Branch Office, Malad

[No. 13011/1/92-HIC]

SUDHEER KUMAR VERMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1994

का.आ. 2206.—केंद्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम-बनी, 1976 के नियम-10 के उपनियम (4) के अनुसरण में (वित्त मंत्रालय, प्राथिक कार्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित) भारतीय जीवन बीमा नियम के निष्पत्तिवित कार्यालयों को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृद्धि ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

1. शाखा कार्यालय, अमृतसर-1
2. शाखा कार्यालय, अमृतसर-4
3. शाखा कार्यालय, पठानकोट-1
4. शाखा कार्यालय पठानकोट-2
5. शाखा कार्यालय, फिरोजपुर
6. शाखा कार्यालय, फाजिल्का
7. शाखा कार्यालय, अबोहर

[संख्या 13011/1/92-हि.का.क.]

सुधीर कुमार वर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 18th August, 1994

S.O. 2205.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Life Insurance Corporation of India (Under the Administrative Control of Ministry of Finance Department of Economic Affairs) where of more than 80 per cent of staff have acquired working knowledge of Hindi.

1. Branch Office-1, Amritsar
2. Branch Office-4, Amritsar.
3. Branch Office-1, Pathankot

4. Branch Office-2, Pathankot
5. Branch Office, Ferozpur
6. Branch Office, Fazilka
7. Branch Office, Abhor.

[No. 13011/1/92-HIC]
SUDHEER KUMAR VERMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

का.आ. 2207.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम 1970 के खण्ड 9 के उपखण्ड (2) के साथ पठित खण्ड, 3 के उपखण्ड, (ख) के अनुसरण में केंद्रीय सरकार एवंद्वारा श्री कुलूर उमेश नायक विशेष सहायक, सिडिकेट बैंक, अमोनियम स्ट्रीट, मद्रास के दिनांक 23 अगस्त, 1994 से 22 अगस्त, 1997 तक या जब तक वे सिडिकेट बैंक के एक कर्मचारी के रूप में अपनी सेवा छोड़ नहीं देते हैं, इनमें से जो पहले हो सिडिकेट बैंक के निदेशक बोर्ड में निदेशक नियुक्त करती है।

[सं. 15/3/94-आई आर]
एस. के. बतरा, अवर सचिव
(Banking Division)

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2207.—In pursuance of sub-clause (b) of Clause 3 read with sub-clause (2) of Clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri Kulur Umesh Nayak, Special Assistant, Syndicate Bank, Armenian Street, Madras as a Director on the Board of Directors of Syndicate Bank with effect from 23rd August, 1994 to 22nd August, 1997 or until he ceases to be an employee of the Syndicate Bank, whichever is earlier.●

[No. 15/3/94-IR]
S. K. BATRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1994

का.आ. 2208.—राष्ट्रीयकृत बैंक, प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम 1970 के खण्ड, 9 के उपखण्ड, (2) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड, (ख) के अनुसरण में केंद्रीय सरकार एवंद्वारा श्री वर्ण चट्टी, विशेष सहायक कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज शाखा कलकत्ता को दिनांक 23 अगस्त, 1994 से 22 अगस्त, 1997 तक या जब तक वे यनाइटेड बैंक आफ इंडिया के एक कर्मचारी के रूप में अपनी सेवा छोड़ नहीं देते हैं इनसे, जो पहले हो यनाइटेड बैंक आफ इंडिया के निदेशक बोर्ड में निदेशक नियुक्त करती है।

[सं. 15/7/93-आई आर]
एस. के. बतरा, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1994

S.O. 2208.—In pursuance of sub-clause (b) of Clause 3 read with sub-clause (2) of Clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri Barun Chatterjee, Special Assistant, Calcutta Stock Exchange Branch Calcutta as a Director on the Board of Directors of United Bank of India with effect from 23rd August, 1994 to 22nd August, 1997 or until he ceases to be an employee of the United Bank of India, whichever is earlier.

[F. No. 15/7/93-IR]
S. K. BATRA, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

आयकर महानिदेशक (छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 2 अगस्त, 1994

आयकर

का.आ. 2209.—प्रतिवार्षिक को एतदारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विद्वित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) सांठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विद्वानों रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक दितीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग 'प्रोशोगिकी भवन', न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के द्वारे में लेखा-परीक्षित आवश्यक हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डायाबेटिस रिसर्च सेंटर फाउंडेशन,

4, मेन रोड, राया पुरम,

मद्रास-600013

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

(2) संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके द्वेषाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में विए आवेदन एवं की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं० 890/एफ सं०म०नि०/आ०क० (छूट)/त.ना.-18/
35(1)(ii)/३९-आ.क. (छूट)]

श्रीमती एस राय, उप निदेशक

(Department of Revenue)

Calcutta, the 2nd August, 1993

(INCOME-TAX)

S.O. 2209.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions : "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Diabetes Research Centre Foundation,
4, Main Road, Royapuram,
Madras-600013.

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 31-3-94.

NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 890/F. No. DG/IT(E)/TN-18/35(1)(ii)/
89-IT(E)]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 2 अगस्त, 1993

Calcutta, the 2nd August, 1993

आवकर

का० 2210.—सर्वसाधारण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारण (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन वित्तित गाधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतों पर “मन्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियों रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक गविव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मैट्रोपोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वापिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सर्विव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से यम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

द टीयूबरक्युलोमिस एसोसियेशन ऑफ इंडिया,
3 रोड क्रॉस रोड,
नई दिल्ली-1

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त गत (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
 2. संगठन को सुशाब्द दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मविव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 891/पक्ष.सं.मनि./आ.क. (छट)/न.दि. 49/35
(1)(ii)/90-आ.का. (छट)]

श्रीमती एस० राय, उपनिदेशक

INCOME-TAX

S.O. 2210.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rules 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Tuberculosis Association of India,
3, Red Cross Road,
New Delhi-1.

This Notification is effective for the period from 1-4-91 to 31-3-93.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisations. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 891/F. No. DG/IT(E)/ND-49/35(1)(ii)/
90-IT(E)]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 26 मार्च, 1993

आयकर

का.आ. 1924.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर, नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

केवल्यधमा श्रीमान माधव योग मंदिर समिति,
लोनावाला-410403,
महाराष्ट्र

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुनिवार दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं 892/एफ.सं.म.नि./आ.क. (छूट)एम-19/35(1)(ii)/
89-आ.क. (छूट)
श्रीमती एस. राय

Calcutta, the 2nd August, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2211.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Kaivalyadham Shriman Madhava Yoga Mandir Samity,
Lonavala-410403,
Maharashtra.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-95.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 892/F. No. DG/IT(E) M-19/35(1)(ii)/
89-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 2 अगस्त, 1993

आयकर

का.आ. 2212.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिरां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, ल्यू बेहरैली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय विस्त्र भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

महाराष्ट्र एसोसिएशन फार दि कलिंगवेशन ऑफ साईंसेस,
लॉ कालेज रोड,
पुने—411004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुशाक दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों ने आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 9893/एफ.सं.म.पि./आ.क.(छूट)एम-80/35-
(1)(ii)/90आ.क.(छूट)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 2nd August, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2212.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mahrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Maharashtra Association for the Cultivation of Sciences,
Law College Road,
Pune-411004.

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 31-3-96.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 893|F. No. DG|IT(E)|M-80|35(1)(ii)|
90-IT(E)]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 2 अगस्त, 1993

प्रायकर

का०ग्रा० 2213.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक दिवारण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके धोत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कैन्सरकेयर ट्रस्ट एंड रिसर्च फाउन्डेशन,
3/1, रेस कोर्स रोड,
इन्दौर-452003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होता।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदित की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके धोत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतिवें में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतिवें सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 894/का.सं.नि/आ.क. (छूट)/एमपी 3/5(1)
(ii)/90 आ.क. (छूट)]

प्रीमिटी ए. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 2nd August, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2213.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May or each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Cancer Care Trust & Research Foundation,
3/1, Race Course Road,
Indore-452003.

This Notification is effective for the period from 1-4-93 to 31-3-94.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisations. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 894/F. No. DG/IT(E)/MP-3/35(1)(ii)/
90-IT(E)]

MRS. S. RAY, Dy. Director

[कलकत्ता, 2 अगस्त, 1993]

Calcutta, the 2nd August, 1993

आयकर

का.आ. 2214.—मर्वेसांधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संबंधी के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय लेखा बहिरां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संबित्व, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” व्य मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) संबित्व, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आवध्यम हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नैशनल फाउन्डेशन ऑफ इंडियन इंजीनियर्स,
11/6 बी, पूसा रोड,
नई दिल्ली-110005

यह अधिसूचना 9-3-90 से 31-3-92 तक प्रभावी रहेगी।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संबंध के लिए सामूह नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां संबित्व, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 895 (एफ.सी.म. नि./आ.क. (छूट) एन.डी. 43/35(1) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उप निदेशक

(INCOME-TAX)

S.O. 2214.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Foundation of Indian Engineers,
11/6B, Pusa Road,
New Delhi-110005.

This Notification is effective for the period from 9-3-90 to 31-3-92.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 895/F. No. DG/IT(E) /ND-43/35(1) (ii)]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कालापता, 2 अगस्त, 1993

प्राप्तकर

का. ना. 2215 - संगठन को एतद्वाग्र लूकित किया जाता है कि किसीलिखित संगठन का, यात्रान्वय प्रतिनियम, 1961 की धारा 35 की उपसंचार (1) के बाद (ii) के लिए, प्राप्तकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राप्तिकारी द्वारा निम्नलिखित जाती पद "संघ" संबंध के अधीन प्रमुखोदित किया गया है:-

(i) संगठन अनुसंधान जारी के लिए जल्द नेतृत्व विहित रखेगा।

(ii) यह प्रत्येक वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वांचिक विवरज प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखापरीक्षित वार्षिक लेखांकी प्रति (क) प्राप्तकर महानिवेशक (फूट), (ख) भविष्य, वैज्ञानिक लक्ष्य औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) प्राप्तकर आपूर्ति/प्राप्तकर महानिवेशक (फूट) जिनके लेखाविकार में उक्त संगठन पड़ता है और प्राप्तकर प्रतिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखापरीक्षित आप-न्यूयर्क हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

फ्लूइड कन्ट्रोल रिसर्च इंस्टीट्यूट

कंजिकोडा वेस्ट,

पालागाट-678623

केरल

यह अधिकूपना पिंडांक 1-4-1993 से 31-3-1996 तक की अधिकूपना के लिए जारी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त धारा (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए नाम नहीं होता।

2. संगठन को संशोधन किया जाता है कि ये अनुसोदन की अवधि बढ़ाने के लिए प्राप्तकर आपूर्ति/प्राप्तकर निवेशक (फूट) जिनके लेखाविकार में संगठन पड़ता है जो माध्यम से प्राप्तकर महानिवेशक (फूट), जलवायन, को सीन प्रतिवर्षों में आवेदन करें, अनुसोदन का अवधि बढ़ाने के संबंध में निए आवेदन-दस्त की 6 प्रतिवर्षीय भविष्य, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 896 / प्रप. नं. म.नि/या.क. (फूट)/के-4/35(1)(ii) /
89-प्र.क. (फूट)]

Calcutta, the 2nd August, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2215.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Fluid Control Research Institute,
Kanjikode West,
Palaghat-678623,
Kerala.

This Notification is effective for the period from 01-04-93 to 31-3-96.

NOTES :

- (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 896/F. No. DG/IT(E)/K-4/35(1)(ii)/
89-IT(E)]

कलकत्ता, 4 अगस्त, 1993

Calcutta, the 4th August, 1993

आधिकर

को आ. 2216.—संशोधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विद्वित/प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संरथा" संघर्ष के अधीन, अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियों रखेगा;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक आधिक विवरण, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को सेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विकलांग केंद्र रूरल रिसर्च सोसाइटी,
13, इंकरांज, इलाहाबाद

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभागी है।

टिप्पणी :

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के निए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[भा. 897/एफ.से.म.नि./आ.क. (छूट)/यू.पी. 1/35(1)
(ii)/89-व.क. (छूट)]

श्रीमती एस. राध, उपनिदेशक

INCOME-TAX

S.O. 2216.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Viklang Kendra Rural Research Society,
13, Inkerganj,
Allahabad.

This Notification is effective for the period from 1-4-91 to 31-3-94.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 897/F. No. DG/IT(E)/UP-1/35(1)(ii)/
89-IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 8 सितम्बर, 1993

Calcutta the 8th September, 1993

आयकर

का. शा. 2217:- सर्वसाधारण को एतद्वारा मूल्यित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:-

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहरालो रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर मर्यानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर प्रायुक्ति/प्रायकर मंहानिदेशक (छूट), जिनके खेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दो गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आयकर विभाग को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

क्रिस्चन मेडिकल कालेज,
लुधियाना मोसाइटी, बाउन रोड,
लुधियाना, -141008 पंजाब

यह अधिसूचना दिनांक 15-6-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए नागू नहीं होगा ।

2. संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्ति/आयकर निदेशक (छूट), जिनके खेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर मंहानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है ।

[संख्या : 898/एफ स. नि./प्रा.क. (छूट)/
प-3/35 (1) (ii)/]

श्रीमर्ति एम. राय, उप निदेशक

INCOME TAX

S.O. 2217.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Christian Medical College,
Ludhiana Society,
Brown Road,
Ludhiana-141008,
Punjab.

This Notification is effective for the period from 15-6-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 898|F. No. DG|IT(E)|P-8|35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

करक्ता, 10 सितम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2218.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंडे (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संबंध के प्रधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग सेक्षा बहिर्या रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वाषिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक सेक्षा-परीक्षित वाषिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

शोशल पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट
5डी, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
जलाना, झंगरी सिटी एक्स. स्कीम
जयपुर-4।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा प्रबंध के लिए लागू मही होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि व अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 899/(एफ.स. म.नि./आ.क. (छट)/आर-2/
35(1)(iii)]

श्रीमती एस. राय, उप निदेशक

Calcutta, the 10th September, 1993

INCOME TAX

S.O. 2218.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Social Policy Research Institute,
SD, Institutional Area,
Jhalana Doongri City Ext. Scheme,
Jaipur-4.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes: 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 899/F. No. DG/IT(E)/R-2/35(1)(iii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 10 सितम्बर 1993

ग्राम्यकर्म

का. आ. 2219.—संवेदायारण को एनदीटारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 35 को उपरारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम G के अधीन विनियत ग्राम्यकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियों रखेगा;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वैज्ञानिक लेखों की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर ग्राम्यकर ग्राम्यकर महानिदेशक (छूट) जिनके खेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आम-चयन द्विसाम को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गूजरमल मोदी साईंस फाउन्डेशन,
द्वारा-मोदी थ्रोड लिमिटेड,
मोदी नगर-201201

जिला-गाजियाबाद

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 में 31-3-94 तक की अधिधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर निदेशक (छूट) जिनके खेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को सीन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सलगा 900/एफ. स. म. नि./आ. क. (छूट)]/यूपी. 13/

35 (1) (ii)]

श्रीमता एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 10th September, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2219.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujar Mal Modi Science Foundation,
C/o. Modi Thread Limited,
Modinagar-201201,
Distt. Ghaziabad.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 900/F. No. DG/IT(E)/UP-13/35(1)(ii)]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 10 सितम्बर, 1993

Calcutta the 10th September, 1993

आधिकार

का. आ. 2220 :—संवर्गाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आधिकार अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपचारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आधिकार नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतीय पर “विश्वविद्यालय” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियों रखेगा;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहराली गेट, नई दिल्ली-110016 को भरेगा; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परोक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आधिकार महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आधिकार आयुक्त/आधिकार महानिदेशक (छूट) जिनके थेलाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आधिकार अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में वी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आधिकार हिमाय को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस,

बंगलौर-560012

साईंस इंस्टीट्यूट पोस्ट-फोर्म्स,

बंगलौर-560012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त गति (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए नाम नहीं होगा।

2. संगठन को सुक्षम दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आधिकार आयुक्त/आधिकार निदेशक (छूट), जिनके थेलाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आधिकार महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को लीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 901/एफ. सं. म. नि. /आ. क. (छूट)/केटी21/
35 (1) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

INCOME-TAX

S.O. 2220.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “University” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax| Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Sciences,

Bangalore-560012,

Science Institute Post Office,

Bangalore-560012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 901/F. No. DG/IT(E)/KT-21/35(1)(ii)]

MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 10 सितम्बर, 1993

आधिकार

का. ना. 2221.—सर्व माध्यारण को एवं द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनग लेखा-बहिर्यां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रिय, वैज्ञानिक औ औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को सेजेगा और,
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रविधियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धी छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आयक्षण्य हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
बन्नेर बाटा रोड,
बंगलौर-560076

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जीवा संघर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट, कलकत्ता) को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

संच्या: 902/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/के टी-39/
35(1)(ii)]

श्रीमती एस. राय, उप निदेशक

Calcutta, the 10th September, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2221.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Management,
Bannerghatta Road,
Bangalore-560076.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 902/F. No. DG/IT(E)/KT-39/35(1)(ii)]
MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 10 सितम्बर, 1993

आयकर

का. ग्रा. 3323.—राष्ट्रसाधारण को एतद्वाग दृचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गत्ते पर "संस्था" मंवर्ग के अधीन अनुमोदित निया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनुसंधान नेतृत्व-विहित रहेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक और वैद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्राचीनगिकी भवन" न्यू, मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-पत्रीकृत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा और वैद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उन्न संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विवरण, कार्यों सम्बन्धी छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय विभाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेन्टर फार आर्गेनाइजेशन डेवलपमेंट,
बंजारा हिल्स,
हैदराबाद-500034

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक को अधिकृति के लिए प्रभाली है।

टिप्पणी:— 1. उपर्युक्त गत्ते (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वा अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मन्त्रिष्ठ, वैज्ञानिक और वैद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 903/एफ सं. म. नि./आ. क. (छूट) आ.प्र. 7/35-
(1)(iii)]

श्रीमती एस. राम, उप निदेशक

Calcutta, the 10th September, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2222.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities.
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Organisation Development,
Banjara Hills,
Hyderabad-500034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 903/F. No. DG/IT(E)/AP-7/35(1)(iii)]
MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 13 सितम्बर, 1993

आयकर

का. ना. 2223.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोटोगिकी भवन" न्यू मैदूरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-अय्य हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हैदराबाद आई-रिसर्च फाउन्डेशन,

रोड नं. 2, बंजारा हिल्स

हैदराबाद-500034

यह प्रधिमूलना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संब" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुसाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन कर, अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 904 एफ. सं. म. नि./मा. क. (छूट) आ. प्र.-16/35(1) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th September, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2223.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Hyderabad Eye Research Foundation,
Road No. 2, Banjara Hills,
Hyderabad-500034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 904/F. No. DG/IT(E)/AP-16/35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director.

कलकत्ता, 13 सितम्बर, 1993

आमंकर

का०आ० 2224.—संवर्साधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बारे (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के प्रधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वैज्ञानिक विकास-प्रत्येक विद्यार्थी वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संविच, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोद्योगिकी भवन” न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ग्रासिम मेडिकल रिसर्च संस्थान,
बिरलाग्राम, नागडा-456331,
(म.प्र.)

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-1992 में 31-3-95 तक की प्रवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां संविच, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 905/एफ. सं. स० नि./ग्रा० क० (छूट)
म०प्र०-1/35(1)(ii)]
श्रीमति एस० राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th September, 1993

INCOME TAX

S.O. 2224.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Grasim Medical Research Institute,
Birlagram,
Nagda-456331
(M.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 905/F. No. DG/IT(E) | MP-1/35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 13 सितम्बर, 1993

आधिकार

का. आ. 2225.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंडे (ii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राप्तिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'मंस्ता' संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा वहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्राचीनगिर्वाचन" न्यू महर्गंगा रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (कृष्ण), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्ति/आयकर महानिदेशक (कृष्ण) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विस्तर कार्यों सम्बन्धित कृष्ण के बारे में लेखा-परीक्षित आम-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सेन्ट्रल इंडिया इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस,

88/2, बजाज नगर, नागपुर-440010

यह अधिभूतना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्ति/आयकर निदेशक (कृष्ण), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (कृष्ण) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 906/पा. सं. म.नि./आ.क. (कृष्ण)/एम-46/
35 (1) (ii)]

श्रीमती एस राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 13th September, 1993

INCOME TAX

S.O. 2225.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) it will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research; and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Central India Institute of Medical Sciences,
88/2, Bajaj Nagar,
Nagpur-440010.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 906/F. No. DG/IT(E)/M-46/35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 13 सितम्बर, 1993

Calcutta the 13th September, 1993

आयकर

का. प्रा. 2226.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के संदर्भ (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोग्रामिकी भवन” न्यू महरूली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक सेवा-वर्गीकृत वैज्ञानिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानियेशक, (छट), (ब) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानियेशक (छट) जिनके लेखाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई विस्तरी कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में सेवा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन कॉन्सर सोसाइटी

मोलापुर,

8389/2-बी, रेलवे लाइन्स,

शोलापुर-413001

यह प्रधिनियम विनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की प्रक्रिया के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर नियेशक (छट) जिनके लेखाधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानियेशक (छट), कलकत्ता को भीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संचया 907/पक. सं. म.नि./पा.क. (छट)/ ए-9/
35 (1)(ii)]

श्रीमती पक्ष. राय, उपायक

INCOME TAX

S.O. 2226.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October, each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of the audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Cancer Society
Solapur,
8389/2-B, Railway Lines,
Solapur-413001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 907/F. No. DG/IT(E)/M-9/35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 13 सितम्बर, 1993

Calcutta, the 13th September, 1993

आधिकार

कांगडा 2227.—संवर्साधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहिन प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर विशेषितालय संवर्ग के अधीन प्रनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा अर्हियां रखेगा;
- (ii) यह प्रपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर गहानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उन्न संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुजरात विद्यापीठ,
आधम रोड,
अहमदाबाद-380014

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि को लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या (908/एफ सं. म. नि./आ. क. (छूट) जि-29/
35 (1) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिवेशक

INCOME-TAX

S.O. 2227.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “University” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mchrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Vidyapith,
Ashram Road,
Ahmedabad-380014.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 908/F. No. DG/IT(E)/G-29/35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 16 सितंबर, 1993

Calcutta, the 16th September, 1993

प्रायोगिक

का.आ 2228 :—संवर्सधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों की एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरौली रोड, नई विल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) मन्त्रिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

गुजरात मेथोडिस्ट चर्च,
कार्डियोथोरासिस एंड वासकुलर रिसर्च सोसाइटी,
मिशन रोड,
नदियाड-387001, गुजरात.

इह अधिसूचना रिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को सीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मन्त्रिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या : 909/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/जी.-53/
35 (1)(ii)/91-आ.क. (छूट)]
कांसती एम. राय, उपनिदेशक

INCOME-TAX

S.O. 2228.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Methodist Church,
Cardiothoracic And Vascular Research Society,
Mission Road,
Nadiad-387001.
Gujarat.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 909] F. No. DG/IT(E) G-53/35(1)(ii)/91-
IT(E)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 20 सितम्बर, 1993

Calcutta, the 20th September, 1993

आयकर

का.आ. 2229:- संवेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय लेखा विहित रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तृत वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक औ औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रीद्योगिक भवन", न्यू मेहराउली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विस्तृत कार्य-कला; सम्बन्धी (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय दिसाव को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

जी.एस.एफ.सी. साइंस फाउन्डेशन,
पो.आ. फरिटाइजर नगर-391750,
जिला—बडोदा

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त नंतर (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), काशकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के सम्बन्ध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा प्रस्तुत करना है ।

[संख्या : 910 /एफ.स. म.नि./आ.क. (छूट)/
जी-55/35(1)(ii)]

श्रीमति एस. रात, उप निदेशक

INCOME TAX

S.O. 2229.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

G.S.F.C. Science Foundation,
P.O. Fertilizer Nagar-391750,
Dist. Baroda.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 910] F. No. DG[IT(E)]G-55[35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 22 सितम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2230.—संवैसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii)¹ के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संघर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोद्योगिकी भवन” न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में वी गई रिसर्च कार्य-क्लास सम्बन्धी (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

कस्तुरबा हैत्य सोसाइटी,
पी.आ. मेवाप्राम, वरधा,
महाराष्ट्र,
पिन-442102

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संघर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[खंड : 911/एक. सं. म.नि./आ.क. (छूट)/
एम-31/35(1)(ii)]

श्रीमती एस० राय, उपनिवेशक

Calcutta, the 22nd September, 1993

INCOME TAX

S.O.2230.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Kasturba Health Society,
P.O. Sevagram, Wardha,
Maharashtra,
PIN 442102.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 911/F. No. DG/IT(E)/M-31/35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 22 मित्तम्बर, 1993

Calcutta, the 22nd September, 1993

आयकर

का.आ. 2231 :—संवर्साधारण को एन्डब्ल्यूआरा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के बाण 3(ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “कालेज” संबंधी के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहराली, रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बी.बी.एम. समीनि,
आॅल इंडिया आयुर्वेद रिसर्च इनस्टीट्यूट,
श्री आयुर्वेद महाविद्यालय,
हनुमान नगर, नागपुर-440009

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुभोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मर्ख्या : 912/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम.-48/35(1)(ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

INCOME TAX

S.O. 2231.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category ‘College’ subject to the following condition :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Bhartiya Vaidyak Samanaya Samiti,
(All India Ayurveda Research Institute),
Sri Ayurved Mahavidyalaya,
Hanuman Nagar,
Nagpur-440009.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 912/F. No. DG|IT(E)|M-48|35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 22 सितम्बर, 1993

आयकर

का. आ. 2232.—संविधान को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के छान्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के प्रधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर विश्वविद्यालय संवर्ग के प्रधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा विहित रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली—110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परिधि वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सन्धि, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुलबरगा विश्वविद्यालय,
"अन्ना नगर"

गुलबर्गा-585106

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाचर दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए, आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तोन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों मन्त्रिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंख्या 913/एफ. स. म. नि./आ. क. (छूट) /के. टी.-29/35 (1) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 22nd September, 1993

INCOME TAX

S.O. 2232.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gulbarga University,
"Anna Nagar"
Gulbarga-585106.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTE : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 913/F. No. DG/IT(E)/KT-29/35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 22 सितम्बर, 1993

Calcutta, the 22nd September, 1993

आयकर

का. आ. 2233.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंडे (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'भस्या' प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

1. संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा वहियां रखेगा।
2. यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक धार्यिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिको भवन," न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
3. यह प्रत्येक वर्ष को 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वायिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके अधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ऑल इंडिया हार्ट फाउन्डेशन,
4874 (पहली मंजिल), अंसारी गोड,
24, दरियांगंज, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना विनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक का अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 914/फा. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/न.दि. 39/
35 (1)(ii)]

श्रीमती एम. राय, उप निदेशक

INCOME TAX

S.O. 2233.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year;
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

All India Heart Foundation,
4874 (First Floor),
Ansari Road,
24, Daryaganj,
New Delhi.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 914/F. No. DG/IT(E)/ND-39/35(1)(ii)]

Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 22 सितम्बर, 1993

Calcutta, the 22nd September, 1993

आयकर

का. आ. 2234.—मर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम ८ के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स,
ऑफ इंडिया,
पो. बा. नं. 7100, इन्द्रप्रस्थ,
नई दिल्ली ।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुमाल दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 915 एफ. सं. म.नि./आ.इ. (छूट) न.दि.—46/35

(1)(iii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

INCOME-TAX

S.O. 2234.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has information that the organisation mentioned below has Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Institute of Chartered Accountants of India,
P.B. No. 7100,
Indraprastha,
New Delhi.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisations. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 915/F. No. DG/IT(E)/ND-46/35(1)(iii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 23, सितम्बर, 1993

आयकर

का. आ. 2235.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतों पर “विश्वविद्यालय” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मन्त्रन्धरी कार्यों का एक वायिक विवरण प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक और्योगिक अनुसंधान विभाग “प्रोद्योगिकी भवन”, न्यू मैहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा-प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक नथा और्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिन के क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई रिसर्च क्रियाकलाप सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय,
विश्वविद्यालय के भूमि,
कलावाड रोड, राजकोट,
राजकोट-360005

यह अधिसूचना विनांक 1-4-93 से 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—

1. उपर्युक्त गते (1) “संघ” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को मुकाबल दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है कि माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कल कना को तीन प्रतियों में आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और और्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 916/एक सं.म.नि./आ.क. (छूट)/जी.-38/35/(1)
(ii)]

श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 23rd September, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2235.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “University” subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Meharauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Accounts in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sourashtra University,
University Campus,
Kalawad Road, Rajkot,
Rajkot-360005.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1996.

NOTES :

1. Conditions (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and will in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 916/F. No. DG/IT(E)/G-38/35(1)(ii)]
Smt. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 24 सितम्बर, 1993

आयकर

का. आ. 2236 :—सर्वसाधारण की एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राविकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयकर/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बिरला इन्सटीट्यूट ऑफ साइंटीफिक रिसर्च,
78, सैयद अमीर अली एवन्यू,
कलकत्ता-700 019

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयकर/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियां में अवैदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किंग आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सर्वाव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[वंदा : 917/एफ.सं. म.नि./ग्रा.क. (छूट)/प.वं.-
- 11/35 (1) (ii)]

श्रीमती ग्रा. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th September, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2236.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Birla Institute of Scientific Research,
78, Syed Amir Ali Avenue,
Calcutta-700019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

NOTES :

1. Conditions (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and will in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 917/F. No. DG/IT(E)/WB-11/35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 24 सितम्बर, 1993

Calcutta, the 24th September 1993

आयकर

का. आ. 2237.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न निवित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अन्वग लेखा बहिया रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक श्रिवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आवश्य हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर, फॉर आर्ट्स,
जनपथ-नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए नागू नहीं होता।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

फ़ैला : 918 /एक.मं. म.नि./आ.क. (छूट)/
न.दि./22/35 (1) (iii)]
श्रीमति एस. राय, उपनिदेशक

INCOME TAX

S.O. 2237.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indira Gandhi National Centre for Arts,
Janpath,
New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 918] F. No. DG|IT(E)|ND-22|35(1)(iii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 24 सितम्बर, 1993.

Calcutta, the 24th September 1993

आयकर

का.आ. 2238.—मर्वमाधारण को पत्रद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सन्ति, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोचार-गिरी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय व्यवहार को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

सेन्टर फॉर वोमेन्स इनपरेंट स्वडीम,
नई दिल्ली,

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को मुम्भाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[संख्या 919/एफ. स. स. नि./आ.क. (छूट)/न.
दि-53/35(1) (iii)]

श्रोमतो एस. राय, उत्तर निदेशक

INCOME TAX

S.O. 2238.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Women's Development Studies,
New Delhi.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 919/F. No. DG/IT(E) ND-53/35(1)(iii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, २४ सितम्बर, १९९३

आयकर

का. आ. २२३९.—सर्वसाधारण का एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, १९६१ की धारा ३५ की उपवाग (१) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम ६ के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित अंतीं पर “संस्था” संबंधी के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए आवग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के ३१ मई तक मन्त्रिय, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोधांगिकी भवन” न्यू महरीली रोड, नई दिल्ली ११००१६ को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के ३१ अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ग) मन्त्रिय, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, १९६१ की धारा ३५(१) में दी गई सिवर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

शाह इंडस्ट्रीजल रिसर्च इंस्टीट्यूट,
सा-१५/१७१, गौतम बृह राजपथ,
सारनाथ, वाराणसी-२२१००७

यह अधिसूचना दिनांक १-४-१९९२ से ३१-३-१९९५ तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—(१) उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा मंवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

(२) संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की ६ प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या ९२०/एफ सं. म. नि/आ० क० (छूट)/
उ० प्र. २/३५ (१) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 24th September, 1993

INCOME TAX

S.O. 2239.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sah Industrial Research Institute,
Sa, 15/171, Gautam Buddha Rajpath,
Sarnath,
Varanasi-221007.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

NOTES: 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 920/F. No. DG/IT(E)/UP-2/35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

কলকাতা, 28 সেপ্টেম্বর, 1993

আয়কর

কা. আ. 2240:—সর্বসাধারণ কো এতদ্বারা সূচিত কিয়া জাতা হয় কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35 কী উপধারা (1) কে খণ্ড (iii) কে লিএ, আয়কর নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অধীন বিহিত প্রাধিকারী দ্বারা নিম্নলিখিত শর্তে পর “সংস্থা” সংবর্গ কে অধীন অনুমোদিত কিয়া গয়া হৈ:—

- (i) সংগঠন অনুসংধান কার্য্য কে লিএ অলগ লেখা বাহ্যিক রেখেগা।
- (ii) যহ অপনে বৈজ্ঞানিক অনুসংধান সম্বন্ধী কার্য্য কা এক বাধিক বিবরণ প্রত্যেক বিতোয় বৰ্ষ কে লিএ, প্রত্যেক বৰ্ষ কে 31 মই তক সচিদ, বৈজ্ঞানিক ব ঔদ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ “পৌদ্যোগিক ভবন” ন্যূ মেহরালী রোড, নই দিল্লী-110016 কো ভেজেগা, আৰু
- (3) যহ প্রত্যেক বৰ্ষ কে 31 অক্টুবৰ তক লেখা-পরীক্ষিত বাধিক লেখা কী প্রতি (ক) আয়কর মহানিদেশক (ছুট), (খ) সচিদ, বৈজ্ঞানিক তথা ঔদ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ আৰু (গ) আয়কর আযুক্ত/আয়কর মহানিদেশক (ছুট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ আৰু আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35 (1) মেঁ দী গই রিসৰ্চ কার্য্য সম্বন্ধিত ছুট কে বারে মেঁ লেখা-পরীক্ষিত আয়-ব্যয় হিসাব কো ভী প্ৰস্তুত কৰেগা।

সংগঠন কা নাম

সেন্টাৰ ফাঁৰ রিসৰ্চ ইন রুৱল ইন্ডস্ট্ৰীয়ল ডেভলপমেন্ট,
2-এ, সেক্টাৰ 19এ, মধ্য মাৰ্গ,
চণ্ডীগড়-160019

যহ অধিসূচনা দিনাংক 1-4-92 সে 31-3-93 তক কী অবধি কে লিএ প্ৰভাৱী হৈ।

টিপ্পণী :— 1. উপৰ্যুক্ত শর্ত (i) “সংব” জৈসা সংবৰ্গ কে লিএ লাগু নহীন হৈগা।

(2) সংগঠন কো সুজ্ঞাব দিয়া জাতা হৈ কি বে অনুমোদন কী অবধি বঢ়ানে কে লিএ আয়কর আযুক্ত/আয়কর নিদেশক (ছুট), জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ সংগঠন পড়তা হৈ কে মাধ্যম সে আয়কর মহানিদেশক (ছুট), কলকাতা কো তীন প্রতিযোঁ মেঁ আবেদন কৱে, অনুমোদন কী অবধি বঢ়ানে কে সংবন্ধ মেঁ কিএ আবেদন পত্ৰ কী 6 প্রতিযোঁ সচিদ, বৈজ্ঞানিক আৰু ঔদ্যোগিক অনুসংধান বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰনা হৈ।

[সংখ্যা ৯২১/এফ. স. ম. নি. / আ. ক. (ছুট)/
পি. 2/ 35 (1) (iii)]

শ্রীমতী এস. রায়, উপনিদেশক

Calcutta, the 28th September, 1993

INCOME TAX

S.O. 2240.—It is hereby notified for general information that the organization mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan” New Mehranlal Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year; a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Centre for Research in Rural & Industrial Development,
2-A, Sector, 19A,
Madhya Marg,
Chandigarh-160019

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organizations categorised as associations.

2. The organization is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organization. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 921/F. No. DG/IT(E)/P-2/35(1) (iii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 29 सितम्बर, 1993

आयकर

का. आ. 2241 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आपूर्ति/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बिरला रिसर्च इन्स्टीट्यूट फॉर एप्लाइड साइंसेस,

बिरलाग्राम-456331

नागदा (म.प्र.)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुकाबल दिया जाता है कि वे अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आपूर्ति/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में अवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 922 / एफ. सं. म. वि. /आ. क. (छूट) म. प्र. -

2/35(1)(ii)]

श्रीमती एस. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th September, 1993

INCOME TAX

S.O. 2241.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Birla Research Institute for Applied Sciences,
Birlagram-456331,
Nagda (M.P.).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 922] F. No. DG/IT(E)|MP-2|35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 28 गुरुवार, 1993

आयकर

का.आ. 2242.—गर्वमाधारण को एनद्वारा मूल्यन किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन का, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्रधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिर्यां रखेगा ।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मन्त्रियों कार्यों का एक वैर्यक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक मन्त्रिव, वैज्ञानिक व श्रीदैविक अनुसंधान विभाग “प्रोद्योगिकी भवन” न्यू मेहरानी रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वैर्यक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) मन्त्रिव, वैज्ञानिक तथा श्रीदैविक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट), जिनके श्रेष्ठाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-ज्यव हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा ।

संगठन का नाम

पैरामार्ट्र अकादमी ऑफ टेक्नोलॉजी,
14/3, छातावाला लैन,
कलकत्ता-700012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके लेखाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को नीन प्रतियां में आवेदन कर, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मन्त्रिव, वैज्ञानिक व श्रीदैविक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है ।

[मंज्ञा : 923/एफ स. म.नि./आ.क. (छूट)/
पब-39/35 (1) (ii)]
श्रीमती एम. राय, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th September, 1993

INCOME TAX

S.O. 2242.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Paramount Academy of Technology,
14/3, Chhatawala Lane,
Calcutta-700012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 923/F. No. DG/IT(E)/WB-39/35(1)(ii)]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 29 सितम्बर, 1993

Calcutta, the 29th September, 1993

आयकर

का. आ. 2243 :—संवर्तनाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया जाया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।
- (ii) वह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वाष्णविक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वाष्णविक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर अधिकार/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 35 (1) में दो गई रिसर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हरिलाल जे यांद दोषी सार्वजनिक अस्पताल
एंड मेडिकल रिसर्च सेन्टर,
मालविय नगर, गोदावरी रोड,
पी-डी- मालविय कामरस कालेज,
राजकोट-360004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—(1) उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आयकर अधिकार/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तोन प्रतियों में आवेदन करे, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पर को 6 प्रतियां, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 924/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/जी.

56/35 (1) (ii)]

श्रीमती ए. राधा, उपनिदेशक

INCOME TAX

S.O. 2243.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Harilal Jechand Doshi Sarvajanik Hospital and Medical Research Centre,
Malaviyanagar,
Gondal Road,
P.O. Malaviya,
Commerce College,
Rajkot-360034.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 924/F. No. DG/IT(E) | G-56/35(1)(ii)]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 सितम्बर 1993

Calcutta, the 30th September, 1993

आयकर

का.आ. 2244 :—वैज्ञानिक अनुसंधान को एनद्वारा गूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की अधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित गतिं पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-वहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान मन्त्रियों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक न्या औद्योगिक अनुसंधान विभाग (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई रिसर्च कार्यों अधिनियम छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन मेडिकल गाइडलाइन फाउन्डेशन,
'अजय मंजरी',
मालवीय रोड, राजकोट-360002
गुजरात।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गति (i) "संघ" जैसा संवर्च के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुझाव दिया जाता है कि वे अनु-पोक्त को अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को दीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 925/एक सं. म.नि./आ.क. (छूट)/जी50/35-
(1) (ii)/91]

श्रीमती एम. एय. उपनिदेशक

S.O. 2244.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Indian Medical Scientific Research Foundation,
Ajay Mansion,
Malaviya Road,
Rajkot-360002,
Gujarat (India).

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 925/F. No. DG/IT(E)/G-50/35(1)(ii)/91]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 सितम्बर, 1993

आयकर

का.आ. 2245 : -- वैज्ञानिक की प्रतिक्रिया मूल्यित किया जाता है। निम्नलिखित संगठन का आयकर आवृत्तियम, 1961 की धारा 35 वीं उपधारा (1) के अपेक्षा (ii) के नियम, आयकर नियम के नियम 6 के अनुसार विद्युत प्राविकारों द्वारा निम्नलिखित संघर्ष पर "कानून" संघर्ष के अवधारणा अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अनुगत लेखा-वहियों रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वायिक विश्वासी प्रत्येक विनियोग वर्ष के लिए, वैज्ञानिक वर्ष के 31 मई तक साचव, वैज्ञानिक और अौद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रायोगिकों भवन" वा महाराजा राणा, नई दिल्ली-110016 का भेजेगा, जारी।
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक नेत्रान्परीक्षित वायिक लेखा की प्रति (a) आयकर प्राविकार (छट), (b) सचिव, वैज्ञानिक तथा आवृत्ति/आयकर अनुसंधान विभाग और (c) आयकर आवृत्ति/आयकर प्राविकार (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उन संगठन पड़ता है और आयकर आवृत्तियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों गत्वांशीत छट के नामे में लेखा-प्रतीक्षित आवृत्ति द्वाव को भी प्रत्युत करेगा।

संगठन का नाम

सैवैट मानसिंह, एस. मेडिकल कॉलेज़)

(एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज़)।

जयपुर, राजस्थान।

यह अधिसूचना शिक्षक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अधिकारी के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त गति (1) "संघ" जैसा संबंध के लिए आगू नहीं होगा।

2. संगठन वा मुक्ताव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की प्रवधि बढ़ाने के लिए आयकर आवृत्ति/आयकर विद्येशक (छट) विनियोग संविधान के संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर प्राविकार (छट), कलकत्ता का तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन का आवाव बढ़ाने के संबंध में किए श्रवण-पत्र को 6 प्रतियों मध्यिक, वैज्ञानिक और अौद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[मंदिरा 926/एफ.सं. भ.नि./आ.क. (छट) आर-5/
35 (1) (ii)/90]
ओमती एस. राय, उप-निदेशक

Calcutta, the 30th September, 1993

INCOME TAX

S.O. 2245.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "College" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sawai Mansingh S. Medical College,
(S.M.S. Medical College),
Jaipur, Rajasthan.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 926] [F. No. DGIT(E)R-5/35(1)(ii)/90]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 30 सितम्बर, 1993

आयकर

का. आ. 2246.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक, अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिक भवन” न्यू मेहराली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर मंहानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गुजरात रिसर्च एंड मेडिकल इन्स्टीट्यूट,
कैम्प रोड, सेहिलोंग,
अहमदाबाद-380004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनिवाल दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 927 /एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) जी-51/
35(1)(ii)/91]

श्रीमती एस. राय, उप निदेशक

Calcutta, the 30th September, 1993

INCOME-TAX

S.O. 2246.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gujarat Research and Medical Institute, Camp Road, Shahilung, Ahmedabad-380004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 927/F. No. DG/IT(E)/G-51/35(1)(i)/91]
SMT. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 11 अक्टूबर, 1993

Calcutta, the 11th October, 1993

आयकर

INCOME-TAX

का. आ. 2247:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि सिन्हानिखित संगठन को, आयकर प्रधिनियम, 1961 वी धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्ननिखित शर्तों पर “संस्था” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा व्यवस्था रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रोटोगिकी भवन” न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके अधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

राजीव गांधी फाउंडेशन

जवाहर भवन,

डा. राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 30-7-91 में 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी 1 उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अधिक बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके अधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को नीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए अविवेदन-पत्र की 6 प्रतियों सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[मंच्चा : 928 /एफ. सं.मनि./आ.क. (छट) त.दि. 95/35(1) (ii)/(iii)/91]

श्रीमती एस. राय, उप निदेशक

S.O.2247.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’ New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner, of Income-Tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Rajiv Gandhi Foundation

Jawahar Bhavan

Dr. Rajendra Prasad Road
New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 30-7-1991 to 31-3-1993.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-Tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 928/E. No. DG/IT(E)/ND-95/35(1)(ii)/(iii)/91
MRS. S. RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 11 अक्टूबर, 1993

Calcutta, the 11th October, 1993

आयकर

का.आ. 2248—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्ननिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संबंध के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रोद्योगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-शीक्षित वार्किंग लेखा की प्रति (क) आयकर महानिवेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-प्रतिक्रिया आय-व्यय हिसाब को ही प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनान्स
एण्ड पालिसी, 18/2, सत्संग विहार मार्ग,
स्पेशल इन्स्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-110067

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संबंध” जैसा संबंध के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाव दिया जाता है कि वे अनु-मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिवेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 929/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/न.दि. 72/
35(1) (iii)/90]

श्रीमती एस. राय, उप निवेशक

INCOME TAX

S.O.2248.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Maharauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

National Institute of Public Finance
& Policy, 18/2, Satsang Vihar Marg,
Special Institutional Area,
New Delhi-110067.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995

Note : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and will in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 929/F. No. DG/IT(E)/ND-72/35(1)(iii)/90]
Mrs. S. ROY, Dy. Director

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर, 1993

Calcutta, the 12th October, 1993

आयकर

का.आ. 2249 — सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तारीख वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्राद्योगिकी भवन" न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षात वार्षिक संख्या की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई विवरण कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षात आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री अरविंद इन्स्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंस्स
पोन्डेरी-605501

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-94 में 31-3-96 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या: 930/ए.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/पोन-1/
35(1)(iii)/89]

श्रीमती एस.राय, उप निदेशक

INCOME-TAX

S.O. 2249.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section 1 of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the Category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax(Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Institute of Research in Social Science
Pondicherry-605501

This Notification is effective for the period from 1-4-94 to 31-3-96.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 930/F. No. DGIT/(E)/Pon-I/25(1)(iii)/89]
MRS. S. ROY, Dy. Director

कलकत्ता, 13 अक्टूबर, 1993

Calcutta, the 13th Oct. 1993

आयकर

का.आ. 2250—सर्वमाधारण को प्रतद्वारा मन्त्रित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के व्यष्टि (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहिन प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग नेत्रा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वाष्पिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 गई तक सत्त्व, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्राद्योगिकी भवन”, न्यू महराली रोड, नई दिल्ली-16 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक नेत्रा-परीक्षित वाष्पिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छृट), (ख) यन्त्रिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छृट) जिनके भौताधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छृट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-स्थिर हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एन.एम. रेडियो चेरिटेबल अस्पताल,
दादा साहेब गायकवाड़ रोड,
शोलापुर-413001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-1995 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छृट) जिनके भौताधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छृट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां मिलिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 931/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छृट) एम.-128/
35(1) (ii) 90]

श्रीमती एस. राय, डॉ निदेशक

INCOME TAX

S.O. 2250.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions;

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st Oct. each year a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

N.M. Radia Charitable Hospital,
Dada Saheb Gaikwad Road,
Solapur-413001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 931/F.No. DG/IT(E)/M-128/35(1)(ii) 90
Mrs. S. ROY, Dy. Director

कलकत्ता, 14 अक्टूबर, 1993

Calcutta, the 14th October, 1993

आयुकर

का. आ. 2251.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रोद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल हैल्थ एंड एजूकेशन सोसाइटी,
वीर सवारकर मार्ग, माहिम,
बंबई-400016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1993 से 31-3-1994 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा ।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर भाग्निदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 932 (एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) एम-
132/35(1) (ii)]

श्रीमती एस. राय, उप निदेशक

INCOME TAX

S.O.2251.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan' New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-Tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

National Health & Education Society,
Veer Savarkar Marg,
Mahim,
Bombay-400016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 932(F.No. DG/IT/M-132/35(1)(ii))]

SMT. S. ROY, Dy. Director

কলকাতা, 14 অক্টোবর, 1993

Calcutta, the 14th October, 1993

ଆয়কর

কা.আ. 2252.—পর্বতসাধারণ কো এতদ্বারা সূচিত কিয়া জাতা হৈ কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো, আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35 কী উপধারা (1) কে খণ্ড (ii) কে লিপি, আয়কর নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অধীন বিহৃত প্রাধিকারী দ্বারা নিম্নলিখিত শর্তৰ পৰ “সংস্থা” সংবর্গ কে অধীন অনুমোদিত কিয়া গ্যায় হৈ:—

(i) সংগঠন অনুসংধান কার্যৰ কে লিএ অলগ লেখা-বহিয়া রখেগা।

(ii) যহু অপৰ্যন্ত বৈজ্ঞানিক অনুসংধান সম্বন্ধী কার্যৰ কা এক বাধিক বিবরণ প্রলোক বিলোক কৰার কে লিএ প্রযোক কৰ্ত্তৃ কে 31 মাৰ্চ তক সন্তোষ, বৈজ্ঞানিক ব ঔষোঁগিক অনুসংধান বিভাগ, “প্ৰোগ্যোগিকী ভাৰত” ন্যূ মেহৰাণী রোড, নড় দিন্দী—110016 কো ভেজেগা, ঔৰ

(iii) যদৃ প্রত্যক বৎপ কে 31 অক্টোবৰ তক লেখা-পরীক্ষাত বার্গিক লেখা কো প্ৰতি (ক) আদকৰ মহানিদেশক (ছৃট), (গ্র) সচিব, বৈজ্ঞানিক তথা ঔষোঁগিক অনুসংধান বিভাগ ঔৰ (গ) আয়কর আয়ুৰত আয়কর মহানিদেশক (ছৃট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পড়না হৈ ঔৰ আয়কর অধিনিয়ম, 1961 কী ধারা 35(1) মেঁ দী গাঁড় রিসৰ্চ কিয়া গ্যায সম্বন্ধিত ছৃট কে বার মেঁ লেখা-পরীক্ষাত আধি-প্ৰয়োগ হিসেব কো ভী প্ৰস্তুত কৰেগা।

সংগঠন কা নাম

এম.পি.বোস নেশনল সেন্টার ফোর ব্ৰিসিক সায়েন্সেস,
ডি.বি.-17, সেক্টর-1,
সাল্ট লেক সীটী, কলকাতা-700064

যহু অধিসূচনা দিনাংক 1-4-92 মে 31-3-95 তক কী অবধি কে লিএ প্ৰভাৱী হৈ।

টিপ্পণী: 1. উপৰ্যুক্ত শর্ত (i) “সংঘ” জৈমা সংবৰ্গ কে লিএ লাগু নহীন হোগা।

2. সংগঠন কো সুজ্ঞাব দিয়া জাতা হৈ কি কৈ অনুমোদন কী অবধি বৰান্তে কে লিএ আয়কর আয়ুক্ত আয়কর নিদেশক (ছৃট) জিনকে ক্ষেত্ৰাধিকাৰ মেঁ সংগঠন পড়না হৈ কে মাধ্যম গে আয়কর মহানিদেশক (ছৃট), কলকাতা কো তীন প্ৰতিযোঁ মেঁ আবেদন কৰে, অনুমোদন কী যৰ্বতি বৰান্তে কে সংবৰ্গ মেঁ কিএ আবেদন-পত্ৰ কী 6 প্ৰতিযোঁ সচিব, বৈজ্ঞানিক ঔৰ ঔষোঁগিক অনুসংধান বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰতা হৈ।

[মংখ্যা 933 (পক্ষ.সং. ম.নি./আ.ক. (ছৃট)/প.ব.
28/35(1) (ii) 90]

শ্ৰীমাৰ্জি এম. রাধ, উপ নিদেশক

INCOME TAX

S.O. 2252.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” Subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’ New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research Activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

S. N. Bose National Centre for Basic Sciences,
DB-17, Sector-I,
Salt Lake City,
Calcutta-700064.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 933 (F.No. DG/IT (E)/W.B. 28/35 (1) (ii)/90]
SMT. S. ROY, Dy. Director

कलकत्ता, 14 अक्टूबर, 1993

Calcutta, the 14th October, 1993

आयकर

का.आ. 2253.—संवैधानिक संगठन को आयकर संबंधित किया जाता है कि तिमालिकित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 पी उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अवीन विहित प्राधिकारी द्वारा नियमित रूप से पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा-बहिर्भूत रखेगा।

(ii) यह प्रपत्र वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रीजोगिकी भवन” न्यू मैहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्राधिका/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में सी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा परीक्षीत आय-व्यय दिसाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बैकुंठ भाई मेहता रिसर्च मेंटर फॉर डिसेन्ट्रलाइज्ड इंडस्ट्रीज, पांचवीं फ्लोर, एन.के.एम. इंटरनेशनल होटल, 178, बेकवेरिक्लेमेशन बंबई-400020।

यह अधिसूचना दिनांक 25-1-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को गुणाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्राधिका/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कनकना को तीन प्रतिशत में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतिवां मर्चिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 934 (एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) एम-146/35(1) (iii)/91]

श्रीमती एस राय, उप निदेशक

INCOME TAX

S.O. 2253.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’ New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATIONS

Vaikunthbhai Mehta Research Centre For Decentralised Industries, 5th Floor, NKM International House, 178, Back-bay Reclamation, Bombay-400 020.

This Notification is effective for the period from 25-1-93 to 31-3-95.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income Tax (exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 934 (F.No. DG/IT(E)/M-146/35 (1) (iii)/91]

SMT. S. RAY, Dy. Director

कानकता, 15 अक्टूबर, 1993

Calcutta, the 15th October, 1993

आयकर

का.शा. 2254.—सर्वसाधारण को एन्ड्राग्र सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंडे (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित जर्तौंपर “संघ” संघर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वैज्ञानिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई, तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षीत वार्षिक लेखा वी प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके अंत्राधिकार में उन्नत संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कानवेस्ट जैन मेडिकल रिसर्च सोसाइटी, 8/10, मिकाड बारी लेन,
चनदेवाडी, बंबई-400004

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अधिकारी के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:

1. उपर्युक्त धर्ता (1) “संघ” जैसा संघर्ग के लिए सागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुनिश्चित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके अंत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मंद्या 935/एफ.म.म.नि./आ.क. (छूट) एम-30/35(1)/
(ii)/90-91]

श्रीमती एस. राय, उप निदेशक

INCOME-TAX

S.O. 2254.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions:—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Conwest Jain Medical Research Society,
8/10, Mikadwari Lane,
Kandewadi,
Bombay-400004.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 935/F. No. DG/IR(E)/M-30/35(1)/(ii)/90-91]

SMT. S RAY, Dy. Director

कलकत्ता, 18 अक्टूबर, 1993

आयकर

का. आ. 2255.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) में खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा विधियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विसीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (झूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (झूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित झूट के बारे में लेखा परीक्षीत आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जयरामदास पटेल साइंटिफिक रिसर्च फाउण्डेशन, 705 एरोस अपार्टमेन्ट, 56 नेहरू प्लैस, नई दिल्ली-110019

यह प्रधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुमाव विद्या जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (झूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (झूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए ग्रावेन पत्र की 6 प्रतियो सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 936 (एफ.सं. म.नि./आ.क. (झूट)एन. डी.-17/
35/(1)(ii)89]

श्रीमती एस.राय, उप निदेशक

1959 G1/94—9

Calcutta, the 18th October, 1993

INCOME TAX

S.O. 2255.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions:

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Jayaramdas Patel Scientific Research Foundation,
705, Eros Apartments,
56, Nehru Place,
New Delhi-110019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1994.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 936 (F.No.DG/IT(E)/ND-17/35(1)(ii)/89]

SMT. S. RAY, Dy. Director

কলকাতা, 27 অক্টোবর, 1993

Calcutta, the 27th October, 1993

ଆপকাৰ

কা.আ. 2256.—সৰ্বসাধাৰণ কো এতদ্বাৰা সুৰক্ষিত কিয়া জাতা হৈ কি নিম্নলিখিত সংগঠন কো আয়কাৰ অধিনিয়ম, 1961 কী ধাৰা 35 কী উপধাৰা (1) কে খণ্ড (ii) কে কিএ আয়কাৰ নিয়ম কে নিয়ম 6 কে অধীন বিহুত প্ৰাধিকাৰী দ্বাৰা নিম্নলিখিত শাৰ্টোৰ পৰ “সংস্থা” সংৰক্ষ কে অধীন অনুমোদিত কিয়া গয়া হৈ:—

(i) সংগঠন অনুসংধান কাৰ্যোৰ লিএ অলগ লেখা বহিয়া রক্ষেগা।

(ii) যহ অপনে বৈজ্ঞানিক অনুসংধান সংৰক্ষী কাৰ্যোৰ এক বাষ্পিক বিবৰণ প্ৰত্যেক বিত্তীয় বৰ্ষ কে লিএ প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 31 মাৰ্চ তক সচিব, বৈজ্ঞানিক ও প্ৰৌঢ়ীগিক অনুসংধান বিভাগ, “প্ৰৌঢ়ীগিক ভবন”, ন্যূ মেহৰীলী ৩০৩, নাৰ্ড দিল্লী-110016 কো ভেজগা, আৰু

(iii) যহ প্ৰত্যেক বৰ্ষ কে 31 অক্টোবৰ তক লেখা-পৰীক্ষিত বাষ্পিক লেখা কী প্ৰতি (ক) আয়কাৰ মহানিৰ্দেশক (ছুট), (খ) সচিব, বৈজ্ঞানিক তথা প্ৰৌঢ়ীগিক অনুসংধান বিভাগ আৰু (গ) আয়কাৰ আযুক্ত/আয়কাৰ মহানিৰ্দেশক (ছুট) জিনকে ভোকাধিকাৰ মেঁ উক্ত সংগঠন পড়তা হৈ আৰু আয়কাৰ অধিনিয়ম, 1961 কী ধাৰা 35(1) মেঁ বী গাঈ রিসৰ্চ কাৰ্যোৰ সংৰক্ষণ ছুট কে বাবে মেঁ লেখা পৰীক্ষিত আয়-ব্যয় হিসাব কো ভী প্ৰস্তুত কৰেগা।

সংগঠন কা নাম

দিব্যজ্যোতি আযুৰ্বেদিক রিসৰ্চ ফাউন্ডেশন, ৯, স্বেতা পাৰ্ক, নিয়াৰ মনেকবাব হাল, অহমদাবাদ-380015

যহ অধিসূচনা দিনাংক 1-4-93 সে 31-3-95 তক কী অবধি কে লিএ প্ৰভাৱী হৈ।

টিপ্পণী : 1. উপৰ্যুক্ত শাৰ্ট (1) “সংস্থা” জৈসা সংৰক্ষ কে লিএ লাগু মহী হোগা।

2. সংগঠন কো সুস্থাব বিয়া জাতা হৈ কি বে অনুমোদন কী অৰ্থাৎ বৰানে কে লিএ আয়কাৰ আযুক্ত/আয়কাৰ নিৰ্দেশক (ছুট) জিনকে ভোকাধিকাৰ মেঁ সংগঠন পড়তা হৈ কে মাধ্যম সে আয়কাৰ মহানিৰ্দেশক (ছুট), কলকাতা কো তীনি প্ৰতিয়ো মেঁ আবেদন কৰে, অনুমোদন কী অৰ্থাৎ বৰানে কে সংৰক্ষ মেঁ কিএ আবেদন পত্ৰ কী ৬ প্ৰতিয়ো সচিব, বৈজ্ঞানিক আৰু প্ৰৌঢ়ীগিক অনুসংধান বিভাগ কো প্ৰস্তুত কৰনা হৈ।

[সংখ্যা 938(এফ.স.ম.নি./আ.ক. (ছুট)/সি 49/35(1)

(ii) (90)]

শ্ৰীমতী এস. রায়, উপ নিৰ্বেশক

INCOME TAX

S.O. 2256.—It is hereby notified for general information that the organization mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions:

(i) The organization will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organization, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Divyajyoti Ayurvedic Research Foundation,
9, Sweta Park, Near Manekbagan
Ahmedabad-380015.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organizations categorised as associations.

(2) The organization is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organization. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 937 (F.No.DG/IT(F)/C-49/35(1)(ii)/90]

SMT. S. ROY, Dy. Director

कलकत्ता, 28 अक्टूबर, 1993

Calcutta, the 28th October, 1993

आयकर

का. आ. 2257.—रार्बेसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित भारी पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए प्रलग लेखा विभाग रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक विस्तीर्ण वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक संचित, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहराली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में की गई रिसर्च किया गया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ट्वेंटी फस्ट सेंट्यूरी इण्डिया सोसायटी, 2-ए सेक्टर 19-ए, मध्य मार्ग, चंडीगढ़-160019

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-93 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके भेजाधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में प्रावेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 938 (एक सौमूलि/आ०क० (छूट)/पी-3/35(1)

(iii)/89]

श्रीमती एस. राय, उप निदेशक

INCOME TAX

S.Q. 2257.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION:

Twenty First Century India Society,
2-A, Sector 19-A, Madhya Marg,
Chandigarh-160019.

This Notification is effective for the period from 1-4-1993 to 31-3-1995.

Notes: (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

उषोग मंत्रालय

(भारी उषोग विभाग)

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1994

का. आ. 2258.—केन्द्रीय सरकार, राजधानी (संघ के गांधीय प्रयोगार्थी के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में निम्नलिखित कार्यालयों भी जिनके 80% कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

(1) वि. नेशनल इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड

चाणक्य भवन,
चाणक्य पुरी,
नई दिल्ली-110021

(2) टापर कारपोरेशन फ्रांक इंडिया लि.

क्रिकम कार्यालय, पटना
मारा० के० भट्टाचार्य रोड,
पटना-800001

[सं. ई.-11012/(1)/92-हिन्दी]

ओ.पी. शर्वर, उप-सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

New Delhi, the 16th August, 1994

S.O. 2258.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices whereof 80 per cent staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. The National Industrial Development Corporation Ltd., Chankya Bhawan, Chankypuri, New Delhi-110021.
2. Tyre Corporation of India Ltd., Sale Office, Patna, R.K. Bhattacharya Road, Patna-800001.

[No. E-11012(1)/92-Hindi]

O. P. SHARVAR, Dy. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2259.—भारत के विकास के विकास के लिए, नियांत्रित से पूर्व सन भांग का क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन के अधीन लाने के लिए कार्तिपय प्रस्ताव, नियांत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. 383 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आक्षेप तथा सुझाव, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र

में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि के भीतर मांगे गए थे ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियाँ 28-2-1994 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और उक्त प्रस्तावों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, नियांत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियांत्रित नियोजन परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, यह राय होने पर कि भारत के नियांत्रित व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि सन भांग नियांत्रित से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन के अधीन होगा।

(2) सन भांग श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1942 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन के प्रकार के रूप में नियोजन का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करती है जो नियांत्रित से पूर्व ऐसे सन भांग को लागू होगा।

(3) सन भांग श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1942 के अधीन बनाए गए श्रेणीकरण अभिधान को मान्यता देती है।

(4) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में सन भांग के नियांत्रित को तब तक प्रतिष्ठित करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक विनियोजनों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विषयन सलाहकार या उसकी ओर से नियोजन के लिए प्राधिकृत किसी श्रम्य अधिकारी द्वारा या नियांत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियांत्रित नियोजन अभिकरण द्वारा या किसी मान्यता-प्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया नियोजन प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी बात एक किलोग्राम शुद्ध भार से अनधिक सन भांग के वाणिज्यिक नमूने के समुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा नियांत्रित को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, सन भांग से भारत में उत्पादित सन भांग अभिप्रेत है।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा.सं. 6/2/93-ई आई.एड ई]

कुमारी सुमा सुव्वणा, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2259.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Sann Hemp to

quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S. O. 383, dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so do do for the development of the export trade of India, hereby :—

(1) notifies that Sann Hemp shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of inspection in accordance with the Sanu Hemp Grading and Marking Rules, 1942 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Sann Hemp prior to export;

(3) recognises the grade designation formulated under the Sanu Hemp Grading and Marketing Rules, 1942.

(4) prohibit the export, in the course of international trade of Sann Hemp unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1953).

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial sample of Sann Hemp not exceeding one kilogramme weight (nett).

(6) In this Order Sann Hemp means Sann Hemp produced in India.

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EI & EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2260.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (क्षालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सनभांग का नियंत्रित (क्षालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) नियम, 1994 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत होंगी।

2. परिभाषा:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से नियंत्रित, (क्षालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अधिग्रहित है,

(ख) "परिषद" से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित नियंत्रित नियंत्रण परिषद अधिग्रहित है,

(ग) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार के कृषि विषय सलाहकार या उसकी ओर से नियंत्रण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त नियंत्रित नियंत्रण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अधिग्रहित है,

(घ) सन भांग से भारत में उत्पादित सन भांग अधिग्रहित है।

3. नियंत्रण का आधार:—नियंत्रित के लिए आशयित सन भांग का नियंत्रण परिषद द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेषण का नमूना लेकर और परीक्षण करके यह देखने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और भंडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त मानक विनियोगों के अनुरूप है।

4. नियंत्रण की प्रक्रिया:— (1) सन भांग का नियंत्रित करने के लिए आशयित कोई नियंत्रित निकटतम अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस नियंत्रित प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, नियंत्रित किए जाने के लिए आशयित परेषण की विशिष्टियां देते हुए, विरीक्षण के लिए आवेदन (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन

(क) ऐसे परिसरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, नियंत्रण किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा; और

(ख) ऐसे परिसरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं है, नियंत्रण किए जाने से कम से कम दस दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, नियंत्रित नियंत्रण परिषद द्वारा समय-समय पर इस नियंत्रित जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार सन भांग के परेषण का नियंत्रण स्वयं का यह समाधान करने की वृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और पंक किया गया है। नियंत्रित अभिकरण को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा जिससे कि वह ऐसा नियंत्रण करने में सभर्थ हो सके।

(4) यदि, नियंत्रण के पश्चात्, अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि नियंत्रित किए जाने वाले सन भांग का परेषण नियम 3 में विनिर्दिष्ट नियंत्रणों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो वह सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेषण की नियंत्रित योग्य घोषित करते हुए एक प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त सात दिन की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर देगा और नियर्तिकर्ता को ऐसे इंकार की संभूतना लिखित रूप में उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात् अभिकरण को किसी स्थान, भंडारकरण, अभिवृहन में या वास्तविक लदाई से पूर्व पतनों पर परेषण की क्वालिटी का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रकमों में से किसी प्रक्रम पर परेषण के मानक विनिर्देशों के अनुरूप न पाए जाने की दशा में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस ले लिया जाएगा।

5. पैकिंग और चिन्हांकन—(1) निर्यात के लिए सनभांग पैक करने के आवधित कोई नियर्तिकर्ता मानक पैकेजों में या फैता की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) निम्ननिखित जातकारी पैकेजों पर स्टैमिल/मुद्रित की जाएगी—

(क) नियर्तिकर्ता का नाम और पता;

(ख) भद का नाम और किस्म;

(ग) श्रेणी

(घ) लाट संख्यांक और पैकिंग की तारीख;

(ड) सकल भार और शुद्ध भार;

(ज) भारत का उत्पाद;

(झ) पोत परिवहन चिन्ह।

6. निरीक्षण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण नियर्तिकर्ताओं के परिसरों में वहां किया जाएगा जहां निरीक्षण के लिए माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएँ विद्यमान हों।

7. निरीक्षण फीस—अभिकरण द्वारा परेषणानुसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में परेषण के पोत पर्यन्त नियांलुक मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/नियर्तिकर्ता से वसूल की जाएगी।

टिप्पण :—नियर्तिकर्ता द्वारा संदेश प्रत्येक परेषण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटतम रुपए में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, जहां ऐसी रकम में रुपए का एक भाग है, वहां यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उसमें अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील :—(1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिए जाने से व्यवित कोई नियर्तिकर्ता, ऐसे इंकार किए जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें केंद्रीय भरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त

कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सक्षमता के कम से कम दो निहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फा. म. 6/2/93 — ई. आई. एण्ड ई. पी.]

कुमारी सुमा सुब्बणा, निवेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2260.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Sann Hemp (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act ;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection ;

(d) "Sann Hemp" means the Sann Hemp produced in India.

3. Basis of Inspection :—Inspection of Sann Hemp intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Sann Hemp shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency ; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Sann Hemp as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Sann Hemp to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as export-worthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack Sann Hemp for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages :—

- (a) Name and address of the exporter ;
- (b) Name of the item and variety ;
- (c) Grade ;
- (d) Lot number and date of packing ;
- (e) Gross weight and net weight ;
- (f) Product of India ;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therefor for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note :—The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

[File 6/2/93-EI & EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

ग्रादेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2261.—भारत के नियंति व्यापार के विकास के लिए, नियंति से पूर्व तम्बाकू की क्वालिटी नियंत्रण और

निरीक्षण के अधीन लाने के लिए, कतिपय प्रस्ताव, नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. 384 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, दंड 3, उपचंड (ii) तारीख 5 फरवरी 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आक्षेप तथा सुमाव, ऐसे सभी व्यक्तियों गे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की नामीज्ज में पंतालीम विन की अवधि के भीतर मापे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-1994 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं,

और उक्त प्रस्तावों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुमावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करने हुए, नियंति निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् यह राय होने पर कि भारत के नियंति व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीक्षीय है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि तम्बाकू नियंति से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करती है जो नियंति से पूर्व ऐसे तम्बाकू को लागू होगा।

(3) तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के अधीन इनाएँ गए श्रेणीकरण अभिक्षान को मान्यता देती है।

(4) अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में तम्बाकू के नियंति को तब तक प्रतिविद्ध करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृपि विपणन संसाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियंति निरीक्षण अभिकरण द्वारा या किसी मान्यताप्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया या निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी वात एक किसी व्यापार जुद्दे भारत से अनधिक तम्बाकू के वाणिज्यिक नमूने के समुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा नियंति को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, तम्बाकू से भारत में उत्पादित धूग्रां संसाधित वर्जनिया, धूप संसाधित वर्जनिया, श्वेत जी, नाटू और मोतीहारी तम्बाकू अभिप्रैत हैं।

(7) यह आवेदन राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा. सं. 6/2/93-ई आई एप्प ई पी]
कुमारी सुमा सुब्बना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2261.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Tobacco to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 384, dated 17th January, 1994.

And, whereas, the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And, whereas, the copies of the said Gazette were made available to the public on 28-2-1994;

And, whereas, the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

(1) notifies that Tobacco shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of inspection in accordance with the Tobacco Grading and Marketing Rules, 1937 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Tobacco prior to export;

(3) recognises the grade designation formulated under the Tobacco Grading and Marketing Rules, 1937;

(4) prohibit the export, in the course of International trade of Tobacco unless it conforms to the standard specifications applicable to it and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Tobacco not exceeding one kilogram weight (net);

(6) In this Order Tobacco means Flue Cured Virginia, Sun-Cured Virginia, white barley, Natu and Motihari Tobacco produced in India;

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EL&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.पा. 2262.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) अधिनियम, 1963 (1963 का

22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तंबाकू का नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) नियम, 1994 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है,

(ख) “परिषद्” से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित नियंत्रित नियंत्रण परिषद् अभिप्रेत है,

(ग) “अभिकरण” से अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार के कृषि विभाग सलाहकार या उसकी ओर से नियंत्रण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त नियंत्रित नियंत्रण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिप्रेत है,

(घ) तंबाकू से भारत में उत्पादित धूम्रास संसाधित वर्जीनिया, धूप संसाधित मोतीहारी तंबाकू अभिप्रेत है। वर्जीनिया, शैवत जौ, माटु और अभिप्रेत हैं।

3. नियंत्रण का आधार :

नियंत्रित के लिए आशयित तंबाकू का नियंत्रण परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेषण का नमूना लेकर और परीक्षण करके यह वेष्टने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और भंडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. नियंत्रण की प्रक्रिया :—(1) तंबाकू का नियंत्रित करने के लिए आशयित कोई नियंत्रित करने वाले अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस नियंत्रित प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, नियंत्रित किए जाने के लिए आशयित परेषण की विशिष्टियां देते हुए, नियंत्रण के लिए आवेदन (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिसरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केंद्र में स्थित हैं, नियंत्रण किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा; और

(ख) ऐसे परिसरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केंद्र में स्थित नहीं है, नियंत्रण किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, निर्धारित निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर इस निमित्त जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार तंबाकू के परेषण का निरीक्षण स्वयं का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और पैक किया गया है। निर्धारितकर्ता अभिकरण को सभी आंबश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा जिससे कि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात्, अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि निर्धारित किए जाने वाले तंबाकू का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देशों को अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो वह सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेषण को निर्धारित योग्य घोषित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त सात दिन की अधिकृति के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर देगा और निर्धारितकर्ताओं को ऐसे इंकार की सूचना लिखित रूप में उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात् अभिकरण को किसी स्थान, भांडारकरण, अभिवहन में या वास्तविक लदाई में पूर्व पसनों पर परेषण को क्वालिटी का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेषण के मानक विनिर्देशों के अनुरूप न पाए जाने की दशा में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस से लिया जाएगा।

5. पैकिंग और चिह्नांकन—(1) निर्धारित के लिए तंबाकू पैक करने के आशयित कोई निर्धारितकर्ता मानक पैकेजों में या क्रेता की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) निम्नलिखित जातकारी पैकेजों पर स्टेंसिल/मुद्रित की जाएगी—

(क) निर्धारितकर्ता का नाम और पता;

(ख) मद का नाम और किल्म;

(ग) श्रेणी;

(घ) लाट मंडांक और पैकिंग की तारीख;

(ङ) सहल भार और शहू भार;

(च) भारत का उत्पाद;

(छ) पोत परिवहन चिह्न।

6. निरीक्षण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण निर्धारितकर्ताओं के परिसरों में वहां किया जाएगा जहां निरीक्षण के लिए माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों।

7. निरीक्षण फीस—अभिकरण द्वारा परेषानुसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में परेषण के पोत पर्यंत निःशुल्क पूल के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/निर्धारितकर्ता से बस्तु की जाएगी।

टिप्पणी: निर्धारितकर्ता द्वारा संदेश प्रत्येक परेषण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटतम रूप में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, जहां ऐसी रकम में रूपए का एक भाग है, वहां यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो उसे घटा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील—(1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिए जाने से अधिति कोई निर्धारितकर्ता, ऐसे इंकार किए जाने से वस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन अधिकारी और अधिक से अधिक सात अधिति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल संख्यता के कम से कम दो तिहाई संख्या/गैर-सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ण तीन सदस्यों में होगी।

(4) अपील प्राप्त होने को तत्त्वावधि ने पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फा. सं. 6/2/93-ई.आई.एंड.ई.पी.]

कुमारी सुमा युवराजा, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2262.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Tobacco (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;

(d) "Tobacco" means the Flue Cured Virginia, White barley, Natu and Motihari Tobacco produced in India,

3. Basis of Inspection.—Inspection of the Tobacco intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Tobacco shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of tobacco as per the instructions issued by the Export Inspection Council on this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Tobacco to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack Tobacco for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment

shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note.—The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days from the date of its receipt.

[File No. 6/2/93-FI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2263.—भारत के नियान व्यापार के विकास के लिए, नियान से पूर्व शूक का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कलिप्य प्रस्ताव, नियान (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की प्रेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. 385 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, (बंड) 3 उपबंड (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आक्षेप तथा सूक्ष्म, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में पैनामीस दिन की अवधि के भीतर मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-1994 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं,

और उक्त प्रस्तावों के भवित्व में जनता ने प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विनाश कर लिया है,

अतः, आब, केन्द्रीय सरकार, नियान (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त विविधों का प्रयोग करते हुए, नियान निरीक्षण परिषद से परामर्श करने के पश्चात्, यह राय होने पर कि भारत के नियान व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना मार्यादक और समीक्षित है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि शूक नियान से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) शूक श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियान, 1950 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के स्व

में निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करती है जो निर्यात में पूर्व ऐसे—शूक को लागू होगा।

(3) शूक श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1950 के अधीन बनाए गए श्रेणीकरण अभिधान को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुकूल में शूक के निर्यात को तब तक प्रतिपिछ करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक श्रेणियों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कुछ विपणन सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियन्त्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निरीक्षण अभिकरण द्वारा या किसी मान्यताप्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इन आदेश की कोई भी वान 0.225 किलोग्राम शुद्ध भार में अनधिक शूक वाणिज्यक नमूने के समुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, शूक से सूअर, शुकर और वराह से अभिप्राप्त और भारत में उत्पादित शूक अभिप्रेत है।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा. सं. 6/2/93-ईमाई एंड ईपी]

मुमारी सुमा सुञ्जग्गा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2263.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Bristles to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 385 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

(1) notifies that Bristles shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of inspection in accordance with the Bristles, Grading and Marking Rules, 1950 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Bristles prior to export;

(3) recognises the grade designation formulated under the Bristle Grading and Marketing Rules, 1950

(4) prohibits the export, in the course of international trade of Bristles to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of not exceeding 0.225 kilogramme in weight (nett).

(6) In this Order Bristles means Bristles of animal origin obtained from pigs, hogs and boars and produced in India

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA. Director,

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2264.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियन्त्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियमित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संभाप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शूक का निर्यात (क्वालिटी नियन्त्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है ;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिमाणांक—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से निर्यात (क्वालिटी नियन्त्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ,

(ख) “परिपद से बाहर नियम की धारा 3 द्वारा स्थापित निर्यात निरीक्षण परिपद अभिप्रेत है,

(ग) “अभिकरण” से अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार के कुछ विपणन सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिप्रेत है,

(घ) शूक में सूअर, शुकर और वराह से अभिप्राप्त तथा भारत में उत्पादित शूक अभिप्रेत है ।

3. निरीक्षण का आधार :

निर्यात के लिए आण्डित शूक का निरीक्षण परिपद द्वारा समय-समय पर जारी किए गए श्रेणियों के अनुसार प्रत्येक पर्यण का नमूना लेकर और परोक्षण करके यह देखने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उक्ता प्रसंस्करण, वैकल्पिक और भांडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमंदित एकत्री में विद्या गया है

और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया:—(1) शूक का निर्यात करने के लिए आशयित कोई निर्यातकर्ता निकटतम अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस निमित प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, निर्यात किए जाने के लिए आशयित परेयण की विशिष्टियां देते हुए, निरीक्षण के लिए आवेदन (यो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

- (क) ऐसे परिभरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा; और
- (ख) ऐसे परिसरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं हैं, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दस दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर इस निमित जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार शूक के परेयण का निरीक्षण स्वयं का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेयण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और पंक किया गया है। निर्यातकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक मुक्तिवाले प्रदान करेगा तिससे कि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात, अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि निर्यात किए जाने वाले शूक का परेयण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देशों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो वह सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेयण को निर्यातयोग्य घोषित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त सात दिन की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर देगा और निर्यातकर्ता को ऐसे इंकार की संसूचना लिखित रूप में उसके कारणों सहित देगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात् अभिकरण को किसी स्थान, भांडारकरण, अभिवहन में या वास्तविक लदाई से पूर्व पत्तनों पर परेयण की क्वालिटी का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेयण के मानक विनिर्देशों के अनुरूप न पाए जाने की दशा में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र बापस ले लिया जाएगा।

5. पैकिंग और चिन्हांकन—(1) निर्यात के लिए शूक पैक करने के आशयित कोई निर्यातकर्ता मानक पैकेजों में या फ्रेता की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) निम्नलिखित जानकारी पैकेजों पर स्टेमिना/मुद्रित की जाएगी—

- (क) निर्यातकर्ता का नाम और पाा;
- (ख) मद का नाम और किस्म;
- (ग) श्रेणी;
- (घ) लॉट संख्यांक और पैकिंग की नामीख;
- (ड.) सकल भार और शुद्ध भार;
- (च) भारत का उत्पाद;
- (छ) पोत परिवहन चिन्ह।

6. निरीक्षण का स्थान:—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण निर्यातकर्ताओं के परिसरों में वहां किया जाएगा जहां निरीक्षण के लिए माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जरूर कि उनमें निरीक्षण के लिए पार्यात्मक मुक्तिवाले हों।

7. निरीक्षण फीस:—अभिकरण द्वारा परेयणानुसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में परेयण के पोत पर्यंत निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत को बार से अधिकरतम फीन के अधीन रहने हुए, प्रसंस्करणकर्ता/निर्यातकर्ता से वसूल नी जाएगी।

टिप्पणी:—निर्यातकर्ता द्वारा संदेश प्रत्येक परेयण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटतम स्थान में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, जहां ऐसी रकम में शाएँ का एक भाग है, वहां यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील:—(1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिए जाने से अवधि कोई निर्यातकर्ता, ऐसे इंकार किए जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन अधिक और अधिक से अधिक सत्र अवधि होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो-तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फा. सं. 6/2/93-ई. आई. एण्ड ई. पा.]

कुमारी सुमा सुब्रह्मण्या, मिदेशवा-

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2264.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Bristles (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
- (c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;
- (d) "Bristle" means the Bristles of animal origin obtained from pigs, hogs and boars and produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Bristles intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Bristles shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted—

- (a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency ; and
- (b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Bristles as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Bristles to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignments at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) As exporter intending to pack Bristles for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note : The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

[File 6/2/93-EI&EPI]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2265.—भारत के नियति व्याचार के विकास के लिए, नियति से पूर्व लमेन ग्रास तेल का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कतिपय प्रस्ताव, नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. 386 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे ।

और आक्षेप तथा सुझाव, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतीलीस दिन की अवधि के भीतर मांगे गए थे ।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-1994 को जनता को उपलब्ध करायी गई थीं,

और उक्त प्रस्तावों के मंबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, नियति (क्वालिटी नियंत्रण, और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियति निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, यह राय होने पर कि भारत के नियति व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और सर्वीचीन है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि लेमन ग्रास तेल नियति से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) लेमन ग्रास तेल श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1954 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का वह प्रकार विनिष्ट करती है जो नियति ने पूर्व ऐसे—लेमन ग्रास तेल को लागू होगा।

(3) लेमन ग्रास तेल श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1954 के अधीन बनाए गए श्रेणीकरण अभिधान को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में लेमन ग्रास तेल के नियति को तब तक प्रतिष्ठित करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक वित्तियों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विभाग सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राप्तिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियति निरीक्षण अभिकरण द्वारा या किसी मान्यताप्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस अधिका की कोई भी बात यो किलोग्राम एवं भार से अनविक लेमन ग्रास तेल के वाणिज्यिक नमूने के समुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा नियति को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, लेमन ग्रास तेल से भारत में उत्पादित लेपत ग्रास तेल अभिप्रेत है।

(7) यह अदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा.नं. 6/2/93-ई श्राई एण्ड ईपी]

कुमारी सुमा सुभद्रा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2265.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Lemon Grass Oil to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 386 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And, whereas, the copies of the said Gazette were made available to the public in the 28-2-1994.

And, whereas, the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby:

(1) notifies that Lemongrass oil shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of inspection in accordance with the Lemongrass oil, Grading and Marking Rules, 1954 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such export;

(3) recognises the grade designation formulated under the Lemongrass oil, Grading and Marketing Rules, 1954.

(4) prohibits the export, in the course of international trade of Lemongrass oil to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial sample of Lemongrass oil not exceeding two kilogramme in weight (nett).

(6) In this order Lemongrass oil means Lemongrass oil produced in India.

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

लक्ष्मी विल्सो, 24 अगस्त, 1994

का.अ. 1. 2266.—केन्द्रीय सरकार, नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. मंकिष्प नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का मंकिष्प नाम लेमन ग्रास तेल का नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है:

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे :

2. परिदृष्टि :—इन नियमों में, जब तक कि मंदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है,

(ख) “परिपद” से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित नियति निरीक्षण परिपद अन्वेषित है,

(ग) "अभिकरण" में अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वा भारत सरकार के कृपिविष्णुन सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राप्ति किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या भान्यताप्राप्त नियाति निरीक्षण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अनिवार्य है,

(घ) लेमन ग्रास तेल में भारत में उत्पादित लेमन ग्रास तेल अनिवार्य है।

3. निरीक्षण का प्रावधार :

नियांत के लिए आशयित लेमन ग्रास तेल का निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेषण का नमूना लेकर और परीक्षण करके यह देखने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और मंडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में किया गया है और उन्नाव अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा भान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) लेमन ग्रास तेल का नियात करने के लिए आशयित कोई नियातिकर्ता निकटतम अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस निमित आधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, नियाति किए जाने के लिए आशयित परेषण भी विशिष्टियां देते हुए, निरीक्षण के लिए आवेदन (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिसरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उभी केंद्र में अवस्थित हैं, निरीक्षण किए जाने से कम तो कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा; और (ख) ऐसे परिसरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उभी केंद्र में अवस्थित नहीं हैं, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दस दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अन्तिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, नियाति निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर इस निर्मित जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार लेमन ग्रास तेल के परेषण का निरीक्षण स्वयं का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और पैक किया गया है। नियातिकर्ता अभिकरण को उभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा जिससे कि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्प हो सके।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात्, अभिकरण का यह समाधान जो जाता है फि नियाति किए जाने ताले लेमन ग्रास तेल का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देशों की अपेक्षाओं को अनुपालन करता है, तो वह नूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेषण को नियाति योग्य घोषित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समधान नहीं होता है, तो वह उक्त मात्र दिन की प्रवधि के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इन्कार कर देगा और नियातिकर्ता को ऐसे इन्कार की संभूचना विविध रूप में उसके कारणों महित होगा।

(6) प्रभारीपत्र के पश्चात् अभिकरण को किसी स्थान, भंडारकरण, अभिवहन में या भास्तविक लदाई से पूर्व पत्तनों पर परेषण की क्षालिटी का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर, परेषण के मानक विनिर्देशों के अनुरूप न पाए जाने की वजह में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस ले लिया जाएगा।

5. पैकिंग और चिन्हांकन—(1) नियाति के लिए लेमन ग्रास तेल पैक करने के आशयित कोई नियातिकर्ता मानक पैकेजों में या क्रेता की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) निम्नलिखित जानकारी पैकेजों पर स्टॉसिल/मुद्रित की जाएगी :—

- (क) नियातिकर्ता का नाम और पता;
- (ख) मंदे का नाम और किस्म;
- (ग) श्रेणी;
- (घ) लाट संस्थाक और पैकिंग की तारीख;
- (ङ) सकल भार और शूद्र भार;
- (च) भारत का उन्नाद;
- (छ) पोत परिवहन चिन्ह।

6. निरीक्षण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण नियातिकर्ताओं के परिसरों में वहाँ किया जाएगा जहाँ निरीक्षण के लिए माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हो।

7. निरीक्षण फीस—अभिकरण द्वारा परेषणानुसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में परेषण के पोत पर्याप्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम, फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/नियातिकर्ता से बसूल की जाएगी।

टिप्पण :—नियातिकर्ता द्वारा संदेश प्रत्येक परेषण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटतम रूपए में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, जहाँ ऐसी रकम में रूपए का एक भाग है, वहाँ यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील—(1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इन्कार कर दिए जाने से व्यधित कोई नियातिकर्ता, ऐसे इन्कार किए जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को,

जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए दियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) पैनल की माणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फा. सं. 6/2/93-ई.आई.एंड.ई.पी.]
कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2266.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Lemongrass oil (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;

(d) "Lemongrass oil" means the Lemongrass oil produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Lemongrass oil intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Lemongrass oil shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2) the Agency shall inspect the consignment of Lemongrass oil as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed

in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Lemongrass oil to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack Lemongrass oil for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

(a) Name and address of the exporter;

(b) Name of the item and variety;

(c) Grade;

(d) Lot number and date of packing;

(e) Gross Weight and net weight;

(f) Product of India;

(g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note : The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2267.—भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए, निर्यात से पूर्व ऊन का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कतिपय प्रस्ताव, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उत्तराधिकार (2) की अंतर्भानुमार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश नं. 387 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपलब्ध (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आक्षेप तथा सुनाव, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पाँच दिन की अवधि के भीतर मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं,

और उक्त प्रस्तावों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुनावों पर केन्द्रीय सरकार से विचार कर लिया है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद से परामर्श करने के पश्चात, यह राय होने पर कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीर्चान है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि ऊन निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) ऊन श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1961 के अनुमार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करती है कि निर्यात से पूर्व ऐसे ऊन को लागू होगा।

(3) ऊन श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1961 के अधीन बनाए गए श्रेणीकरण अभिधान को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में ऊन के निर्यात का नब तक प्रतिपिछ करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुस्पन्द हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विषयन सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निर्णीत निरीक्षण अभिकरण द्वारा या किसी मान्यताप्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी बात छाई किलोग्राम शुद्ध भार से अनधिक ऊन के वाणिज्यिक नमूने के समद्वय, भूमि या वायुमार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, ऊन से, भेड़ से अभिप्राप्त भारत में उत्पादित ऊन अभिप्रेत है।

(7) इस आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होग।

[फा. सं. 6/2/93-ई आई एंड ई पी]
कुमारी सुमा सुब्बना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2267.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Wool to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) or rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3 Sub-section (ii) dated 5th February, 1994, under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 387, dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

(1) notifies that Wool shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of inspection in accordance with the Wool, Grading and Marking Rules, 1961 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Wool prior to export;

(3) recognises the grade designation formulated under the Wool Grading and Marking Rules, 1961.

(4) prohibits the export, in the course of international trade of Wool unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Wool not exceeding two and a half kilogrammes (nett).

(6) In this Order Wool means wool obtained from Sheep and produced in India.

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the official Gazette.

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2268.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ऊन का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. परिभाषा—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है;

(ख) “परिषद्” से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद् अभिप्रेत है;

(ग) “अभिकरण” से अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय या भारत सरकार के कुछ विषयन मनाहकार या उमकी ओर से परीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिप्रेत है;

(घ) “ऊन” से भेड़ से अभिप्राप्य और भारत में उत्पादित ऊन अभिप्रेत है।

3. निरीक्षण का आधार.

निर्यात के लिए आशयित ऊन का निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेपण का नमूना लेकर और परीक्षण करके यह देखने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और भंडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसूच्य है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया:—(1) ऊन का निर्यात करने के लिए आपेक्षित कोई निर्यातकर्ता निकट तथा अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, निर्यात किए जाने के लिए आशयित परेपण की विद्विताओं देते हुए, निरीक्षण के लिए आवेदन (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परियरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा; और

(ख) ऐसे परियरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं हैं, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर इस निमित्त जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ऊन के परेपण का निरीक्षण स्वयं का यह समाधान करते की दृष्टि से करेगा कि परेपण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और पैक किया गया है। निर्यातकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक भुविधाएं प्रदान करेगा जिसमें कि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात्, अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि निर्यात किए जाने वाले ऊन का परेपण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देशों की अपेक्षाओं का अनुगमन करता है, तो वह सूचना की प्राप्ति के मात्र दिन के भीतर, परेपण को निर्यात योग्य घोषित करने हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त सात दिन की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इकार कर देगा और निर्यातकर्ता को ऐसे इकार की संमूचता लिखित रूप में उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात् अभिकरण को किसी स्थान, भंडारकरण अभिवहन में या वास्तविक लदाई से पूर्व पत्तनों पर परेपण को क्वालिटी का पुनर्निर्धारण करते का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेपण के मानक विनिर्देशों के अनुरूप न पाए जाने की दशा में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस ने निया जाएगा।

5. पैकिंग और चिन्हांकन—(1) निर्यात के लिए ऊन पैक करने के ग्राण्यित कोई निर्यातकर्ता मानक पैकेजों में या केता की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) निम्नलिखित जातकारी पैकेजों पर स्टेमिल/मुद्रित कों जारी करें—

(क) निर्यातकर्ता का नाम और पता;

(ख) मर्दों का नाम और किम्ब;

(ग) श्रेणी;

(घ) लाट संचाल और पैकिंग की तारीख;

(इ) सकन भार और शुद्ध भार;

(च) भारत का उत्पाद;

(छ) पीत परिवहन चिह्न।

6. निरीक्षण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए, निरीक्षण नियंत्रिकार्ताओं के परिसरों में बहाँ किया जाएगा जहाँ निरीक्षण के लिए माल पेश किया जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुनिश्चापन विद्यमान हों।

7. निरीक्षण फीस—

अभिकरण द्वारा प्रेपारेशन स्टूसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में प्रेषण के पोत पर्यंत निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर में अधिकतम फोम के अधीन रहते हुए, प्रसंस्कारणकर्ता/नियंत्रिकार्ता से वयल की जाएगी।

टिप्पणी:—नियंत्रिकार्ता द्वारा संदेश प्रत्येक प्रेषण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटतम रूपाएँ में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए जहाँ ऐसी रकम में रूपाएँ का एक भाग है, बहाँ यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उसमें अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील—(1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिए जाने से व्यक्ति कोई नियंत्रिकार्ता, ऐसे इंकार किए जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगी, निर्दिष्ट करेगा।

- (2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर-सरकारी होंगे।
- (3) पैनल की गणपूर्ति तीन गदस्यों से होगी।
- (4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फा. सं. 6/2/93-ई.आई.एंड.ई.पी.]

कुमारी सुमा मुख्याणा, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2268.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Wool (Quality Control and inspection) Rules, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;

(d) "Wool" means the wool obtained from Sheep and produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of wool intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export wool shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and Agency; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of wool as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of wool to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack wool for export shall pack in standard packages of as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages:—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. **Inspection fees.**—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note :—The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. **Appeal.**—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days from the date of its receipt.

[File No. 6/2/93-EI & EP]

Kum. SUMA SUBBANNA, Director.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

कांसा. 2269.—भारत के नियत व्यापार के विकास के लिए, नियत में पूर्व चंदन काठ तेल का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लगाने के लिए कतिअय प्रस्ताव, नियत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश मं. 388 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आपेक्षय नथा सुझाव, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि के भीतर मांग गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जनता को उपलब्ध कराई गई थीं,

और उक्त प्रस्तावों के संबंध में जनता उसे प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर निया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, नियत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियत निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, यह राय होने पर कि भारत के नियत व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना प्रायोगिक और समीचीन है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि चंदन काठ तेल नियत से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

2) चंदन काठ तेल श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1954 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में नियोजन का वह प्रकार विनियिष्ट करती है जो नियत में पूर्व ऐसे चंदन काठ तेल को लागू होगा।

(3) चंदन काठ तेल श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1954 के अधीन बनाए गए श्रेणीकरण अभिनियम को मान्यता देती है।

(4) अन्तगतीय व्यापार के अनुक्रम में चंदन काठ तेल के नियत को तब तक प्रतिपिछ करती है जब तक कि वह उने लागू मानक विनियोगों के अनुरूप न हों और उसके साथ भारत सरकार के कृपि विषय सताइकार या उमसी और से निरीक्षण के लिए प्राप्तिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियत निरीक्षण अभिनियम द्वारा या किसी मान्यताप्राप्त अभिनियम द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी बात चालीम तोला शुद्धभार से अनधिक चंदन काठ तेल वाणिज्यक नमूने के ममुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा नियत को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, चंदन काठ तेल से भारत में उत्पादित चंदन काठ तेल अभिन्न है।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा. सं. 6/2/93-ईशार्इ एंड ईपी]

द्रुमारी सुमा सुन्दराणा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2269.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Sandal Wood Oil to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 388 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

- (1) notifies that Sandal Wood Oil shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection in accordance with the Sandal Wood Oil, Grading and Marking Rules, 1954 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Sandal Wood Oil prior to export;
- (3) recognises the grade designation formulated under the Sandal Wood Oil Grading and Marketing Rules, 1994;
- (4) prohibit the export, in the course of international trade of Sandal Wood Oil unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air commercial samples of Sandal Wood Oil not exceeding forty tolas in weight (nett).
- (6) In this Order Sandal Wood Oil means Sandalwood Oil produced in India.
- (7) This order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2270.—केन्द्रीय सरकार, नियान (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का मंशिप्त नाम चंदन काठ तेल का नियान (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है ;

(2) ये राजगत में प्रकाशन की तरीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभ्रापार्थ :— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अर्थात् न हो—

- (क) "अधिनियम" से नियान (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है,
- (ब) "परिषद" से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्वागत नियान निरीक्षण परिषद अभिप्रेत है,

(ग) "अभिकरण" में अधिनियम की धारा 5 के अधीन केंद्रीय सरकार या भारत सरकार के कृपि विभाग सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किए अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मन्त्रालय प्राप्त विधान निरीक्षण अधिकरणों में से कोई अधिकरण अभिप्रेत है,

(घ) चंदन काठ तेल से भारत में उत्पादित चंदन काठ तेल अभिप्रेत है ।

3. निरीक्षणों का आधार :—नियान के लिए आशयित चंदन काठ तेल का निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेषण का नमूना निकार और परीक्षण करते यह देवेने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और भेंडारकरण आधिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा सान्ध्यताप्राप्त मानक विनियोगों के अनुरूप है ।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) चंदन काठ तेल का नियान करने के लिए आशयित कोई नियानकर्ता निकटतम अभिकरण की या अभिकरण द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, नियान किए जाने के लिए आशयित परेषण की विशिष्टियां देने हुए, निरीक्षण के लिए आवेदन (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा ।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन :—

- (क) ऐसे परियों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केंद्र में अवस्थित है, निरीक्षण किए जाने से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा, और
- (ब) ऐसे परियों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केंद्र में अवस्थित नहीं है, निरीक्षण किए जाने से कम में कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा ।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, नियान निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर इस निमित्त जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार चंदन काठ तेल के परेषण का निरीक्षण त्वयं का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और पैक किया गया है । नियानकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा जिसमें कि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके ।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात्, अभिकरण या यह समाधान हो जाता है कि नियान किए जाने वाले चंदन काठ तेल का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनियोगों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो यह सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेषण को नियानयोग्य प्रोत्तिकरणे द्वारा एक प्रमाण पत्र जारी करेगा ।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा नमाधारन नहीं होता है, तो वह उक्त मान विन की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इकार कर देगा और निर्यातकर्ता को ऐसे इकार का संमूचना लिखित रूप में उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात् अभिकरण को किसी स्थान, भंडारकरण, अधिकरण में या वास्तविक लदाई से पूर्व पत्तनों पर परेपण की क्वालिटी का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(2) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेपण के मानक विनिर्देशी के अनुरूप न पाए जाने की दधा में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस ले लिया जाएगा।

5. पैकिंग और चिन्हांचान :— (1) निर्यात के लिए अंदन काल्ड तेल पैक करने के आण्यित कोई निर्यातकर्ता मानक पैकेजों में या क्रेता की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) निम्नलिखित जानकारी पैकेजों पर स्टैमिन/मुट्ठि की जाएगी :—

- (क) निर्यातकर्ता द्वा नाम और पता ;
- (ख) गद का नाम और किस्म ;
- (ग) थेणी ;
- (घ) लाट संख्याक और पैकिंग की तारीख ;
- (ङ) सकल भार और शुद्ध भार ;
- (च) भार का उत्पाद ;
- (छ) पोत परिवहन चिन्ह ।

6. निरीक्षण का स्थान :— (1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण निर्यातकर्ताओं के परिसरों में वहाँ किया जाएगा जहाँ निरीक्षण के लिए मात्र पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिए पर्याप्त मुख्यालय विद्यमान हो।

7. निरीक्षण फीस :— अभिकरण द्वारा परेपणानुसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में परेपण के पीत पर्यन नियमुक्त मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहने हुए, प्रमंस्करणकर्ता/निर्यातकर्ता से वसूल की जाएगी।

टिप्पण :— निर्यातकर्ता द्वारा संदेश प्रत्येक परेपण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटनम रुपां में पूर्णकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, जहाँ ऐसी रकम में रुपए का एक भाग है, वहाँ यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बढ़ाकर एक रुपया बार दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे में नहीं है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील :— (1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इकार कर दिए जाने से व्यक्ति कोई निर्यातकर्ता, ऐसे इकार किए जाने से इन दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पेनल को, जिसमें केंद्रीय सरकार द्वारा दस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पेनल की कुल संख्या के कम वे कम दो तिहाई संख्या गैर सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति नोन संख्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फा. स. 6/2/93-ई.आई.एण्ड ई.पी.]

कुमारी सुमा मुख्यमान, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2270.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Sandalwood oil (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;

(d) "Sandalwood oil" means the Sandalwood oil produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Sandalwood oil intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Sandalwood oil shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Sandalwood oil as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Sandalwood oil to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing along-with the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack Sandalwood oil for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note : The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency, which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of the date of its receipt.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2271.—भारत के नियति व्यापार के विकास के लिए, नियति से पूर्व बकरी बाल का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कनिष्ठ प्रस्ताव अधीन नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. 389 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखंड (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आक्षेप तथा सुभाव, ऐसे भी व्यक्तियों से, जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैनालीस दिन की अवधि के भीतर मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-1994 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं,

और उक्त प्रस्तावों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुभावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है, अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रवोग करते हुए, नियति निरीक्षण परियद से परामर्श करने के पश्चात, यह राय होने पर कि भारत के नियति व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समाचीन है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि बकरी बाल नियति से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) बकरी बाल श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1960 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करती है जो नियति से पूर्व ऐसे बकरी बाल को लागू होगा।

(3) बकरी बाल श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1960 के अधीन वनाए गए श्रेणीकरण अभिधान को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में बकरी बाल के नियति को नब नक प्रतिषिद्ध करती है जब तक कि वह उन्हे लागू मानक विनियोगों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कुप्रिय विपणन ममाहकार या उमकी और में निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियति निरीक्षण अभिकरण द्वारा या किसी मान्यता-प्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी बात आधा किलोग्राम शुद्ध भार में अनधिक बकरी बाल के वाणिज्यिक नमूने के समूह, भूमि या वायुमार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, बकरी बाल में भारत में उत्पादित बकरी बाल अभिवृत है।

(7) यह आदेश गजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा. सं. 6/2/93-ईआर्टी पृष्ठ ईपी]

कुमारी सुमा सुब्बना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2271—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Goat Hair to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 389 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

- (1) notifies that Goat Hair shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection in accordance with the Goat Hair, Grading and Marking Rules, 1960 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Goat Hair prior to export;
- (3) recognises the grade designation formulated under the Goat Hair, Grading and Marking Rules, 1960;
- (4) prohibit the export, in the course of international trade of Goat Hair to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial sample of Goat Hair not exceeding Half kilogramme in weight (nett).
- (6) In this Order Goat Hair means Goat Hairs obtained from Goat and produced in India.
- (7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2272.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रथन् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बकरी बाल का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है ;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएः—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” में निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिव्रेत है,

(ख) “परिपद” में अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित निर्यात निरीक्षण परिपद अभिव्रेत है,

(ग) “अभिकरण” में अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार के कृपि विषय सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिव्रेत है,

(घ) बकरी बाल में, बकरी से अभिप्राप्त और भारत में उत्पादित बकरी बाल अभिव्रेत है।

3. निरीक्षण का प्राधार :—निर्यात के लिए आशयित बकरी बाल का निरीक्षण परिपद द्वारा सभय-सभय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेपण का नमूना लेकर और परीक्षण करके गह देखने के उद्देश्य में किया जाएगा यि उसका प्रसंस्करण पैकिंग और भेड़ारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में विया गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :— (1) बकरी बाल का निर्यात करने के लिए आशयित कोई नियमिकरण निकटतम अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, निर्यात किए जाने के लिए आशयित परेपण की विशिष्टियां देने हुए, निरीक्षण के लिए आवेदन (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिसरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा ; और

(ब) ऐसे परिस्थितों में, जो अधिकरण के कार्यालय के उसी कोड में अवस्थित नहीं है, निरीक्षण किए जाने से कम से कम वह दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा ।

(3) अधिकरण उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट घावेदन प्राप्त होने पर, निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर इस निमित्त जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार बकरी बाल के परेषण का निरीक्षण स्वयं का यह समाधान करने की वृद्धि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और पैक किया गया है । निर्यातकर्ता अधिकरण को सभी घावेदन कुविधाएं प्रदान करेगा जिससे कि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके ।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात्, अधिकरण का यह समाधान हो जाता है कि निर्यात किए जाने वाले बकरी बाल का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देशों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो वह सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेषण को निर्यातयोग्य घोषित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा ।

(5) यदि अधिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त सात दिन भी अधिक के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इकार कर देगा और निर्यातकर्ता को ऐसे इकार की संसूचना लिखित रूप में उसके कारणों सहित देगा ।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात् अधिकरण को किसी स्थान, भूमारकरण, अभिवृत में या वास्तविक सदाई से पूर्व पक्षों पर परेषण की क्षमताएं का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा ।

(7) इन प्रक्षमों में से किसी प्रक्षम पर परेषण के मानक विनिर्देशों के अनुरूप न पाये जाने की दशा में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र बापस ले लिया जायेगा ।

5. पैकिंग और विन्हाँकन—(1) निर्यात के लिये बकरी बाल पैक करने के आवश्यक कोई निर्यातकर्ता मानक पैकेजों में या फ्रेंजों की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा ।

(2) निम्नविविच्च जानकारी पैकेजों पर स्टैंपिंग/मुद्रित की जायेगी—

- (क) निर्यातकर्ता का नाम और पना;
- (ख) मद का नाम और किम्म;
- (ग) धेनी;
- (घ) छाट संख्यांक और पैकिंग की सारीक;
- (ङ) मक्कल भार और बुद्ध भार;
- (च) भारत का उत्पाद;
- (छ) पोत परिवहन चिन्ह ।

6. निरोधण का व्यान—(1) इन नियमों के प्रयोगन के लिये निरीक्षण निर्यातकर्ताओं के परिमितों में वहाँ किया जायेगा जहाँ निरीक्षण के लिये माल येणे लिये जाते हैं, परन्तु यह तब यदि उनमें निरीक्षण के लिए पर्यात तुविधाएं विद्यमान हों ।

7. निरोधण फीम—

अधिकरण द्वारा परेषणात्मक निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में परेषण के पोस्ट पर्मित निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए, प्रतेक रणकर्ता/निर्यातकर्ता से असूल ही जायेगी ।

1959 GI|94—12.

टिप्पण—निर्यातकर्ता द्वारा सर्वेत प्रत्येक परेषण के लिये निरीक्षण फीस की रकम निकटनम रूपये में पूर्णांकित ही जायेगी और इस प्रयोगन के लिये, जहाँ ऐसी रकम में रूपये का एक भाग है, वहाँ यदि ऐसा भाग पक्षास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक रूपया कर दिया जायेगा और यदि ऐसा भाग पक्षास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जावेगा ।

8. अपील—(1) अधिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इकार कर दिये जाने से अधिक कोई निर्यातकर्ता, ऐसे इकार किये जाने से वह दिन के भीतर, अपील उक्त अधिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के ऐनल की, जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोगन के लिये नियुक्त कम से कम तीन अधिक्षित और अधिक से अधिक सात अधिक्षित होंगे, नियुक्त करेगा ।

(2) विशेषज्ञों के ऐनल की कुल संख्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर-सरकारी होंगे ।

(3) ऐनल की गणपूति तीन सदस्यों से होगी ।

(4) अपील प्राप्त होने को सारीख से पक्षह दिन के भीतर निपटा दी जायेगी ।

[का. सं. 6/2/93-ई.प्राई.एण्ड ई.पी.]

कुमारी सुमा सुवर्णा, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2272.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Export of Goat Hairs (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions—In these Rules unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;

(d) "Goat Hairs" means the Goat Hairs obtained from Goat and produced in India.

3. Basis of Inspection—Inspection of Goat Hairs intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection—(1) Any exporter intending to export Goat Hairs shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Goat Hairs as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Goat Hairs to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking—(1) An exporter intending to pack Goat Hairs for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note : The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to 10 rupee and if such part is less than fifty paise, shall be ignored.

8. Appeal—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days from the date of its receipt.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2273—भारत के नियांत्रित व्यापार के विकास के लिये, नियांत्रित से पूर्व बीड़ी तम्बाकू की बवालिटी नियंत्रण और नियोजन के लिये कानिपय प्रस्ताव, नियांत्रित (बवालिटी नियंत्रण और नियोजन) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की प्रयोग-नुसार भारत सरकार के वाणिज्य भवित्वालय के आदेश सं 390 तारीख 17 अगस्त, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपलब्ध (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किये गये थे।

और आजेप तथा सुमाचर-ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने वाली सभी व्यक्तियों को भारत ग्रान्ट के ग्रान्टपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैसालीस दिन भी घमण्ड के भीतर मांगे गये थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियो 8-2-94 को जनता को उपलब्ध करा ही गई थी,

और उक्त प्रस्तावों के संबंध में जनता से प्राप्त आजेपों और सुनायों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः, यद्यपि केन्द्रीय सरकार नियांत्रित (बवालिटी नियंत्रण और नियोजन) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए नियांत्रित नियोजन परिवर्त से परामर्श करने के पक्षात् यह राय होने पर कि भारत के नियांत्रित व्यापार के विकास के लिये ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है।

(1) यह प्रधिसूचित करती है कि बीड़ी तम्बाकू नियांत्रित से पूर्व बवालिटी नियंत्रण और नियोजन के अधीन होगा।

(2) बीड़ी तम्बाकू श्रेणीकरण और विन्हाँकन नियम 1947 के अनुसार बवालिटी नियंत्रण और नियोजन के प्रकार के भूप में नियोजन का वह प्रकार विभिन्निष्ट करती है जो नियांत्रित से पूर्व ऐसे बीड़ी तम्बाकू को लागू होगा।

(3) बीड़ी तम्बाकू श्रेणीकरण और विन्हाँकन नियम, 1947 के अधीन बनाये गये श्रेणीकरण अभियान को मात्रता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुश्रूत में बीड़ी तम्बाकू के नियांत्रित को तथा तक प्रतिविवृद्ध करनी है जब तक कि यह उसे लागू मानक विनियोजितों के अनुसूची न हो और उसके माध्यम सरकार के शूष्ण विषय सलाहकार या उम्मी ओर से नियोजन के लिये प्राधिकृत किसी मन्त्र प्रधिकारी द्वारा या नियांत्रित (बवालिटी नियंत्रण और नियोजन) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियांत्रित नियोजन प्रधिकरण द्वारा या किसी मात्रता प्राप्त अभियान द्वारा जारी किया गया नियोजन प्रभागपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी वायप एक किलोग्राम भूद भारत से प्रवाहित बीड़ी तम्बाकू के वाणिज्यिक नमूने के समूद्र, भूमि या काष्यमार्ग द्वारा नियांत्रित को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में बीड़ी तम्बाकू से भारत में उत्पादित साल अपोदिया या तम्बाकू की किसी या दीड़ी तम्बाकू पर्सेक्स अभियेत है।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबल होगा।

[का.म. 6/2/93-ई नाई एंड ई पी]

कुमारी सुमा सुधारणा, निवेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2273.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Bidi Tobacco to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 390 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions received from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

New, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

- (1) notifies that Bidi Tobacco shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection in accordance with the Bidi Tobacco, Grading and Marking Rules, 1947 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Bidi Tobacco prior to export;
- (3) recognises the grade designation formulated under the Bidi Tobacco Grading and Marketing Rules, 1947.
- (4) prohibit the export, in the course of international trade of Bidi Tobacco to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Bidi Tobacco not exceeding one kilogramme in weight (nett).
- (6) In this Order Bidi Tobacco means Lal Chapodia or Jodi Varieties of tobacco or bidi tobacco flakes produced in India.
- (7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EL&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. श्रा. 2274—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रण (व्यापारिय नियंत्रण और नियोक्ता) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को द्वारा 17 द्वारा प्रदत्त नियमों का प्रयोग करने हुए, नियन्त्रित नियम ज्ञानी है, अर्थात् :—

1. महिला नाम और प्राप्ति :—(1) इन नियमों का महिला नाम बीड़ी तंबाकू का नियंत्रण (व्यापारिय नियंत्रण और नियोक्ता) नियम, 1994 है,

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूत होते।

2. परिभाषाएँ :—इन नियमों में, ज्ञ 1क के मद्देन से अन्यथा अनोखीत न हो,—

(क) “अधिनियम” में नियंत्रण (व्यापारिय नियंत्रण और नियोक्ता) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अधिनेत है,

(ख) “परिषद” से अधिनियम की द्वारा 3 द्वारा स्थापित नियंत्रण नियोक्ता परिषद अधिनेत है,

(ग) “अभिकरण” से अधिनियम की द्वारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार या मात्र सरकार के कृपि विपणन सलाहकार या उमस्की और से नियोक्ता के लिये प्राप्ति किसी प्रथा अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त नियंत्रण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अधिनेत है,

(घ) बीड़ी तंबाकू से मारके में उत्पादित लाल चमोदिया या तंबाकू की जूड़ी किस्म या बीड़ी तंबाकू पैकिस अधिनेत है।

3. नियोक्ता का धारार :

नियंत्रण के लिये आवश्यित बीड़ी तंबाकू का नियोक्ता नियंत्रण परिषद द्वारा समय-समय पर जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेषण का नमूना लेकर और परीक्षण करके यह देखने के उद्देश्य से गया कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और मंडारकरण अभिकरण द्वारा प्रत्योक्ता एककों में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की द्वारा 6 के प्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मानक विनियोगों के अनुरूप है।

4. नियोक्ता की प्रक्रिया :—(1) बीड़ी तंबाकू का नियंत्रण करने के लिये आवश्यित कोई नियंत्रकर्ता नियंत्रण प्राप्ति अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस नियमित प्राविहृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, नियंत्रण किये जाने के लिये आवश्यित परेषण की विशिष्टियां देते हुए, नियोक्ता के लिये आवेदन (रु. प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिषदों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, नियोक्ता नियंत्रण किये जाने से कम से कम दो विन पहले प्रस्तुत किया जायेगा, और

(ख) ऐसे परिषदों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं हैं, नियोक्ता नियंत्रण किये जाने से कम से कम दूसरे दिन पहले प्रस्तुत किया जायेगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर नियंत्रण नियोक्ता परिषद द्वारा समय-समय पर इस नियमित जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार बीड़ी तंबाकू के परेषण का नियोक्ता स्वयं का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार शैक्षिक और एक किया गया है। नियंत्रकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक गुणवत्ताएं प्रदान करेगा जिससे यि वह ऐसा नियोक्ता करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि, नियोक्ता के पश्चात्, अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि नियंत्रण किये जाने वाले बीड़ी तंबाकू का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनियोगों की प्रपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो यह सूचना की गात्रि हलात विन दे भीतर, परेषण की नियंत्रितोग्य शैक्षिक करने द्वारा एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उत्तम सात दिन की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इकार कर देगा और नियंत्रकर्ता का ऐसे इकार की संमूचता नियमित रूप में उसके कारणों सहित देगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात् भ्रष्टिकरण को किसी स्थान पंचारकरण, भ्रष्टिवृहत में या वात्सल्यिक लदाई से पूर्व पतनों पर परेषण की बदलिली का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेषण के मानक विनियोगों के ग्रन्तीकरण न पाये जाने की वजा में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस ले लिया जायेगा।

5. पैकिंग और विस्तृतकरण।—(1) नियात के लिये शीढ़ी संचाक पैक करने के आवश्यिक कोई नियातकर्ता मानक पैकेजों में या जेता की विनियिट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) निम्नलिखित जानकारी पैकेजों पर स्टेंसिल/मुद्रित की जायेगी:

- (क) नियातकर्ता का नाम और पता,
- (ख) मदे का नाम और किम्ब,
- (ग) श्रेणी,
- (घ) साट संस्थाक और पैकिंग की तारीख,
- (इ) सकल भार और शुद्ध भार,
- (च) भारत का उत्पाद,
- (छ) पोत परिवहन चिह्न।

6. निरीक्षण का स्थान।—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिये निरीक्षण नियातकर्ताओं के परिसरों में वहाँ किया जायेगा जहाँ निरीक्षण के लिये माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिये पर्याप्त सुविधायें विद्यमान हों।

7. निरीक्षण फीस।—

भ्रष्टिकरण द्वारा परेषण-अनुसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में परेषण के पोत पर्यंत निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की घर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/नियातकर्ता से बहुत की जायेगी।

टिप्पणः—नियातकर्ता द्वारा संदेश प्रस्तेक परेषण के लिये निरीक्षण फीस के रूप में परेषण के पोत पर्यंत निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की घर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/नियातकर्ता से बहुत की जायेगी।

8. अपील।—(1) भ्रष्टिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर लिये जाने से व्यक्ति कोई नियातकर्ता, ऐसे इंकार किये जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त भ्रष्टिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के वैमल की, जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिये नियुक्त कम-से-कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, नियिट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के वैमल की कुल सदस्यता के कम-से-कम दो सिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) वैमल की गणपूति तीन सदस्यों से होगी।

(3) अपील प्राप्त होने की तारीख से पद्धत विन के भीतर निपटा दी जायेगी।

[का.स. 6/2/93-ई.ग्राह.एंड ई.पी.]

कुमारी सुमा सुम्मणा, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2274.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Bidi Tobacco (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions—In these Rules unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
- (c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;
- (d) "Bidi Tobacco" means the Lal Chapodia or Judi Varieties of Tobacco or bidi tobacco flakes produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Bidi Tobacco intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Bidi Tobacco shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

- (a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and
- (b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Bidi Tobacco as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Bidi Tobacco to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack Bidi Tobacco for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;

- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fee at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note : The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection, may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-official.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

[File No. 6/2/93-EI&EP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director.

आदेश

नई विल्सनी, 24 अगस्त, 1994

का. धा. 2275:—भारत के नियांत आपार के नियांत के लिए, नियांत से पूर्वी पामरोजा तेल का विवालिटी नियंत्रण और नियीक्षण के अधीन सामें के लिए कलिंग प्रस्ताव, नियांत (विवालिटी नियंत्रण और नियीक्षण) नियम, 1964 के नियम 13 के अन्तिम (2) की अपेक्षानुसार भारत मरकार के वाणिज्य संसाधनों के आदेश सं. 391 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) तारीख 5 फरवरी 1994 से प्रकाशित किए गए थे।

और आदेश तथा गुणात्मक, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैदानीमि दिन की विधि के भीतर मांगे गए थे।

और उक्त प्रस्ताव के गवर्नर में जनता से प्राप्त आक्षेप और सुमाचौ पर, वैद्वतीय सरकार ने विचार कर लिया है।

अतः, अब, केन्द्रीय मरकार, नियांत (विवालिटी नियंत्रण और नियीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त विविध विधियों का प्रयोग करते हुए, नियांत नियीक्षण परियद से परामर्श करने के पश्चात् यह गय होने पर कि भारत के नियांत आपार के विकास के लिए ऐसा कानून आवश्यक और नियोजित है।

(1) यह अधिकृति गर्यां है कि पामरोजा तेल नियांत से पूर्व विवालिटी नियंत्रण और नियीक्षण के अधीन होगा।

(2) विवालिटी नियंत्रण और विवालिटी नियंत्रण, 1954 के अनुसार विवालिटी नियंत्रण और नियीक्षण के प्रकार के लिए नियीक्षण का उक्त प्रकार विविधित करनी है जो नियांत में पूर्व ऐसे पामरोजा तेल को लागू होगा।

(3) वापरप्रीत नेत्र अणीकरण आर विवालिटी नियम, 1954 के अनुसार इनाम गए अणीकरण अधिकार को मात्रता देती है।

(4) अन्तरराष्ट्रीय आपार के अनुक्रम में पामरोजा तेल के नियांत को सब तक प्रतिषिद्ध करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक विनियोगों के अनुक्रम न हो और उसके काथ भारत मरकार के कृषि विषयान गताहकार या उसकी जैव गति नियंत्रण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियांत (विवालिटी नियंत्रण और नियीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियांत नियीक्षण अधिकरण द्वारा या किसी भाव्यताप्राप्त अधिकरण द्वारा जारी किया गया नियीक्षण प्रमाण पक्ष न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी बात द्वारा जी प्राप्त ग्राम शुद्ध भारत से अनधिक पामरोजा तेल वाणिज्यिक नमूने के समृद्ध, भूमि या वायुमांडल द्वारा नियांत को लागू नहीं होगी।

(6) उस मात्रिक में, पामरोजा तेल में वार्षिक पामरोजा तेल अधिकृत है।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा० सं. 6/2/93-६ आई एड ई पी

कुमारी सुमा शुभेण्णा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2275.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Palmarosa Oil to quality control and inspection prior to export were published to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 391 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette.

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do, for the development of the export trade of India, hereby :—

- (1) notifies that Palmarosa Oil shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection in accordance with the Essential Oil, Grading and Marking Rules, 1954 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Palmarosa Oil prior to export;
- (3) recognises the grade designation formulated under the Essential Oil Grading and Marking Rules, 1954;

(4) Prohibit the export, in the course of international trade of Palmarosa Oil unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Palmarosa oil not exceeding two hundred fifty grammes in weight (net 1).

(6) In this Order Palmarosa Oil means Palmarosa Oil produced in India.

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2276.—केंद्रीय सरकार, नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शब्दार्थों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पामरोजा तेल का नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) नियम, 1994 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रैत है,

(ख) "परिवद" से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित नियंत्रण नियोजन परिवद अभिप्रैत है,

(ग) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन केंद्रीय सरकार या भारत सरकार के कुछ विषयन सलाहकार या उसकी ओर से नियोजन के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या माध्यतप्राप्त नियंत्रण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिप्रैत है;

(घ) पामरोजा तेल से भारत में उत्पादित पामरोजा तेल अभिप्रैत है।

3. नियोजन का आधार—नियंत्रण के लिए अशायित पामरोजा तेल का नियोजन परिवद द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेषण का नमूना लेकर और प्रयोग करके यह देखने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और भंडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा माध्यतप्राप्त मानक विनियोजनों के अनुरूप है।

4. नियोजन की प्रक्रिया:—(1) पामरोजा तेल का नियंत्रण करने के लिए आशयित कोई नियंत्रकर्ता निकटतम अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस नियम प्राधिकृत अधिकरण के किसी अधिकारी को, नियंत्रण किए जाने के लिए आशयित परेषण की विशिष्टियां देते हुए, नियोजन के लिए न अद्वितीय प्रतियों में प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिसरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, नियोजन किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा और

(ख) ऐसे परिसरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं हैं, नियोजन किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, नियंत्रण विनियोजन परिवद द्वारा समय-समय पर इस नियम जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार पामरोजा तेल के परेषण का नियोजन स्थायं का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार श्रेणी-कृत और पैक किया गया है। नियंत्रकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करेगा जिससे कि वह ऐसा नियोजन करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि, नियोजन के पश्चात् अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि नियंत्रण किए जाने वाले पामरोजा तेल का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनियोजनों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो वह सूचना की अप्रियता के सात दिन के अंतर, परेषण को नियंत्रण विधेय प्रोत्तिष्ठित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगी।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उस दिन को अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इकार कर देगा और नियंत्रकर्ता को ऐसे इकार की संसूचना लिखित रूप से उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रमाणपत्र के पश्चात् अभिकरण का किसी स्थान, भंडारकरण, अधिवहन में या वास्तविक लदाई से पूर्व पतनों पर परेषण की क्वालिटी का पुनर्नियोजन करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेषण के मानक विनियोजनों के अनुरूप न पाए जाने को देखा में, मूलतः जारी किया गया नियोजन प्रमाणपत्र वापस ले लिया जाएगा।

5. पैकिंग और विस्तारकरण—(1) नियंत्रण के लिए पामरोजा तेल पैक करने के आशयित कोई नियंत्रकर्ता मानक पैकेजों में या क्रेता की विनियोजित अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) नियंत्रकर्ता पैकेजों पर स्टैमिंग/मुद्रित की जाएगी—

(क) नियंत्रकर्ता का नाम और पता;

(ख) मदर का नाम और क्रमसंख्या;

(ग) क्रेपी;

(घ) जाट संख्याक और पैकिंग की तारीख;

(ङ) सफल भार और शुद्ध भार;

(च) भारत की उत्पाद;

(ज) पोत परिवहन चिन्ह।

6. नियोजन का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोग के लिए नियोजन नियंत्रकर्ताओं के परिसरों में वहां किया जाएगा जहां नियोजन के लिए माल पेश किए जाते हैं, वरन्तु यह तब जब कि उनमें नियोजन के लिए पर्याप्त सुविधाएँ विद्यमान हो।

7. नियोजन की विधि—अभिकरण द्वारा परेषणानुसार नियोजन में, नियोजन कीमि के रूप में परेषण के पोत पर्याप्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम कीमि के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/नियंत्रकर्ता से बसूल की जाएगी।

टिप्पणी—नियंत्रिकर्ता द्वारा संदेश प्रत्येक परेषण के लिए नियंत्रण फैस की रकम निकटतम रूपए में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए जहां ऐसी रकम में रूपए का एक भाग है, वहां यदि ऐसा भाग पकास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पकास पैसे से कम है तो, उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपोल—(1) अभिकरण द्वारा नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिए जाने से व्यक्ति कोई नियंत्रिकर्ता, ऐसे इंकार किए जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को, विसमें केंद्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक तीन व्यक्ति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फा. सं. 6/2/93-ई. आई. एड ई. पी.]

कुमारी सुमा सुवर्णा, निवेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2276.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Export of Palmarosa Oil (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions—In these Rules unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act ;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under Section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection ;

(d) "Palmarosa Oil" means the Palmarosa Oil produced in India.

3. Basis of Inspection—Inspection of Palmarosa Oil intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under Section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Palmarosa Oil shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency ; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule

(2) the Agency shall inspect the consignment of Palmarosa Oil as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Palmarosa Oil to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing along with the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking—(1) An exporter intending to pack Palmarosa Oil for export shall pack in standard packages of as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

(a) Name and address of the exporter ;

(b) Name of the item and variety ;

(c) Grade ;

(d) Lot number and date of packing ;

(e) Gross weight and net weight ;

(f) Product of India ;

(g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the producer/exporter under consignmentwise inspection.

Note—The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

[File 6/2/93-EI&EP]

SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. ना. 2277.—भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए नियंत्रित से पूर्व हरीतकी का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कलियप्रस्ताव नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1964 के नियम II के उपनियम (2) की अपेक्षात्मक भारत सरकार के वाणिज्य संस्थान के आदेश सं. 392 तारीख 17 जनवरी 1994 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2 संड 3 उपलंड (ii) तारीख 3 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आदेश सथा सुझाव ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उपरे प्रभावित होने की संभावना थी उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से वैतानीस दिन की अवधि के बीतर मार्गे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जमता को उपलब्ध कराती गई थीं,

प्रतः अब केन्द्रीय सरकार नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की भाग 8 द्वारा प्रदत्त संस्थानों का प्रयोग करते हुए नियंत्रित निरीक्षण परिषद से परामर्श करते के पश्चात् वह राय होने पर कि भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीत है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि हरीतकी नियंत्रित से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) हरीतकी श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1962 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का वह प्रकार विनियिष्ट करती है जो नियंत्रित से पूर्व ऐसे हरीतकी को लागू होगा।

(3) हरीतकी श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1962 के अधीन लागू श्रेणीकरण अधिकान को मान्यता देती है।

(4) प्रतिवर्षांत्रिय व्यापार के अनुक्रम में हरीतकी के नियंत्रित को तब तक प्रतिविधि करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक विनियोगों के अनुसर न हो और उसके साथ भारत सरकार के कुछ विषयान सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकार किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की भाग 7 के अधीन स्वापित किसी नियंत्रित निरीक्षण अधिकारण द्वारा या किसी सान्यताप्राप्त अधिकारण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण ग्रामांपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी बात एक किलोग्राम शुद्ध भार से अधिक हरीतकी के वाणिज्यिक नमूने के रामबूझ भूमि या आयुर्वार्ग द्वारा नियंत्रित को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में हरीतकी से भारत में उत्पादित हरीतकी अप्रिप्रेग है।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा. सं. 6/2/93—ई आई एण्ड ई ली]

कुमारी सुमा सुभाषणा, निवेदक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2277.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Myrobalans to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No S.O. 392, dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :

(1) notifies that Myrobalans, shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of inspection in accordance with the Myrobalans Grading and Marking Rules, 1962 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Myrobalans export;

(3) recognises the grade designation formulated under the Myrobalans Grading and Marking Rules, 1962.

(4) prohibits the export, in the course of international trade of Myrobalans unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Myrobalans not exceeding one kilogramme in weight (gross).

(6) In this Order Myrobalans means Myrobalans produced in India.

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EI & EP]
M. SUMA SUBBANNA, Director.

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.पा. 2278.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की भाग 17 द्वारा प्रदत्त संस्थानों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथम:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हरीतकी का नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है;

(2) ये राजपत्र में प्रहार का तारीख को प्रदून होंगे।
2. परिमापाएँ—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अवेक्षण न हो,—

(क) “अधिनियम” में निर्धारित (क्वान्टिटी नियंत्रण और नियोक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अधिप्रेत है,

(ख) “परियद्” में अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित निर्धारित नियोक्षण परियद् अधिप्रेत है,

(ग) “अभिकरण” से अधिनियम की धारा 7 के प्रधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार के कृपि विषयन मलाहकार या उसकी ओर से नियोक्षण के लिए प्राधिकृत किमी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त नियांत्रित नियोक्षण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अधिप्रेत है,

(घ) हरीतकी से भारत में उत्पादित हरीतकी अधिप्रेत है।

3. नियोक्षण का आधार:

नियांत्रित के लिए आवश्यित हरीतकी का नियोक्षण परियद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेपण का नमना लेकर और परीक्षण करके यह देखने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और भंडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मानक विनियोक्षणों के अनुरूप है।

4. नियोक्षण की प्रक्रिया: (1) हरीतकी का नियांत्रित करने के लिए आवश्यित कोई नियांत्रिकर्ता निकटतम अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस नियमित प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, नियांत्रित किए जाने के लिए आवश्यित परेपण की विस्थितियां देते हुए, नियोक्षण के लिए आवेदन (दो प्रतियां) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परियरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, नियोक्षण किए जाने से कम में कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा, और

(ख) ऐसे परियरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं है, नियोक्षण किए जाने से कम में कम दस दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, नियांत्रित नियोक्षण परियद् द्वारा समय-समय पर इस नियमित जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार हरीतकों के परेपण का नियोक्षण स्वयं कायह समाधान करने 1959 GI/94-11

की दिल्ली में करेगा कि परेपण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और एक किया गया है। नियांत्रिकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करेगा जिसने यह वह ऐसा नियोक्षण करने में भर्त्य हो सके।

(4) यदि, नियोक्षण के पश्चात् अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि नियांत्रित किए जाने वाले हरीतकी वा परेपण नियम 3 में निर्दिष्ट विनियोक्षणों की अवेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो वह सूनता की प्राप्ति के मात्र दिन के भीतर, परेपण को फार्म योग्य घोषित करने हुए एवं प्रमाणित करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उस सत्र दिन को अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाणभव जारी करने से इकार कर देगा और नियांत्रिकर्ता को ऐसे दंकाएँ की संसूचना जिखिन स्वरूप में उसके कारणों भद्दित होगा।

(6) प्रमाणिकरण के पश्चात् अभिकरण को किसी स्थान, भंडारकरण अभिवहन में या वास्तविक तदाई से पूर्व पन्नों पर परेपण की विनियोक्षणों का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेपण के मानक विनियोक्षणों के अनुरूप न पाए जाने को देखा में, मूलतः जारी किया गया नियोक्षण प्रमाणापत्र वापस ले लिया जाएगा।

5. पैकिंग और विस्थान—(1) नियांत्रित के लिए हरीतकी पैक करने के आवश्यित कोई नियांत्रिकर्ता मानक पैकेजों में या कंता की विनियोक्षण अपेक्षाओं के अनुपार पैक करेगा।

(2) नियांत्रिकर्ता जानकारी पैकेजों पर स्टेसिन/मुद्रित की जाएगी—

(क) नियांत्रिकर्ता का नाम और पता;

(ख) मंदे का नाम और किम्म;

(ग) श्रेणी;

(घ) लाट संख्याएँ और यैकिंग की तारीख;

(ङ) सकल भार और शुद्ध भार;

(घ) भारत का उत्पाद;

(छ) पोत परिवहन चिह्न।

6. नियोक्षण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोगन के लिए नियोक्षण नियांत्रिकर्ताओं के परम्परों में वहां किया जाएगा जहां नियोक्षण के लिए माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें नियोक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएँ विद्यमान हों।

7. नियोक्षण फीस—

अभिकरण द्वारा परेपणानुसार नियोक्षण में, नियोक्षण कोष के रूप में परेपण के पान पर्याप्त विशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकार फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करण/नियांत्रिकर्ता से वसूल की जाएगी।

टिप्पणी: नियतिकर्ता द्वारा संदेश प्रत्येक परेषण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटतम रूपए में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, जहाँ ऐसी रकम में रूपए का एक भाग है, वहाँ यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो उसे बढ़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा। और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील—(1) अभिरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करों से इंकार कर दिए जाने से व्यक्ति कोई नियतिकर्ता, ऐसे इंकार किए जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य/गैर सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणरूपीत तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फा. सं. 6/2/93-ई.आई.एड.ई.पी.]

कुमारी सुमा सुब्बणा, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2278.—In exercise of the powers conferred by Sub-section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Myrobalans (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act ;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection ;

(d) "Myrobalans" means the Myrobalans produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Myrobalans intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Myrobalans shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an Officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the Office of the Agency ; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the Office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Myrobalans as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3, The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Myrobalans to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack Myrobalans for export shall pack in standard packages of as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages :—

(a) Name and address of the exporter ;

(b) Name of the item and variety ;

(c) Grade ;

(d) Lot number and date of packing ;

(e) Gross weight and net weight ;

(f) Product of India ;

(g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note :—The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two third of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

[File No. 6/2/93-EL & EP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director.
आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.ग्रा. 2279.—भारत वे नियंति व्यापार के विकास के लिए, नियंति से पूर्व अखरोट का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए क्षतिपूरण प्रस्ताव, नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. 393 नारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) नारीख 5 फरवरी 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

आगे आधोप तथा मुकाबले, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उसमें प्रभावित होने वी संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से पंतालीम दिन की प्रवधि के भीतर मांगे गए थे।

आगे उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियंति निरीक्षण परिषद से परामर्श करने के पश्चात्, यह राय होने पर कि भारत के नियंति व्यापार के विकास के लिए ऐसा करमा आवश्यक और समीचीन है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि अखरोट नियंति से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) अखरोट श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1963 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के स्वप्न में निरीक्षण का वह प्रकार चिह्नित करती है जो नियंति से पूर्व ऐसे अखरोट को लागू होगा।

(3) अखरोट श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1963 के अधीन वनाएं गए श्रेणीकरण अधिकारान को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अखरोट के नियंति को तब तक प्रतिपिद्ध करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक दिनिवेशों के अनुस्वप्न न हो और उसके साथ भारत सरकार के द्वारा विवरण सनाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी श्रन्य अधिकारी द्वारा या नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियंति निरीक्षण अधिकरण द्वारा किसी मान्यताप्राप्त अधिकरण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी वात हाई किलोग्राम शुल्क भारत से अनाधिक अखरोट के वाणिज्यिक नमूने के समुद्र, भूमि या वायु-मार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, अखरोट से भारत में उत्पादित अखरोट अधिष्ठित है।

(7) वह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा.सं. 6/2/93-एक्साइप-इंडिया]

कुमारी सुमा सुद्धारणा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2279.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Walnuts to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 393 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby—

(1) notifies that Walnuts shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the types of inspection in accordance with the Walnut, Grading and Marking Rules, 1963 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Walnut prior to export;

(3) recognises the grade designation formulated under the Walnut Grading and Marketing Rules, 1963.

(4) Prohibit the export, in the course of international trade of Walnut unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Walnut not exceeding two and half kilogramme in weight (nett).

(6) In this Order Walnut means walnut produced in India.

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EL&EP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2280.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अख्बरोट का नियानि (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) नियम, 1994 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
2. परिभाषाएँ:—इन नियमों में, जब तक कि संबंध से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से नियानि (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रत है,

(ख) “परिषद्” से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित नियानि नियोजन परिषद् अभिप्रत है,

(ग) “अभिकरण” से अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार के द्वारा विषयन सलाहकार या उसकी ओर से नियोजन के लिए प्राधिकारि नियोजन की अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यताप्राप्त नियानि नियोजन अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिप्रत है,

(घ) अख्बरोट से भारत में उपायित अख्बरोट अभिप्रत है।

3. नियोजन का आधार:

नियानि के लिए आशयित अख्बरोट का नियोजन परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेषण का नमूना लेकर और परीक्षण करके यह देखने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और भंडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में किया गया है और उत्पादित अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मात्रक बिनिर्देशों के अनुस्पृष्ट है।

4. नियोजन की प्रक्रिया: (1) अख्बरोट का नियानि करने के लिए आशयित कोई नियानिकर्ता नियन्त्रण अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस तिमित प्राविकृत अभिकरण के नियोजन की विशिष्टियां देते हुए, नियोजन के लिए प्रावेद्य (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिषदों में जो अभिकरण के कार्यान्वय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, नियोजन किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा, और

(ख) ऐसे परिषदों में, जो अभिकरण के कार्यान्वय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं हैं, नियोजन किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, नियानि नियोजन परिषद् द्वारा समय-समय पर इस तिमित जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार अख्बरोट के परेषण का नियोजन स्वयं का यह समाधान करते की दृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और पैक किया गया है। नियानिकर्ता अभिकरण को सभी प्रावेद्यक नुस्खाओं प्रदान करेगा जिसमें फि वह ऐसा नियोजन करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि, नियोजन के पश्चात् अभिकरण का यह समाधान हो जाता है, फि नियानि किए जाने वाले अख्बरोट का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुपालन करता है, तो वह सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेषण को नियानि योग्य घोषित करते हुए पक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त सात दिन की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाण पत्र जारी करने गे इंकार कर देगा और नियानिकर्ता को ऐसे इंकार की सूचना लिखित स्पृष्ट में उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात् अभिकरण को किसी स्थान, भंडारकरण, अभिकरण में या वास्तविक लदाई में पूर्व पतनों पर परेषण को क्वालिटी का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार हीगा।

(7) इन प्रक्रमों में किसी प्रक्रम पर परेषण के मात्रक विनिर्देशों के अनुरूप न पाए जाने की दशा में, मूलतः जारी किया गया नियोजन प्रमाणपत्र वापस ले लिया जाएगा।

5. रैकिंग और चिह्नांकन:—(1) नियानि के लिए अख्बरोट पैक वरते के आशयित कोई नियानिकर्ता भानक पैकेजों में या क्रेन की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) नियंत्रिकात्मक जानकारी पैकेजों पर स्टॉमिल/मुद्रित की जाएगी—

- (क) नियंत्रिकार्ता का नाम और पता;
- (ख) मद का नाम और किस्म;
- (ग) श्रेणी;
- (घ) लाट संख्याक और पैकिंग की तारीख;
- (ङ) मकल भार और शुद्ध भार;
- (च) भारत का उत्पाद,
- (छ) पोत परिवहन चिह्न।

6. नियंत्रण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए नियंत्रण नियंत्रिकात्मकों के परिसरों में वहाँ किसा जाएगा जहाँ नियंत्रण के लिए माल पेण विणे जाते हैं, परन्तु यदि तथ्य जब कि उनमें नियंत्रण के लिए पर्याप्त मुद्रिताएं विद्यमान हों।

7. नियंत्रण फीस—

अभिकरण द्वारा परेषणानुसार नियंत्रण में, नियंत्रण फीस के स्वयं में परेषण के पोत पर्यंत नियंत्रक मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/नियंत्रिकार्ता से बमूल की जाएगी।

टिप्पणी: नियंत्रिकार्ता द्वारा संदेश प्रत्येक परेषण के लिए नियंत्रण फीस की रकम निकटतम स्पष्ट में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, जहाँ ऐसी रकम में स्पष्ट का एक भाग है, वहाँ यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक स्पष्ट बार दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील—(1) अभिकरण द्वारा नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिए जाने में अधित कोई नियंत्रिकार्ता, ऐसे इंकार किए जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें केन्द्रीय भरकार द्वारा दस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

- (2) विशेषज्ञों के पैनल को कुल सदस्यता के कम से कम दो नियाई भद्रस्य और सरकारी होंगी।
- (3) पैनल की गणपूति तीन सदस्यों में होगी।
- (4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर नियटा दी जाएगी।

[फा. रा. 6/2/93-ई.याई. एंड ई. पी.]

कुमारी युमा मुख्यमंत्री, नियंत्रण।

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2280.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the export of Walnut (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
- (c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;

(d) "Walnut" means the walnut produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Walnut intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Walnut shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,

- (a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and
- (b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Walnut as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Walnut to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing along with the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack Walnut for export shall pack in standard packages as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;

- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India :
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note : The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of exporters consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

[File 6/2/93-EI&EP]

KM. SUMA SUBBANNA, Director
आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2281—भारत के नियन्त्रित व्यापार के विकास के लिए, नियन्त्रित से पूर्व टेबल पोटेटों का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कानून प्रस्ताव, नियन्त्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. 394 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपनियम (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आक्षेप तथा मालाव, ऐसे मधी व्यक्तियों में, जिनके उम्मेद प्रभावित होने की संभावना थी, उन्हें आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतीलीम दिन की अधिक्रिये के भीतर मांगे गए थे।

और उन्हें राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी,

और उन्हें प्रस्तावों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और समझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है।

अतः, यव, केन्द्रीय सरकार, नियन्त्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियन्त्रित निरीक्षण परियोग में परामर्श करने के पश्चात, यह धारा होने पर कि भारत के नियन्त्रित व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीक्षीय है।

(1) यह अधिसूचित वरती है कि टेबल पोटेटों नियन्त्रित से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगा।

(2) टेबल पोटेटों श्रेणीकरण आगे चिन्हांकन नियम, 1964 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के स्वयं में निर्गमण का वह प्रकार विनियोग करता है जो नियन्त्रित से पूर्व ऐसे टेबल पोटेटों को लागू होगा।

(3) टेबल पोटेटों श्रेणीकरण आगे चिन्हांकन नियम, 1964 के अधीन लाना श्रेणीकरण अधिकारी को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में टेबल पोटेटों के नियांत्रित को तब तक प्रतिपिछु बनाना है जब तक कि वह उसे लागू मानक विनियोगों के अनुरूप नहीं और उसके माध्यम से भारत सरकार के कृषि विषयन मलाहकार या उसकी ओर से नियन्त्रण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा या नियन्त्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियन्त्रित विनियम अर्थात् भारत या किसी मान्यताप्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया नियंत्रण प्रमाणात् न हो।

(5) इस आदेश की कार्य भी बात 2 किलो ग्राम शब्द भारत से अन्तर्धिक टेबल पोटेटों के अणिज्यक नमूने के सम्बद्ध भूमि या वस्तुमार्ग द्वारा या किसी मान्यताप्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया नियंत्रण प्रमाणात् न हो।

(6) इस आदेश में, टेबल पोटेटों से भारत में उन्नादित टेबल पोटेटों शमिल हैं।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्राप्त जनता की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[का. स. 6/2/93-ईआर्डांडईपी]

कुमारी सुमा सुच्छणा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2281.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Table Potatoes to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 394 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette,

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

- (1) notifies that Table Potatoes shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection in accordance with the Table Potatoes, Grading and Marking Rules, 1964 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Table Potatoes export;
- (3) recognises the grade designation formulated under the Table Potatoes unless it conforms Rules, 1964;
- (4) Prohibit the export, in the course of international trade of Table Potatoes unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Table Potatoes not exceeding two kilogramme in weight (Gross).
- (6) In this Order Table Potatoes mean Table Potatoes produced in India.
- (7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93/EL&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2282 —केन्द्रीय सरकार, नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम टेबल पोटेटो का नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है;

(2) ये राजस्व में प्रकाशन की तरीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "प्रधिनियम" में नियंत्रण (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अधिप्रेत है,

(ख) "परिषद्" से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित नियंत्रण निरीक्षण परिषद् अधिप्रेत है,

(ग) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार के कृपि विपणन मलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए

प्रायिकृत किए गये अधिकारी द्वारा स्थापित या संचयन। प्राप्त नियंत्रण निरीक्षण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अधिप्रेत है,

(घ) टेबल पोटेटो से भारत में उत्पादित टेबल पोटेटो अधिप्रेत है।

3. निरीक्षण का आधार—नियंत्रण के लिए आशयित टेबल पोटेटो का निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेपण का नमूना लेकर और परीक्षण करके यह देखने के उद्देश्य में किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और रहन-दरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित पाकों में विद्या गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन बेन्द्रीय सरकार द्वारा भारतीय प्राप्ति मानक विनिर्देशों के अनुस्पत्त है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) टेबल पोटेटो का नियंत्रण करने के लिए आशयित कोई नियंत्रिकरण नियम अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस नियम प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, नियंत्रण किए जाने के लिए आशयित परेपण की विशिष्टियां देते हुए, निरीक्षण के लिए आवेदन (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिसरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, निरीक्षण किए जाने में कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा, और

(ख) ऐसे परिसरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं हैं, निरीक्षण किए जाने में कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा;

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, नियंत्रण निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर इस नियमन जारी किया गया अनुदेशों के अनुसार टेबल पोटेटो के परेपण का निरीक्षण स्थिर के यह समाधान करने की दास्त से करेगा कि परेपण नियम 3 के अनुसार थोड़ी कम धैर्य पैक किया गया है। नियंत्रित अभिकरण को सभी आवश्यक सुधाराएँ प्रदान करेगा जिससे कि यह गोप्य धौधित करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि निरीक्षण के पश्चात अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि नियंत्रण किए जाने वाले टेबल पोटेटो का परेपण नियम 3 में निर्दिष्ट विनिर्देशों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है तो वह सूचना की प्राप्ति के मात्र दिन के भीतर, परेपण वाले नियंत्रण शोध धौधित करने हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त गात्र दिन को अवधि के भीतर, ऐसा प्रपाणपत्र जारी करने से छकार कर देगा और नियंत्रिकरण को ऐसे छकार की संसूचना नियमित रूप में उसके कारणों महिल होगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात् अभिकरण को किसी स्थान, भंडारकरण, अभिवहन में या वास्तविक लदाई से पूर्व पत्तनों पर परेषण की क्षमताएँ का पुनर्निर्धरण करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेषण के मानक विनिर्देशों के अनुरूप न पाए जाने की दशा में, मृजन जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस ने लिया जाएगा।

5. पैकिंग और चिन्हांकन;—(1) निर्यात के लिए टेबल पोटौटों पैक करने के ग्राम्यत कोई निर्यातकर्ता मानक पैकेजों में या ऋता की विनिर्दिष्ट अनेकाओं के अनुमार पैक करेगा।

(2) निम्नलिखित जानकारी पैकेज पर स्टैमिल/मैट्रिक की जाएगी—

(क) निर्यातकर्ता का नाम और पता :

(ख) मंदे का नाम और किस्म :

(ग) श्रेणी :

(घ) लाट संख्यांक और पैकिंग की तारीख :

(ङ) सकल भार और शुद्ध भार :

(च) भारत का उत्पाद :

(छ) पोत परिवहन चिन्ह।

6. निरीक्षण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिए निरीक्षण निर्यातकर्ताओं के परिसरों में वहां किया जाएगा जहां निरीक्षण के लिए माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएँ विद्यमान हो।

7. निरीक्षण फीस—

अभिकरण द्वारा परेषणानुमार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के स्थान में परेषण के पोत पर्यात निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहने वाला, प्रसंस्करणकर्ता/निर्यातकर्ता से वसूल की जाएगी।

टिप्पण :—निर्यातकर्ता द्वारा सदैय प्रत्येक परेषण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटतम रूप से में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, जहां ऐसी रकम में समान का एक भाग है, वहां यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे वहां कर एक रूपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील—(1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिए जाने से व्यष्टि कोई निर्यातकर्ता, ऐसे इंकार किए जाने से दम दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो निहाई सदस्य/गैर सरकारी होंगे।

(3) पैनल का गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फा. सं. 6/2/93-ई.आई.एंड.ई.पी.]

कुमारी सुमा सुविणा, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

SO. 2282.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Export of Table Potatoes (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions—In these Rules unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act ;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under Section 7 of the Act or the agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection ;

(d) Table Potatoes means the Table Potatoes produced in India.

3. Basis of Inspection—Inspection of Table Potatoes intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under Section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection—(1) Any exporter intending to export Table Potatoes shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Table Potatoes as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Table Potatoes to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking—(1) An exporter intending to pack Table Potatoes for export shall pack in standard packages as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note—The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be founded off to the nearest rupee and for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days from the date of its receipt.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2283—भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए, निर्यात से पूर्व पशु केसिंग का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कतिपय प्रस्ताव, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के आणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. 395, तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

आर आक्षेप तथा सुभाव, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उम्मेदप्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैतातीय दिन की आवधि के भीतर मार्गे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी,

और उक्त प्रस्तावों के संतंत में जनता ने प्राप्त आन्दोलन और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिपद में परामर्श करने के पश्चात्, यह राय होने पर कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और सभीचीन है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि पशु केसिंग निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) पशु केसिंग श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1964 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का वह प्रकार विनिश्चित करती है जो निर्यात से पूर्व ऐसे पशु केसिंग को लागू होगा।

(3) पशु केसिंग श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1964 के प्रवीन वतान गए श्रेणीकरण अधिनियम को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में पशु केसिंग के नियम को नव तक प्रतिपिछ करती है जब तक कि वह उचे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके माध्यम भारत सरकार के कृषि विषयन मंत्रालय या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी निरीक्षण अधिकरण द्वारा या किसी मान्यता-प्राप्त अधिकरण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी बात आधा किलोग्राम शुद्ध भार से अतिथिक पशु केसिंग के वाणिज्यिक नमूने के समुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा निर्यात को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, पशु केसिंग में (गाय, भैंस) भेड़ बकरी और सुअर से अभिप्राप्त तथा भारत में उत्पादित पशु केसिंग अभिप्रेत है।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा.सं. 6/2/93-ईआई एड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बणा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2283.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Animal Casings to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 395 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :

- (1) notifies that Animal casings shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection in accordance with the Animal casings Grading and Marking Rules, 1964 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Animal casings prior to export;
- (3) recognises the grade designation formulated under the Animal Casings Grading and Marking Rules, 1964.
- (4) prohibit the export, in the course of international trade of Animal Casings unless it conforms to the standard specifications applicable to it and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Animal casings not exceeding Half Kilogram in weight (gross).

(6) In this Order Animal casings means casing obtained from cattle (Cow, Buffalo) Sheep, Cats and pigs and produced in India.

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 6/2/93-EI & EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2284.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पशु केसिंग का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएँ—इन नियमों में, जब तक कि मंदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “अधिनियम” में निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है,

(ख) “परिषद्” में अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद् अभिप्रेत है,

(ग) “अभिकरण” में अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार के कृषि विषयन मलाहकार या उमकी और से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिप्रेत है,

(घ) पशु केसिंग से (गाय, भैंस) भेड़, बकरी, और सुअर से अभिप्राप्त तथा भारत में उत्पादित पशु केसिंग अभिप्रेत है।

3. निरीक्षण का आधार—निर्यात के लिए आशयित पशु केसिंग का निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किया गया अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेषण का नमूना लेकर और परीक्षण करके यह देखने के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और भंडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित प्रक्रियाओं में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मानक विनियोगों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) पशु केसिंग का निर्यात करने के लिए आशंकित कोई निर्यातकर्ता निकटतम अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस निमित प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, नियानि किए जाने के लिए आशंकित परेषण की विनिर्दिष्टयां देते हुए, निरीक्षण के लिए आवेदन (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिसरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा, और

(ख) ऐसे परिसरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं है, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दो दिन विन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्विष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, नियानि निरीक्षण परियद द्वारा समय-समय पर इस निमित जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार पशु केसिंग के परेषण का निरीक्षण स्थियों का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार अधीक्षित और पैक किया गया है। नियानिकर्ता अभिकरण यो सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा जिससे कि वह ऐसा निरीक्षण करने से समर्थ हो सके।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात, अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि निर्यात किए जाने वाले पशु केसिंग का परेषण नियम 3 में विनिर्दिष्ट विनिदेशों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो वह सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेषण को निर्यातियोग्य घोषित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उस भाव के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर देगा और नियानिकर्ता को ऐसे इंकार की संसूचना लिखित रूप में उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रसारीकरण के पश्चात, अभिकरण को किसी स्थान, भौतिकरण, अभिवहन में या वास्तविक सदाई से पूर्व पत्तनों पर परेषण की क्वालिटी का पुनर्निधारित करने जा अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेषण के मानक विनिदेशों के अनुरूप न पाए जाने की दशा में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस ले लिया जाएगा।

5. पैकिंग और चिन्हांकन—(1) नियानि के लिए पशु केसिंग पैक करने के आशंकित कोई नियानिकर्ता मानक पैकेजों में या उनकी विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) निम्नलिखित जानकारी पैकेजों पर स्टॉकिल/मुद्रित की जाएगी;—

- (क) नियानिकर्ता का नाम और पता;
- (ख) मद का नाम और किस्म;
- (ग) थ्रेणी,
- (घ) लाट संख्यांक और पैकिंग की तारीख;
- (ङ) सकल भार और शुद्ध भार;
- (च) भारत का उत्पाद;
- (छ) पोत परिवहन चिन्ह।

6. निरीक्षण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोगन के लिए निरीक्षण नियानिकर्ताओं के परिसरों में वहां किया जाएगा जहां निरीक्षण के लिए माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों।

7. निरीक्षण फीस—अभिकरण द्वारा परेषणानुसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में परेषण के पोत पर्यन्त निश्चुलक मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/नियानिकर्ता से वसूल की जाएगी।

टिप्पण :—नियानिकर्ता द्वारा सदैय प्रत्येक परेषण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटनम रूपए में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोगन के लिए, जहां ऐसी रकम में रूपए का एक भाग है, वहां यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील—(1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिए जाने से व्यक्ति कोई नियानिकर्ता, ऐसे इंकार किए जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पैनल को, जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोगन के लिए नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2284.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Export of Animals Casing (quality Control and Inspection) Rules, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**—In these Rules unless the context otherwise requires,
 - (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
 - (b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
 - (c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;
 - (d) "Animal casings" means the casings obtained from Cattle (Cow Buffalo), Sheep, Goats and pigs and produced in India.
3. **Basis of Inspection.**—Inspection of Animal casings intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.
4. **Procedure of Inspection.**—(1) Any exporter intending to export Animal casings shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.
- (2) An application under sub-rule (1) shall be submitted :—
 - (a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and
 - (b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.
- (3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Animal casings as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.
- (4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Animal casings to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.
- (5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons therefor.
- (6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.
- (7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. **Packing and marking.**—(1) An exporter intending to pack Animal casing for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages:—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. **Place of Inspection.**—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therefor for inspection.

7. **Inspection fees.**—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the to b value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

NOTE.—The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. **Appeal.**—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days from the date of its receipt.

[File 6/2/93-EI&FP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.ग्रा. 2285.—भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए, नियन्त्रित से पूर्व प्याज का क्वालिटी नियंत्रण और नियंत्रण के अधीन लाने के लिए कठिनपूर्ण प्रस्ताव, नियंत्रित (व्यालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षान्तराम भारत सरकार के दार्शनिक मंत्रालय के आदेश में 396 तारीख 17 जून 1994 के अवीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपलंड (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किया गया है।

अंत आधेय तथा मुझाद, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिन्हें उसमें प्रतिवित होने की संभावना थी, उनके आदेश के राजपत्र में प्रकाशित वही तारीख से वैतानीम दिन वही प्रदर्शि त्रै नितर मार्गे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं।

और उक्त प्रस्तावों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियंत्रित निरीक्षण परिषद से परामर्श करने के पश्चात, यह राय होने पर कि भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है।

(1) यह अधिलिखित करती है कि प्याज नियंत्रित से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) प्याज श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1964 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का यह प्रकार विनिर्दिष्ट करती है जो नियंत्रित से पूर्व ऐसे प्याज को लागू होगा।

(3) प्याज श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1964 के अधीन बनाएं गए श्रेणीकरण अभिधान को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में प्याज के नियंत्रित को तब तक प्रतिषिद्ध करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के कृषि विभाग सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियंत्रित तिरीक्षण अधिकरण द्वारा या किसी मान्यताप्राप्त अधिकरण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी बात दो किलोग्राम शुद्धभार से अनधिक प्याज के वाणिज्यिक नमूने के समुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा नियंत्रित को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में प्याज से भारत में उत्पादित प्याज अभिप्रेत है।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[का.सं. 6/2/93-ईआई एण्ड ईपी)]

कुमारी सुमा सुब्रह्मण्य, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2285.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Onion to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of

India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 396, dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so do do for the development of the export trade of India, hereby :—

(1) notifies that Onion shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of inspection in accordance with the Onion, Grading and Marking Rules, 1964 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Onion prior to export;

(3) recognises the grade designation formulated under the Onion Grading and Marketing Rules, 1964;

(4) prohibits the export, in the course of international trade of Onion, unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Onion not exceeding two kilogramme in weight (gross).

(6) In this Order Onion means onion produced in India.

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EI & EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का.आ. 2286.—केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्याज का नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है ;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ :— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" में निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अधिवेत है,

(ख) "परिषद" से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित निर्यात नियंत्रण परिषद अधिवेत है,

(ग) "अभिकरण" में आधिनियम की धारा 7 के अधीन केंद्रीय भरकार या भारत भरकार के हृषि विभाग नियंत्रण भरकार या उसकी ओर से नियंत्रण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त निर्यात नियंत्रण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अधिवेत है,

(घ) प्याज से भारत में उत्पादित प्याज अधिवेत है।

3. नियंत्रण का आधार :— निर्यात के लिए आशयित प्याज का नियंत्रण परिषद गम्भीर-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेपण का नमूना लेकर आर-परीक्षण करके यह देवते के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका प्रसंस्करण, पैकिंग और भांडारकरण अभिकरण द्वारा अनुमोदित एकको में किया गया है। और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन केंद्रीय भरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मानक विनियोगों के अनुसूचा है।

4. नियंत्रण की प्रक्रिया :— (1) प्याज का निर्यात करने के लिए आशयित कोई नियंत्रकर्ता नियंत्रण अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस निमित प्राधिकृत अभिकरण के किसी अधिकारी को, निर्यात किए जाने के लिए आशयित परेपण की विशिष्टियां देते हुए, नियंत्रण के लिए आवेदन (दो प्रतियों में) प्रस्तुत करेंगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिसरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केंद्र में अवस्थित हैं, नियंत्रण किए जाने से कम से कम दो दिन पहले प्रत्युत किया जाएगा, और

(ख) ऐसे परिसरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केंद्र में अवस्थित नहीं हैं, नियंत्रण किए जाने से कम से कम दस दिन पहले प्रत्युत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, निर्यात निर्यातकारा परिषद द्वारा समय-समय पर इस निमित जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्याज के परेपण का नियंत्रण स्वयं का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेपण नियम 3 के अनुसार थोणीकृत ओर पैक किया गया है। नियंत्रकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करेगा जिनमें कि वह ऐसा नियंत्रण करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात, अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि निर्यात किए जाने वाले प्याज का परेपण नियम 3 में निर्दिष्ट विनियोगों की अविकारों का अनुपालन करता है, तो वह सूचना वी प्राप्ति के साथ दिन के भीतर, परेपण को नियंत्रियोग्य घोषित करने हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त सात दिन की अवधि के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर देगा और नियंत्रकर्ता को ऐसे इंकार की संसूचना लिखित रूप से उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात अभिकरण दो किमी स्थान भंडारकरण, अभिवहन में या धारान्विक व्यापार से पूर्व पत्तनों पर परेपण की क्वालिटी का पुनर्नियंत्रण करने का अविकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किमी प्रक्रम पर परेपण के मानक विनियोगी के अनुसुधा न पाए जाने की दशा में, मूलतः जारी किया गया नियंत्रण प्रमाणपत्र उत्पाद ने जिया जाएगा।

5. पैकिंग और त्रिन्होक्स — (1) निर्यात के लिए प्याज पैक करने के आशयित कोई नियंत्रकर्ता मानक पैकेजों में या उनकी की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) निम्नलिखित जानकारी पैकेजों पर स्टेसिल/मुद्रित की जाएगी—

(क) नियंत्रकर्ता का नाम और पता :

(ख) मद का नाम और किस्म ;

(ग) थोणी ;

(घ) लाट संस्थांक और पैकिंग की तारीख ;

(ङ) मक्कल भार और गुड भार ;

(च) भारत का उत्पाद ;

(छ) पोत परिवहन चिह्न।

6. नियंत्रण का स्थान :— (1) इन नियमों के प्रयोगन के लिए नियंत्रण नियंत्रकर्ताओं के परिवर्तों से वहां किया जाएगा जहां नियंत्रण के लिए माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें नियंत्रण के लिए पर्याप्त सुविधाएँ विद्यमान हो।

7. नियंत्रण फीस—अभिकरण द्वारा परेपणानुसार नियंत्रण में, नियंत्रण फीस के रूप में परेपण के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/नियंत्रकर्ता ने वसूल की जाएगी।

टिप्पण : नियंत्रकर्ता द्वारा सदेश प्रत्येक परेपण के लिए नियंत्रण फीस की रकम नियंत्रण रूपां में पूर्णीकृत की जाएगी और इस प्रयोगन के लिए, जहां ऐसी रकम में रूपां का एक भाग है, वहां यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे छोटा दिया जाएगा।

8. अपील :— (1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिए जाने से व्यक्ति कोई नियर्त-कर्ता, ऐसे इंकार किए जाने से दस दिन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विशेषज्ञों के पेनल को, जिसमें केंद्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, निर्दिष्ट करेगा।

(2) विशेषज्ञों के पेनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) पेनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फ.सं. 6/2/93-ई.आई. एण्ड ई.पी.]

कुमारी सुमा सुब्बना, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

SO. 2286.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Onion (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act ;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection ;

(d) "Onion" means the onion produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Onion intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Onion shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Onion as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Onion to be exported complies with the requirement of the specifications referred to in rule 3, it shall within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and Marking.—(1) An exporter intending to pack Onion for export shall pack in standard packages as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages :—

(a) Name and address of the exporter ;

(b) Name of the item and variety ;

(c) Grade ;

(d) Lot number and date of packing ;

(e) Gross weight and net weight ;

(f) Product of India ;

(g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note :—The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

क्रा.आ. 2287—भारत के नियात व्यापार के विकास के लिए, नियात से पूर्व तेंदु पत्ता का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिए कठिप्प प्रस्ताव, नियात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्यिक मंत्रालय के आदेश सं. 397 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आक्षेप तथा सुझाव ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतीलीस दिन की अवधि के भीतर मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और उक्त प्रस्तावों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, नियात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियात निरीक्षण परिषद से परामर्श करने के पश्चात, यह राय होने पर कि भारत के नियात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है :—

(1) यह अधिसूचित करती है कि तेंदु पत्ता नियात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) तेंदु पत्ता श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1963 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का वह प्रकार विनिर्दिष्ट करती है जो नियात से पूर्व ऐसे तेंदु पत्ता को लागू होगा।

(3) तेंदु पत्ता श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1963 के अधीन बनाए गए श्रेणीकरण अधिकान को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में तेंदु पत्ता के नियात को तब तक प्रतिषिद्ध करती है जब तक कि वह उसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत भरकार के कृषि विषयन सलाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियात निरीक्षण अभिकरण द्वारा या किसी मान्यताप्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस आदेश की कोई भी बात दो किलोग्राम शुद्ध भार से अनधिक तेंदु पत्ता के वाणिज्यिक नमूने के समुद्र, भूमि या वायुमार्ग द्वारा नियात को लागू नहीं होगी।

(6) इस आदेश में, तेंदु पत्ता से भारत में उत्पादित तेंदु पत्ता अभिप्रेत है।

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[फा.सं. 6/2/93-ई आइ एप्ड ई.पी.]

कुमारी सुमा सुब्बना, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2287.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Tendu leaves to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 397 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on 28-2-1994;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

- (a) notifies that Tendu leaves shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (b) specifies the type of inspection in accordance with the Tendu (bidi wrapper) Leaf Grading and Marking Rules, 1963 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Tendu leaves export;
- (c) recognises the grade designation formulated under the Tendu leaves Grading and Marking Rules, 1963.
- (d) prohibits the export, in the course of international trade of Tendu Leaves unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (e) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Tendu leaves not exceeding two kilogrammes in weight (net).
- (f) In this Order Tendu leaves means Tendu leaves produced in India.
- (g) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EL&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2288.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Export of Tendu leaves (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions—In these Rules unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;

(d) "Tendu leaves" means the Tendu leaves produced in India.

3. Basis of Inspection—Inspection of Tendu Leaves intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection—(1) Any exporter intending to export Tendu leaves shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Tendu leaves as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Tendu leaves to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate communicate such refusal to the exporter in writing along with the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking—(1) An exporter intending to pack Tendu leaves for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

- Name and address of the exporter;
- Name of the item and variety;
- Grade;
- Lot number and date of packing;
- Gross weight and net weight;
- Product of India;
- Shipping Mark.

6. Place of Inspection—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor exporter under consignmentwise inspection.

Note : The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

[File 6/2/93-EI&EP]
SUMA SUBBANNA, Director

श्रीमति

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. आ. 2289—भारत के नियाति आपार के विकास के लिए, नियाति से पूर्व वैटरीवाल का क्वालिटी नियंत्रण और नियोग के अधीन लाने के लिए कलिय प्रस्ताव, नियाति (क्वालिटी नियंत्रण और नियोग) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की प्रविधाननुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के प्रावेश मं. 398 तारीख 17 जून 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II, बंड 3, उपलंड (ii) तारीख 5 जून 1994 में प्रकाशित किए गए थे;

और प्राक्षेप तथा सुधार, ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उपर से प्रभावित होने की समावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तैतालीस दिन की अवधि के भीतर माने गए थे।

ओर उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 से जनता को उगालना करा दी गई थी;

और उन प्रस्तावों के संबंध में जनता से प्राप्त आशेषों और सुझाओं पर केन्द्रीय सरकार ने विवार कर लिया है,

एवं, अब, केन्द्रीय सरकार, नियंत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियंत निरीक्षण परिषद से प्रगती मार्किंग करने के पश्चात यह राय होने पर कि भारत के नियंत ध्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और अनिवार्य है।

(1) यह अधिनियत करता है कि बैटरीबल तेल नियंत में पूर्ण व्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगा।

(2) बैटरीबल तेल ऐणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1954 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का वह प्रकार विनियिष्ट करती है जो नियंत से पूर्ण ऐसे बैटरीबल तेल को लागू होगा।

(3) बैटरीबल तेल ऐणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1954 के अधीन लागू गए ऐणीकरण अधिकार को मान्यता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय ध्यापार के अनुक्रम में बैटरीबल के नियंत को जब तक प्रतियोगी करती है जब तक कि वह उसे तात्पुर मानक विनियोगों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के छवि विषयन सालाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियंत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित किसी नियंत निरीक्षण अधिकरण द्वारा या किसी मान्यताप्राप्त अधिकरण द्वारा जारी किया गया नियंत्रण प्रमाणपत्र न हो।

(5) इस भाद्रेश की कोई भी बात पक्षास प्राप्त युग्म भार से अनधिक बैटरीबल के वाणिज्यिक नमूने के अनुद भूमि या आयुर्मार्ग द्वारा नियंत को लागू नहीं होगी।

(6) इस भाद्रेश में, बैटरीबल से भारत में उत्पादित बैटरीबल अधिकृत है।

(7) वह भावेष राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[का. सं. 6/2/93 - ई. आई. एड ई. पी.]

कृमारी सुमा सुम्मणा, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2289.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Oil of Vetrivel to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 398 dated 17th January, 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion

that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

- (1) notifies that Oil of Vetrivel shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection in accordance with Oil of Vetrivel, Grading and Marketing Rules, 1954 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such export;
- (3) recognises the grade designation formulated under the Oil of Vetrivel Grading and Marketing Rules, 1954;
- (4) prohibits the export, in the course of international trade of Oil of Vetrivel to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Oil of Vetrivel not exceeding fifty gramme in weight (nett).
- (6) In this Order Oil of Vetrivel means Oil of Vetrivel produced in India.
- (7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. सं. 2290-केन्द्रीय सरकार, नियंत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की भारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियंत्रित नियम बनाती है, अस्तित्व :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बैटरीबल तेल का नियंत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1994 है;
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होती है;
2. परिभाषाएँ :— इन नियमों में, जब तक कि संबंध से ग्राह्य अधिकृत न हो, —
 - (क) "अधिनियम" से नियंत (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अधिकृत है;
 - (ख) "परिषद" से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्थापित नियंत निरीक्षण परिषद अधिकृत है,
 - (ग) "अधिकरण", से अधिनियम की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार के छवि विषयन सालाहकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यता प्राप्त नियंत निरीक्षण अधिकरणों में से कोई अधिकरण अधिकृत है,
 - (घ) बैटरीबल तेल से भारत में उत्पादित बैटरीबल तेल अधिकृत है।

3. नियंत का आधार : नियंत के लिए आवश्यक बैटरीबल तेल का निरीक्षण परिषद द्वारा समय समय पर जारी किए गए अनुबोधों के अनुसार अधिक परेशान नमूना लेकर और परीक्षण करके यह देखने के उद्देश से किया जाएगा कि उसका प्रमंस्करण पैकिंग और भैंडारकरण द्वारा अनुमोदित एकत्रों में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की की धारा 6 में अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त भागीकितिवेशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) वैट्रिवल तेल का निर्यात करने के लिए आवश्यित कोई नियांतकर्ता निकटतम अभिकरण को या अभिकरण द्वारा इस नियत प्राधिकृत अभिकरण के किसी प्रधिकारी को, नियांत किए जाने के लिए आवश्यित परेषण की विविधियां देते हुए, निरीक्षण के लिए आवेदन (दो प्रतियों) में प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन

(क) ऐसे परिसरों में जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित हैं, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दो विन पहले प्रस्तुत किया जाएगा; और

(ख) ऐसे परिसरों में, जो अभिकरण के कार्यालय के उसी केन्द्र में अवस्थित नहीं है, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दो विन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अभिकरण उपनियम (2) में निर्दिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर, नियांत निरीक्षण परिषद द्वारा समय-समय पर इस नियमित जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार वैट्रिवल तेल के परेषण का निरीक्षण स्वयं का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार अधीकृत और ऐक किया गया है। नियांतकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा जिससे कि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात अभिकरण का यह समाधान हो जाता है कि नियांत किए जाने वाले वैट्रिवल तेल का परेषण नियम 3 में निर्दिष्ट विनियोगों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो वह सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेषण को नियांत योग्य घोषित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त सात दिन की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से छंकार कर देगा और नियांतकर्ता को ऐसे इंकार की संसूचना लिखित रूप में उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रमाणीकरण के पश्चात अभिकरण को किसी स्थान, अंडारकरण अभिवृहन में या वास्तविक लदाई से पूर्व पत्तनों पर परेषण की क्वालिटी का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेषण के मानक विनियोगों के अनुरूप न पाए जाने की वजा में, मूलतः जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र वापस ले लिया जाएगा।

5. वैकिंग और चिन्हांकन—(1) नियांत के लिए वैट्रिवल तेल ऐक करने के आवश्यित कोई नियांतकर्ता मानक ऐकेजों में या केता की विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार ऐक करेगा।

(2) निम्नलिखित जानकारी ऐकेजों पर स्टैमिल मुक्ति की जाएगी—

(क) नियांतकर्ता का नाम और पता;

(ख) मध्ये का नाम और किस्म;

(ग) श्वेणी;

(घ) लाट संबंधीक और वैकिंग की तारीख;

(इ) सकल भार और शुद्ध भार;

(च) भारत का उत्पाद;

(छ) पोत परिवृहन चिन्ह।

6. निरीक्षण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोग के लिए निरीक्षण नियांतकर्ताओं के परिसरों में वहां किया जाएगा जहां निरीक्षण के लिए माल पेश किए जाते हैं, परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएं विस्तारान हों।

7. निरीक्षण फीस—अभिकरण द्वारा परेषणानुसार निरीक्षण में निरीक्षण फीस के रूप में परेषण के पोत पर्याप्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए, प्रसंस्करणकर्ता/नियांतकर्ता से बस्तु की जाएगी।

टिप्पण :—नियांतकर्ता द्वारा सदैय प्रत्येक परेषण के लिए निरीक्षण फीस की रकम निकटतम रूपाएं में पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, अहो ऐसी रकम में रूपाएं का एक भाग है, वहां यदि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बढ़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील—(1) अभिकरण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिया जाने ने व्यक्ति कोई नियांतकर्ता ऐसे इंकार किए जाने से बस विन के भीतर, अपील उक्त अभिकरण को करेगा, जो उसे विवेदियों के ऐनल को, जिसमें केवलीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति अंतर अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, निर्विष्ट करेगा।

(2) विवेदियों के ऐनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) ऐनल को गणरूप तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगा, दी जाएगी।

[का. सं. 6/2/93—ई आई एड ई. पी.]

कुमारी सुमा सुद्धारणा, निवेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2290.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Export (Oil of Vetrivel Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions—In these Rules unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;

(d) "Oil of Vetrivel" means the Oil of Vetrivel produced in India.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Oil of Vetrivel intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Oil of Vetrivel shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this

behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

- (a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and
- (b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Oil of Vetrivel as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Oil of Vetrivel to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as export-worthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specification at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack Oil of Vetrivel for export shall pack in standard packages of as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled/printed on the packages—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note.—The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

[File 6/2/93-EI&EP]

SUMA SUBBANNA, Director.

आदेश

नई दिल्ली, 24 प्रगत, 1994

मा. आ. 2201.—भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए, नियंत्रित से पूर्ण वनस्पति तेज का व्यापारिकी नियंत्रण और नियंत्रण के अधीन लाने के लिए कलिपय प्रस्ताव, नियंत्रित (व्यापारिकी नियंत्रण और नियंत्रण नियम 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुद्वार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. 399 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, बड 3, उपर्युक्त (ii) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किए गए थे।

और आक्षेप सथा मुआव ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से पंतालीस दिन की अवधि के भीतर मार्गे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं।

और उक्त प्रतियों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और गुमावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, नियंत्रित (व्यापारिकी नियंत्रण) और नियंत्रण अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियंत्रित नियंत्रण परिषद से परामर्श करने के पश्चात यह राय होने पर कि भारत के नियंत्रित व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक और अभीनीत है।

(1) यह प्रधिसूचित करती है कि वनस्पति सेल नियंत्रित से पूर्ण व्यापारिकी नियंत्रण और नियंत्रण के अधीन होगा।

(2) बनस्पति तेल थेणीकरण और चिह्नाकान नियम 1955 के अनुसार चवालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में निरीक्षण का वह प्रकार विनिश्चित करती है जो नियान से पूर्व ऐसे बनस्पति नेत्र को लागू होगा।

(3) बनस्पति तेल थेणीकरण और चिह्नाकान नियम 1955 के अधीन बनाए गए थेणीकरण अधिकार को मात्रता देती है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में बनस्पति तेल के नियान को तब तक प्रतिष्ठित करती है जब तब कि वह उसे लागू भानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो और उसके साथ भारत सरकार के क्रूर विधान नलाह-कार या उसकी ओर में निरीक्षण के लिए प्राधिकृत किसी अन्य प्रधिकारी द्वारा या नियान (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की घारा 7 के अधीन स्थापित कियों नियान निरीक्षण अधिकारण द्वारा या हिसी मान्यताप्राप्त अधिकरण द्वारा जारी किया गया निरीक्षण प्रमाणपत्र न है।

(5) इस आदेश की कोई सांख्यिकीय अनुमूल्यों में विनिश्चित बनस्पति तेल के दो नियोगाम शुल्क भारत में प्रतिविक वाणिज्यिक नमूने समुद्र, भूमि या बायामार्थ गता नियान को लागू नहीं होती।

(6) इस आदेश में बनस्पति तेल से अनुमूल्यी में विनिश्चित और भारत में उत्पादित बनस्पति तेल अधिकृत है।

अनुमूल्यी

1. एरेंडी तेल 2. भूगफलों का तेल 3. ग्लसी का तेल
4. लिनोली तेल 5. सूरजमुखी तेल

(7) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की सारीकरण को प्रवृत्त होगा।

[का. सं. 6/2/93 ई आई एड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्रह्मण्य, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2291.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Vegetable Oil to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 399 dated 17th JAN., 1994.

And whereas the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 28-2-1994.

And whereas the objections & suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

- (1) notifies that Vegetable Oil shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) specifies the type of inspection in accordance with the Vegetable Oil, Grading and Marking Rules, 1955 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such Vegetable Oil prior to export;
- (3) recognises the grade designation formulated under the Vegetable Oil Grading and Marking Rules, 1955.
- (4) prohibits the export, in the course of international trade of Vegetable Oil unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Vegetable Oil as specified in the Schedule not exceeding two kilogrammes in weight (net).
- (6) In this Order Vegetable oil means the oils specified in the schedule and produced in India :—

SCHEDULE

1. Caster oil
2. Ground Nut oil
3. Linseed oil
4. Cotton Seed oil
5. Sunflower oil

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EL&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई बिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. सं. 2292.—केंद्रीय सरकार नियान (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की घारा 17 द्वारा प्रदत्त नियानों का प्रयोग करते हुए निम्ननिश्चित नियम बनाती है। नियान :—

1. संतुलित नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का प्रयोग नाम बनस्पति तेल का नियम (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1994 है;

(2) वे राजपत्र में प्रकाशन की जाएँगे तो प्रसूत होंगे।

2. परिमाणातः—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1983 (1983 का 22) अधिनेत्र है,

(ख) परिवृत् से अधिनियम की धारा 3 द्वारा स्वाप्न नियम निरीक्षण परिवृत् अधिनेत्र है,

(ग) "अधिकरण" से अधिनियम की धारा 2 के अधीन केन्द्रीय सरकार या भारत सरकार द्वारा कुछ विषयन समाजकार या उसकी ओर से निरीक्षण के लिए प्राधिकृत कियी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या माल्यान्वयन नियति निरीक्षण अधिकारीों में से कोई अधिकरण अधिनेत्र है,

(घ) बनस्पति तेल से ऐमा तेल अधिनेत्र है जो अनूसूची में विनियिष्ट और भारत में उत्पादित है,

अनूसूची

(1) एर्डी का तेल (2) मंगफली का तेल (3) अलसी का तेल (4) तिरीसा का तेल (5) भूरेजमूर्छी का तेल।

3. निरीक्षण का आधार—

नियति के लिए आधारित बनस्पति तेल का निरीक्षण परिवृत् द्वारा संमय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रत्येक परेषण का नमूना लेकर और परीक्षण करके उस देशों के उद्देश्य से किया जाएगा कि उसका असंक्षण ऐकिंग और अंडाकरण अधिकरण द्वारा अनुमोदित एकों में किया गया है और उसाए अधिनियम की धारा 8 के अधीन केन्द्रीय संस्कार द्वारा भारताभास मानक विनियोगों के अनुकूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया—(1) बनस्पति नेन का नियति करने के लिए आधारित कोई नियतिकर्ता निकटसम प्रभिकरण को यो अधिकरण द्वारा इस नियमित आधिकृत अधिकरण के किसी अधिकारी को, नियति किए जाने के लिए आधारित परेषण की विशिष्टियाँ देते हुए, निरीक्षण के लिए आवेदन द्वारा प्रतियों में प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिवर्ती में जो अधिकरण के कार्यालय के उभी केन्द्र में अवस्थित है, निरीक्षण किए जाने से कम से कम दो विन पहले प्रस्तुत किया जाएगा; और

(ख) ऐसे परिवर्ती में, जो अधिकरण के कार्यालय के उभी केन्द्र में अवस्थित नहीं है, निरीक्षण किए जाने से कम से कम इस दिन एकले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अधिकरण उपनियम (2) से नियिष्ट आवेदन प्राप्त होने पर नियति निरीक्षण परिवृत् द्वारा समय-समय पर हम नियमित जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार बनस्पति तेल के परेषण का निरीक्षण स्वयं का यह समाधान करने की दृष्टि से करेगा कि परेषण नियम 3 के अनुसार श्रेणीकृत और ऐक द्वारा गया है। नियतिकर्ता अधिकरण को उभी आधारित मुविधाएँ प्रदान करेगा जिससे कि वह ऐसा निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।

(4) यदि निरीक्षण के पश्चात् अधिकरण का यह समाधान हो जाता है कि नियति किए जाने वाले बनस्पति नेन का प्रैषण नियम 3 में नियिष्ट विनियोगों की अपेक्षाओं का अनुपानत करता है, तो यह सुनानी प्राप्ति के आस विन के भीतर परेषण को नियति द्वारा घोषित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अधिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है तो वह उक्त सात दिन वीर्याधि के भीतर ऐसा प्रभागपत्र जारी करने से इकार कर देगा और नियतिकर्ता को ऐसे इकार की समूचना विवित रूप में उसके कारणों सहित होंगी।

(6) प्रभागीकरण के पश्चात् अधिकरण द्वारा किसी स्थान अंडाकरण अधिवहन में या बास्तविक लगाई से पूर्व पत्तों पर परेषण की श्राविकी का पुनर्निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेषण के मानक विनियोगों के अनुसार, न पाये जाने की वजह में सुलत जारी किया गया निरीक्षण प्रभागपत्र वापस ने लिया जायेगा।

6. पैकिंग और विस्त्रिकान—(1) नियति के लिये बनस्पति तेल ऐक करने के आशयित कोई नियतिकर्ता मानक पैकेजों में या ऐसा की विनियिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार ऐक करेगा।

(2) नियमित जानकारी पैकेजों पर स्टैमिल/मुद्रित की जाएगी—

(क) नियतिकर्ता का नाम और पता;

(ख) मदे का नाम और किस्म;

(ग) श्रेणी;

(ज) लाट संख्यक और वैकिंग की सारीब;

(झ) सकल भार और शुक भार;

(च) भारत का उत्पाद;

(झ) पोत परिवहन विहङ्ग।

7. निरीक्षण का स्थान—(1) इन नियमों के प्रयोजन के लिये निरीक्षण नियतिकर्ताओं के परिसरों में वहाँ किया जायेगा जहाँ निरीक्षण के लिये माल पेच किया जाते हैं। परन्तु यह तब जब कि उनमें निरीक्षण के लिये पर्याप्त मुविधाएँ विद्यमान हों।

7. निरीक्षण फीस—

अधिकरण द्वारा परेषणानुसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के १० परेषण के पोत पर्यंत निःशुल्क शूल के ०.४ प्रतिशत की दर में अधिकरण की एक रकम के अधीन इसे हुए प्रसंस्करणकर्ता/नियतिकर्ता से वृद्ध की जाएगी।

टिप्पणी—नियतिकर्ता द्वारा भवेय प्रत्येक परेषण के लिये निरीक्षण फीस की एक रकम निकटसम रूपये में पूर्णांकित की जाएगी और हम प्रयोजन के लिये जहाँ ऐसी रकम में रूपये का एक भाग है वहाँ यदि ऐसा भाग पत्तास पैसे या उससे अधिक है तो उसे बढ़ा कर एक रूपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पत्तास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अपील—(1) अधिकरण द्वारा निरीक्षण प्रभागपत्र जारी करने से इकार कर दिये जाने से व्यवित कोई नियतिकर्ता ऐसे इकार किए जाने से दब विन के भीतर अधीन उस अधिकरण को करेगा और उसे विवेषज्ञों के ऐनल को जिसमें केन्द्रीय वरकार द्वारा हम प्रयोजन के लिये नियुक्त कम से कम तीन व्यक्ति और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, नियिष्ट करेगा।

(2) विवेषज्ञों के ऐनल की कुल भवस्पति के कम से कम दो निहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) ऐनल की गणपति तीन भवस्यों से होंगी।

(4) अपील प्राप्त होने की भारीब से पक्ष्य विन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[फांस, ८/२/१३—इत्राई एण्ड ई.पी.]

कृतारी भुमा सुवर्णणा, निदेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2192.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Vegetable oil (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;
- (c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;
- (d) "Vegetable oils" means the oils as specified in the schedule and produced in India :

SCHEDULE

- (1) Caster Oil
- (2) Ground Nut Oil
- (3) Linseed Oil
- (4) Cotton Seed Oil
- (5) Sunflower Oil

3. Basis of Inspection

Inspection of Vegetable Oils intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection.—(1) Any exporter intending to export Vegetable oil shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

- (a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Vegetable oil as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Vegetable oil to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack Vegetable oil for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled or printed on the packages —

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f. o. b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignmentwise inspection.

Note: The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount con-

tains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

[File 6/2/93-EL&EP]
SUMA SUBBANNA, Director

भारतीय

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1994

का. ना. 2193.—भारत के नियंत्रित आपार के विकास के लिये, नियंत्रित से पूर्ण तारीं का व्यापारिकी नियंत्रण और नियंत्रण के अधीन लाने के लिये कानून प्रस्ताव, नियंत्रित (व्यापारिकी नियंत्रण और नियंत्रण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अप्रैशातुरांग भारत सरकार के व्यापारिक मंत्रालय के प्रादेश में 400 तारीख 17 जनवरी, 1994 के अधीन भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 5 फरवरी, 1994 में प्रकाशित किये गये हैं।

और आपार नया सुलाद, ऐसे गमी व्यक्तियों से, जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना थी, उन्हें आवेदन के राजपत्र में प्रकाशित की गयी थी से पैंगालीय दिन की घटविधि के भीतर लाये गये हैं।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 28-2-94 को जनता को उपलब्ध कर दी गई थीं,

और उक्त प्रभावों के संबंध में जनता से प्राप्त आलोचों और सुझावों पर केंद्रीय सरकार ने विचार कर लिया है।

अब: अब, केंद्रीय सरकार, नियंत्रित (व्यापारिकी नियंत्रण और नियंत्रण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की भाग 6 द्वारा प्रश्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियंत्रित नियंत्रण परिवर्तन में परामर्श करने के पश्चात, यह गय होने पर कि भारत के नियंत्रित आपार के विकास के लिये ऐसा करना आवश्यक और असीचीन है।

(1) यह अधिसूचित करती है कि याने नियंत्रित से पूर्ण व्यापारिकी नियंत्रण और नियंत्रण के अधीन लाया जायगा।

(2) याने श्रेणीकरण और विद्युत नियम, 1964 के अनुसार व्यापारिकी नियंत्रण और नियंत्रण के प्रकार वे रूप में नियंत्रण का वह प्रकार विनियिष्ट करती है जो नियंत्रित से पूर्ण ऐसी तारीं को लागू होगा।

(3) याने श्रेणीकरण और विद्युत नियम, 1964 के अधीन लाये गये श्रेणीकरण अधिकार को मान्यता देती है।

(4) अंतर्राष्ट्रीय आपार के अनुक्रम में तारीं के नियंत्रित को तब तक प्रतिविवर करती है जब तक कि यह उसे लागू भारत विनियोगी के अनुहय में ही और उसके साथ भारत सरकार के छवि विषय सलाहकार या उसकी ओर से नियंत्रण के लिये प्राप्तिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा या नियंत्रित (व्यापारिकी नियंत्रण और नियंत्रण)

1959 GI/94-16

प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की भाग 7 के अधीन स्थापित किसी नियंत्रित विवरण अभिकरण द्वारा या किसी मान्यता प्राप्त अभिकरण द्वारा जारी किया गया नियंत्रण प्रमाणपत्र म हो।

(5) इस अवेदन की ओर भी यात्रा 2 किलोग्राम शुद्ध भार से अनधिक ऐसी तारीं के जो अनुमती भौमि या वायुमात्रा द्वारा नियंत्रित हो नाये नहीं होती।

(6) इस आवेदन में, तारीं से अनुमती में विनियिष्ट भारत में उत्पादित जाले प्रक्रियत हैं।

अनुमती

1. मूरा (मावू, छिका, सहित और उनी हुई है)

2. उड्ड—

(क) साबुत, छिका रहित और बली हुई

(ख) छिका वाली बली हुई।

3. भरहर (साबुत, छिका सहित और दली हुई है)

4. लेटिल (मसूर) साबुत, छिका सहित और बली हुई है)

5. बंटकी या मोट (साबुत, छिका सहित और बली हुई)

6. बैंगन चना, चमा (साबुत छिका सहित और दला हुआ)

(7) यह भारतीय अवेदन में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

[गा. सं. 6/2/93-ईमाई एफ ई पी]
कुमारी समा सुव्यवस्था, नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2193.—Whereas for the development of the export trade of India, certain proposals for subjecting Pulses to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 5th February, 1994 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 400 dated 17th January, 1994.

And whereas, the objections and suggestions were invited from all persons likely to be affected thereby within a period of forty-five days of the date of publication of the said Order in the Official Gazette;

And whereas, the copies of the said Gazette were made available to the publication 28-2-94.

And whereas, the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby :—

(1) notifies that Pulses shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of inspection in accordance with the Pulses, Grading and Marking Rules, 1964 as the type of quality control and inspection which shall be applied to such pulses prior to export;

(3) recognises the grade designation formulated under the Pulses Grading and Marketing Rules, 1964

(4) Prohibit the export, in the course of international trade of Pulses unless it conforms to the standard specifications applicable to it, and is accompanied by a certificate of inspection issued by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection or by any of the Export Inspection Agencies established or by any agency recognized under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(5) Nothing in this Order shall apply to export by sea, land or air of commercial samples of Pulses as specified in the Schedule not exceeding two Kilogramme in weight (nett.).

(6) In this Order Pulses means the Pulses specified in the schedule and produced in India :—

SCHEDULE

1. Green Gram (whole, husked and split),
2. Black Gram—
 - (a) Whole, husked and split;
 - (b) Unhusked split
3. Red Gram (Whole, husked and split);
4. Lentil (Masoor) (Whole husked and split);
5. Malti or Moth (Whole, husked and split);
6. Bengal Gram (Whole, husked and split)

(7) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 6/2/93-EL&EP]
KUMARI SUMAN SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 24 अगस्त 1994

क्रांति 2294—केन्द्रीय सरकार, नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त विविधों का प्रयोग करते हुए, नियंत्रित नियम बनाती है, नियंति :—

1. संक्षिप्त नाम और डार्टनम :—(1) इन नियमों का विविध नाम दालों का नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) नियम, 1994 है।

(2) ये राज्यपाल में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिवर्णन :—इन नियमों में, जब एक कि संदर्भ से अंतर्भुक्त न हो :—

(क) "अधिनियम" से नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और नियंत्रण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अनुच्छेद है,

(ख) "परिवर्द्ध" से विविध नियम की धारा 3 द्वारा स्थापित नियंति नियंत्रण विविध परिवर्त है,

(ग) "प्रभिकरण" से विविध की धारा 7 के अनुच्छेद के द्वारा सरकार या भारत सरकार के कुछ विवरण संलग्न सरकार या उसकी ओर से विरीक्षण के लिए प्राप्ति कियी गयी अन्य अधिकारी द्वारा स्थापित या मान्यताप्राप्त विविध विविध अधिकरणों में से कोई प्रभिकरण अनुच्छेद है,

(घ) "काली" से धारेव या अनुसूची में विविध विविध और भारत में उत्पादित दालों अनुच्छेद है।

अनुसूची

1. दूंग (साबूत, छिलका, सहित और दली हुई है)
2. उदव—
- (क) साबूत, छिलका सहित और दली हुई है,
- (ख) छिलका चाली दली हुई है।
3. प्रस्तुर (साबूत, छिलका सहित और दली हुई है)
4. लैटिल (भस्तुर), (साबूत, छिलका सहित और दली हुई है)
5. चट्टानी या मोठ (साबूत, छिलका सहित और दली हुई है)
6. चंगल चना, चमा (साबूत, छिलका सहित और दली हुआ)

3. विविध या प्राकृति :—नियंति के लिए विविध दालों का नियंत्रण परिवर्द्ध द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुच्छेदों के अनुसार प्रभिकरण का नमूना लेकर और परीक्षण करके वह देखने के उद्देश से किया जाएगा कि उसका प्रवस्तरण, वैकिव और चंबारकरण अधिकरण द्वारा अनुमोदित एककों में किया गया है और उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अनुच्छेद के विविध संरक्षण द्वारा मान्यताप्राप्त भावन विविधों के अनुहम है।

4. नियंत्रण की प्रक्रिया :—(1) दालों का नियंति घरेले के लिए विविध कोई नियंत्रिका लिंकटम प्रभिकरण को अनुच्छेद द्वारा इस विभिन्न प्राप्ति करणे की अधिकारी को, नियंति लिए जाने के लिए विविध परेवण की विविधियां देते हुए, नियंत्रण के लिए आवेदन (यो प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन—

(क) ऐसे परिसरों में जो अधिकरण के विविध विविध के अनुच्छेद में विविधत हैं नियंत्रण किए जाने से पहले वे विविध विविध प्रस्तुत किया जाएगा, और

(ख) ऐसे परिसरों में, जो अधिकरण के विविध विविध के उच्ची केल्ड में विविधत नहीं हैं, नियंत्रण किए जाने से पहले वे विविध विविध दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) अधिकरण उपनियम (2) में विविध आवेदन ब्राह्म होने पर, विविध नियंत्रण परिवर्द्ध द्वारा समय-समय पर उस विभिन्न आरी किए गए अनुच्छेदों के अनुसार दालों के परेवण का नियंत्रण स्वयं द्वारा संपादित करने की विविध से करेगा कि परेवण नियम 3 के अनुसार विविधत और एक किया गया है। नियंत्रित विविध अधिकरण को सभी विविध विविध प्रयाप करेगा जिससे कि वह ऐसा नियंत्रण करने में विविध हो सके।

(4) यदि, निरीक्षण के पश्चात्, अधिकारण का यह समाधान हो जाता है कि नियति किए जाने वाले वालों का परेक्षण नियम 3 में निर्दिष्ट विनियंत्रणों की अपेक्षाओं का अनुपालन करता है, तो वह सूचना को प्राप्ति के सात दिन के भीतर, परेक्षण का नियत योग्य घोषित करते हुए एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

(5) यदि अधिकारण का ऐसा समाधान नहीं होता है, तो वह उक्त सात दिन की अधिकि के भीतर, ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने से इकार कर देगा और नियतकर्ता को ऐसे इकार की संसूचना निर्दिष्ट रूप में उसके कारणों सहित होगा।

(6) प्रमाणोक्तरण के पश्चात्, अधिकारण को किसी स्थान, भारत-करण, अधिकारण में या वास्तविक स्थाई से पूर्व पत्तों पर परेक्षण की क्षमताएँ का पुनर्निर्दिष्ट करते का अधिकार होगा।

(7) इन प्रक्रमों में से किसी प्रक्रम पर परेक्षण के मानक विनियंत्रणों के अनुसूचि कोई नियतकर्ता मानक रैकेजों में या क्रेता की निर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

5. पैकिंग और विक्रीकरण :—(1) नियति के लिए वाले पैक करते के अनुरूपित कोई नियतकर्ता मानक रैकेजों में या क्रेता की निर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार पैक करेगा।

(2) नियतकर्ता का नाम और पता;

(अ) नियतकर्ता का नाम और पता;

(ब) मछ या नाम और किस्म;

(च) जैवी;

(द) लाट संबोध और पैकिंग की तारीख;

(३) मछ भार और शूद्र भार;

(४) भारत का उत्पाद;

(५) पोत परिवहन चिन्ह।

6. निरीक्षण का स्थान :—(1) इन नियमों के प्रयोग के लिए नियतकर्ता के परिसरों में वहाँ दिया जाएगा वहाँ निरीक्षण के लिए भाले पेश किए जाते हैं, परन्तु यह उक्त जब तक कि उनमें निरीक्षण का लिए पर्याप्त सुविधाएँ विद्यमान हों।

7. निरीक्षण फीस :—अधिकारण द्वारा परेक्षणानुसार निरीक्षण में, निरीक्षण फीस के रूप में परेक्षण के पौरुष पर्याप्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से अधिकतम फीस के अधीन रहते हुए अमरकणकर्ता/नियतकर्ता से बहस की जाएगी।

टिप्पणी :—नियतकर्ता द्वारा संदेश प्रत्येक परेक्षण के लिए निरीक्षण फीस की रूपमें निकटतम रूपमें पूर्णांकित की जाएगी और इस प्रयोजन के लिए जहाँ ऐसा रूपमें रपते का एक भाग है वहाँ मिरि ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है तो, उसे बड़ा कर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा।

8. अधीक्षण :—(1) अधिकारण द्वारा निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करने से इकार कर दिए जाने से व्यापित कोई नियतकर्ता, ऐसे इकार किए जाने से दस दिन के भीतर अपोने उक्त अधिकारण को करेगा, जो उसे विनियंत्रणों के प्रति जारी किये हैं वे इकार कर एक प्रयोजन के लिए निर्दिष्ट कम से कम तीन अविक्षित और अधिक से अधिक सात अविक्षित होने विनियंत्रण करेगा।

(2) विनियंत्रणों के पैकल की कुल सदस्यता के कम से कम वो लिहाजी सदस्य और सरकारी होने।

(3) पैकल की गणपूति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अधीक्षण प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[कांसं 6/2/93-ईओआईव्हैच ई०पी०]

कुमारी सुमा मुख्यमान, निवेशक

New Delhi, the 24th August, 1994

S.O. 2294.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules, may be called the Export of Pulses (Quality Control and Inspection) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these Rules unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Council" means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(c) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established or recognised by the Central Government under section 7 of the Act or the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India or any other officer authorised on his behalf for inspection;

(d) "Pulses" means the Pulses as specified in the Schedule of the Order and produced in India.

SCHEDULE

1. Green Gram (whole, husked and split)
2. Black Gram—(a) Whole, husked and split; (b) Unhusked split.
3. Red Gram (whole, husked and split);
4. Lentil (Masoor) (whole, husked and split);
5. Matki or Moth (whole, husked and split);
6. Bengal Gram (whole, husked and split).

3. Basis of Inspection—Inspection of Pulses intended for export shall be carried out with a view to see that the same has been processed, packed and stored in units approved by the Agency and that the product conforms to the standard specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, by sampling and testing of each consignment by the Agency as per instructions issued by the Council from time to time.

4. Procedure of Inspection—(1) Any exporter intending to export Pulses shall submit an application for inspection (in duplicate) to the nearest Agency, or an officer of the Agency authorised in this behalf by the Agency, giving particulars of the consignment intended to be exported.

(2) An application under sub-rule (1) shall be submitted,—

(a) not less than two days before the inspection to be carried out at the premises situated at the same station to the office of the Agency; and

(b) not less than ten days before the inspection to be carried out at the premises which are not situated at the same station to the office of the Agency.

(3) On receipt of the application referred to in sub-rule (2), the Agency shall inspect the consignment of Pulses as per the instructions issued by the Export Inspection Council in this behalf from time to time, with a view to satisfy itself that the consignment has been graded and packed in accordance with Rule 3. The exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If, after inspection, the Agency is satisfied that the consignment of Pulses to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, it shall, within seven days of the receipt of information, issue a certificate declaring the consignment as exportworthy.

(5) When the Agency is not so satisfied, it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter in writing alongwith the reasons thereof.

(6) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place, storage, in transit, or at the ports before the actual shipment.

(7) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any

of these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and marking.—(1) An exporter intending to pack pulses for export shall pack in standard packages or as per specific requirements of the buyer.

(2) The following information shall be stencilled or printed on the packages:—

- (a) Name and address of the exporter;
- (b) Name of the item and variety;
- (c) Grade;
- (d) Lot number and date of packing;
- (e) Gross weight and net weight;
- (f) Product of India;
- (g) Shipping Mark.

6. Place of Inspection.—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided that adequate facilities exist therein for inspection.

7. Inspection fees.—Subject to a maximum fees at the rate of 0.4 per cent of the f.o.b. value of the consignment shall be collected by the Agency, as inspection fee, from the processor/exporter under consignment-wise inspection.

NOTE : The amount of inspection fee for each consignment payable by the exporter shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose where such amount contains a part of a rupee, then if such a part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise, it shall be ignored.

8. Appeal.—(1) Any exporter aggrieved by the refusal of the Agency to issue the certificate of inspection may within ten days of such refusal prefer an appeal to the said Agency which shall refer the same to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by Central Government.

(2) A minimum of two thirds of the total membership of the panel of experts shall be non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed off within fifteen days from the date of its receipt.

नामांकित इकूल, उपचारेता मास्टर और सांबंद्धित वित्तमाला मंत्रालय

भारतीय शासक न्यूरो

नई दिल्ली, 10 जानवरी, 1994

का. अ. 2295 - मासिंह मार्ग : नई दिल्ली मार्ग 3 उपचार इकूल में पढ़ने वाले 3 और 3 उपचार (ii) में भारत के राजपत्र में शाविसूचित किया था, उसे जाम्ब 7 और 8 में नीचे दी गई शास्त्रूचा ऐ विभिन्न उत्पादों के अधीन सम्बन्ध 2 और 3 में विचाया गया है और वहाँ स्तरम् 4, 5 और 6 जोड़ दिया है:

शास्त्रूचा

क्रम	उत्पाद	शारिरस : सं और चर्चा इकूल की दर	शारिरस : इकूल के लिए भारत के उपचार का मंदिर विषयमें इकूल के शास्त्रूचा की दर	भारत का राजपत्र : वित्तमाला 10, 1994/भाग 19, 1916						
				(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	चमड़े के उपचार के डोल के लिए वित्तमाला में तैयार	शारिरस : 1015-1987	100 रुपये	51, 500	सर्वों	—	3423	1990-12-22	93-04-01	—
1.	स्त्रियों (कमाता) हुआ चमड़ा	शारिरस : 1311-1966	एक रुपये	20, 000	सर्वों	—	— वही—	— वही—	— वही—	—
2.	इच्छाविनान बैग्याइट	शारिरस : 1337-1980	एक रुपये	5, 000	सर्वों	—	1530	1990-04-26	—	—
3.	इच्छाविनान प्रधो लाने	मोटर बैगी होम	—	—	—	—	—	—	—	—
4.	2, 4-डाक नाला इव अर्कोन फैसल लवण	आईएस : 1827-1989	एक रुपये	200, 000	सर्वों	—	3423	1990-12-22	— वही—	— वही—
5.	जर्बी फूर्तेक टाइप, बाने बाला तम्बाकू	आईएस : 2344-1973	एक रुपये	0, 250	सर्वों	—	— वही—	— वही—	— वही—	— वही—
6.	विशिरिका नियो रनी इच्छाविन भरकरी कर्ता रापूर्द मृद वर	आईएस : 2358-1984	एक रुपये	100, 000	सर्वों	—	— वही—	— वही—	— वही—	— वही—
7.	आपारित फैन्सेन्स इच्छाविन लेने के लिए रुपड़ के होने	आईएस : 2396-1981	100 मी.	15, 000	सर्वों	—	1540	1990-06-02	— वही—	—
8.	देव धानवर मार्गी, शार्च । श्रोतामार्ग	आईएस : 3104 (भाग 1) -- 1982	एक रुपये	0, 200	सर्वों	—	1990-05-01	1990-10-13	— वही—	— वही—
9.	तकनीकी में उत्पाद अद्वितीय वेन्टिलेशन कोर्नेंट	आईएस : 3205-1984	एक रुपये	5, 000	सर्वों	—	3423	1990-04-18	1990-12-22	— वही—
10.	अप्रिंटो मरकरी का दीजों के अच्छ उपचार के फालून्दनकरन	आईएस : 3284-1984	एक रुपये	40, 000	सर्वों	—	— वही—	— वही—	— वही—	— वही—
11.	बन वापन बाने हवा के कल्पन (हैंगट कल्पन)	आईएस : 3315-1974	एक रुपये	5, 000	सर्वों	—	1229	1990-08-01	1990-08-25	— वही—
12.	आद. लवर्वेय मुद्रया	आईएस : 3317-1983	1000 रुपये	6, 000	सर्वों	—	2680	1990-09-18	1990-11-13	— वही—
13.	चांदी इन चांदों के आदेन सामाल लावों के लिए	आईएस : 3436-1977	एक रुपये	0, 070	सर्वों	—	3423	1990-12-22	1990-11-09	— वही—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(0)
14. चक्रवा (हिमालस)		आर्द्धसू : 4142-1967	एक चक्रवा	0.390	समी	—	2680	1990-04-18	1993-04-01
15. प्रगाढ़न वा नरल सारूप		आर्द्धसू : 4199-1974	एक चिप्रा/सि.	25.00	समी	—	—	— यही—	— यही—
16. दंडोमान इर्मा लक्ष्मीकी		आर्द्धसू : 4344-1978	एक टन	100.000	समी	—	3423	1990-12-22	1993-04-01
17. केन्द्रांके लिए बुग		आर्द्धसू : 4517-1986	एक तन	0.040	समी	—	2680	1990-09-18	1993-04-01
18. चिक शास्त्राद के स्वतः शाश्वती खास्तर		आर्द्धसू : 4717-1980	100 वर्ष	4.000	समी	—	2229	1990-08-25	— यही—
19. बीज उत्पादन के लिए वात्रस फार्मेसियन		आर्द्धसू : 4783-1982	एक टन	40.000	समी	—	3423	1990-12-24	— यही—
20. चंद्रुक्प्रदाने का विट्कैट मानुदर		आर्द्धसू : 4955-1983	एक टन	5.000	समी	—	2680	1990-10-13	— यही—
21. बाहरी संग्रहालय बिसियर		आर्द्धसू : 5077-1969	एक तन	0.150	समी	—	2418	1990-09-15	— यही—
22. गोडियम क्रोमाइड कोट्टसको ब्रेड		आर्द्धसू : 5380	सफ चिप्रा	0.100	समी	—	2680	1990-10-13	— यही—
23. मैत्राइल पार्कोन्ट्रिक्ट्रन		आर्द्धसू : 5487-1969	एक चिप्रा	30.000	समी	—	1990-09-18	— यही—	— यही—
24. नेत्र संकरचित रबड़ के लक्ष्य और एही		आर्द्धसू : 5676-1987	एक ओडी	0.050	समी	—	3423	1990-12-22	— यही—
25. बाल ब्रेद इवाइसीन लाकोल ग्रस्तिहितन (एन्टीबैक्ट्र)		आर्द्धसू : 5738-1970	एक लिटर	0.150	समी	—	1531	1990-08-24	1993-04-01
26. एकल गठन वाला रबड़चढ़ा जलसह कपड़ा		आर्द्धसू : 5915-1970	100 वर्ष	4.000	समी	—	1539	1990-06-02	— यही—
27. एल्गोनेट द्वेष लास समसी		आर्द्धसू : 6036-1987	एक चिप्रा	0.500	समी	—	3423	1990-12-22	— यही—
28. मानवी परिवहन के लिए पांचीशीन के लाभान		आर्द्धसू : 6312-1980	एक चि. निट्र. लिटर	15.000	समी	—	1540	1990-04-26	— यही—
29. आर्द्ध वात्राजो के लिए एक कमानिया (द्वचालन द्वारा तिप्पत्ति) प्रार्द्धसू : 6315-1986		आर्द्धसू : 6747-1981	पक टन	3.000	समी	—	1539	1990-06-02	— यही—
30. चूड़मान और बदलगम		आर्द्धसू : 7527-1973	एक तन	30.000	समी	—	2680	1990-10-13	— यही—
31. द्वारान के घरेलू ट्रक		आर्द्धसू : 7324	पक तन	0.300	समी	—	2229	1990-08-25	— यही—
32. चिक्स द्रव धनतवस्थायी		आर्द्धसू : 7401-1987	एक टन	8.000	समी	—	1990-08-01	1990-10-13	— यही—
33. चिक्सोट्राक्स और आतिथ बाजो के लिए पैराक्लिन मोम		आर्द्धसू : 7402-1986	एक मात्र	0.200	समी	—	3423	1990-12-22	— यही—
34. देपजल के लिए फिल्टर							1990-09-18	1990-11-20	— यही—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
25. नृसंगम		आईएम : 7532-1974	एक टन	20,000	सभी	—	2680	1990-10-13	1993-04-01
36. वर्षे रूपदे उलाहे के लिए विटोटे की टिकिया	आईएम : 8180-1982	एक टन	150,000	सभी	—	1990-09-15	—पही—	—पही—	—पही—
37. मोटरवाहन के द्रव्यानिति के लिए एक लैपीडेस्टी	आईएम : 8654-1986	एक फिल्टर	50,000	सभी	—	2220	1990-08-25	—पही—	—पही—
38. कंपोरेशनेट क्लोरोएड वर्किंग विलयन	आईएम : 8962-1978	100 लिटर	40,000	सभी	—	3423	1990-11-20	1990-12-22	—पही—
39. बुला दुर्ले के लिए तार रसी बीर लड़े	आईएम : 9282-1979	एक टन	50,000	सभी	—	2325	1990-06-25	—मही—	—मही—
40. फोनेदार ब्लूटॉकलार	आईएम : 9362-1980	एक टन	20,000	सभी	—	3423	1990-12-22	—पही—	—पही—
41. फोनेदार विडेन	आईएम : 9376-1990	एक टन	50,000	सभी	—	1540	1990-06-02	—पही—	—पही—
42. कंतारिक बास पदार्थों के लिए योर मुह बाले स्वास्थ्यकरन, भाल	आईएम : 9396 (भाल 1)	एक टन	2,000	सभी	—	—पही—	—पही—	—पही—	—पही—
43. उत्कर्वाव स्टीलियम बोयल स्टीम भाय। मासान्य प्रयोगान् और परोसाव	आईएम : 9974 (भाल 1)	एक नव	1,000	सभी	—	—पही—	—पही—	—पही—	—पही—
44. 630 बोल्ट एवं लैंबों के लिए ट्रिक्च और स्लिर लाल दाल दाल लैप्ट लैंबिक्स इकाई	आईएम : 10427-1981	एक नव	4,500	सभी	—	2418	1990-09-15	1993-04-01	—पही—
45. बनस्पति एवं जाल तेलों के लिए 15 लिंग। के चोकोर दिन लिंग। के चोकोर दिन	आईएम : 10325-1989	एक टिन	0,050	सभी	—	2680	1990-10-13	—पही—	—पही—
46. धूं, बनस्पति, जाल तेलों और बेकरी लिंगाई के लिए 15 लिंग। के चोकोर दिन	आईएम : 10350-1982	एक टिन	1,000	सभी	+ 014	1990-09-18	— 1988-04-02	—मही—	—मही—
47. बाल रक्तेन का पाउडर	आईएम : 10406-1983	एक नव	0,750	सभी	—	1540	1990-05-01	1990-06-02	—पही—
48. धूंपी के इनस्ट्रुमेंट साइन सीर्कल के लिए श्राविक तिष्ठतथा निराशद आर्मीन्य	आईएम : 10840-1986	100 नव	2,00	सभी	—	—	—	—	—
49. द्रांस्कलार	आईएम : 10847-1987	एक टन	50,000	सभी	—	2630	1990-10-13	—पही—	—पही—
50. वर्ती के लिए पॉलिप्लास्टर भित्तिन कूट का कामदा	आईएम : 11248-1985	एक लैप्टी	0,060	सभी	—	2226	1990-08-01	1990-08-25	—पही—
51. जेवर्ट कूनर के लिए पंसेट	आईएम : 11951-1987	एक लैप्टी	0,500	सभी	—	—	—	—	—
52. तरकीकी बेड अदार्ट्स्ट्रूटरन	आईएम : 12004-1987	एक टन	50,000	सभी	—	1639	1990-06-02	1993-04-01	—पही—
53. जेट प्रक्षेत्री पर्यंत संचालन की तकनीकी प्रयोगान्	आईएम : 12226-1987	एक टन	5,000	सभी	—	1095-04-26	1990-06-02	—पही—	—पही—

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 10th August, 1994

S.O. 2295 :—The Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the marking fees as notified earlier in Part-II Section-3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India, shown in Col. 7 or 8 of the schedule given hereunder, in respect of the various products shown under Col. 2 and 3 of the same Schedule have been revised as mentioned in Col. 4, 5 and 6 thereof.

SCHEDULE

Sl. No.	Product	IS : No. & Year	Unit	Marking Fee Rate		Reference of Govt. of India, Gazette Notification	S.O. No. and Date	S.O. No. and Date	Date of Issue of Gazette of India	Date of Effect
				Per Unit	For Unit					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	
1.	Leather pump buckets made from vegetable tanned leather	IS : 1015—1987	100 Pieces	1.500	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	1993-04-01	
2.	Ethylene dibromide	IS : 1311—1966	One Tonne	20.000	All	..	-do-	-do-	-do-	
3.	Electroplated coatings of hard-chromium coatings on iron and steel.	IS : 1337—1980	One Square meter plated area	5.000	All	..	1539 1990-04-26	1990-06-02	-do-	
4.	Dimethylamine SL salts of 2, 4-D.	IS : 1827—1989	One Tonne	200.000	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	-do-	
5.	Chewing tobacco, zarda flake type	IS : 2344—1973	One kg	0.250	All	..	-do-	-do-	-do-	
6.	Formulation based on stabilized methoxy ethyl mercurychloride	IS : 2358—1984	One Tonne	100.000	All	..	-do-	-do-	-do-	
7.	Rubber hose for fuel dispensing	IS : 2396—1981	100 Metre	15.000	All	..	1540 1990-05-01	1990-06-02	-do-	
8.	Density hydrometers : Part 1 requirements	IS : 3104 (Part 1)-1982	One Piece	0.200	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-	
9.	Precipitated barium carbonate, technical	IS : 3205—1984	One Tonne	5.000	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	-do-	
10.	Organo mercurial dry seed dressing formulations	IS : 3284—1984	-do-	40.000	All	..	-do-	-do-	-do-	
11.	Evaporative air coolers (desert coolers)	IS : 3315—1974	One piece	5.000	All	..	2229 1990-08-01	1990-08-25	-do-	
12.	Needles hypodermic	IS : 3317—1983	10000 Pieces	6.000	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-	
13.	Silvered glass mirrors for general purposes	IS : 3438—1977	One Sq. M.	0.020	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	-do-	
14.	Discus	IS : 4142—1967	One Discus	0.300	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-	
15.	Liquid toilet soap	IS : 4199—1974	One K/Litre	25.00	All	..	-do-	-do-	-do-	
16.	Endosulfan, EC technical	IS : 4344—1978	One Tonne	100.00	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	-do-	
17.	Brush welder's	IS : 4517—1986	One Piece	0.040	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-	
18.	Zinc oxide self-adhesive plaster	IS : 4717—1980	100 Sq. M.	4.000	All	..	2229 1990-08-01	1990-08-25	-do-	
19.	Thiram seed dressing formulations	IS : 4783—1982	One Tonne	40.000	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	-do-	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
20.	Household laundry detergent powders.	IS : 4955—1983	One Tonne	5,000	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	1993-04-01
21.	Decorative lighting outfits	IS : 5077—1969	One piece	0.150	All	..	2418 1990-08-21	1990-09-15	-do-
22.	Sodium bromide photographic grade	IS : 5380—1976	One Kg	0.100	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-
23.	Metal polish liquid	IS : 5487—1969	One K. Litre	30.000	All	..	-do-	-do-	-do-
24.	Moulded solid rubber soles and heels	IS : 5676—1987	One pair	0.050	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	-do-
25.	Specification for ethylene glycol anti-freeze	IS : 5759—1970	One Litre	0.150	All	..	1531 1990-04-24	1990-06-02	-do-
26.	Single texture rubberised water proof fabrics	IS : 5915—1970	100 Sq. M.	4.000	All	..	1539 1990-04-25	1990-06-02	-do-
27.	Alginate dental impression material	IS : 6036—1987	One kg	0.500	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	-do-
28.	Polyethylene containers for the transport of material	IS : 6312—1980	One K/ Litre	15,000	All	..	1540 1990-05-01	1990-06-02	-do-
29.	Specification for floor springs (hydraulically regulated) for heavy doors	IS : 6315—1986	One Piece	3.000	All	..	1539 1990-04-26	1990-06-02	-do-
30.	Chewing gum and bubble gum	IS : 6747—1981	One Tonne	30,000	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-
31.	Trunks, steel, domestic	IS : 7257—1973	One Piece	0.300	All	..	2229 1990-08-01	1990-08-25	-do-
32.	Brix hydrometers	IS : 7324—1983	-do-	0.200	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-
33.	Paraffin wax for explosive and pyrotechnic industry	IS : 7401—1987	One Tonne	8,000	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	-do-
34.	Filters for drinking water purposes	IS : 7402—1986	One Piece	0.200	All	..	-do-	-do-	-do-
35.	Soft soap	IS : 7532—1974	One Tonne	20,000	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-
36.	Household laundry detergent bars	IS : 8180—1982	-do-	15,000	All	..	-do-	-do-	-do-
37.	Automotive hydraulic brake fluid heavy duty	IS : 8654—1986	One K/Litre	50,000	All	..	2229 1990-08-01	1990-08-25	-do-
38.	Chlormequat chloride, aqueous solutions	IS : 8962—1978	100 Litre	40,000	All	..	3423 1990-11-20	1990-12-22	-do-
39.	Wire ropes and strands for suspension bridges	IS : 9282—1979	One Tonne	50,000	All	..	2229 1990-08-01	1990-08-25	-do-
40.	Butachlor granules	IS : 9362—1980	-do-	20,000	All	..	3423 1990-01-20	1990-12-22	-do-
41.	Lindane granules	IS : 9370—1980	-do-	50,000	All	..	1540 1990-05-01	1990-06-02	-do-
42.	Round open top sanitary cans for processed foods Part 1 Tinplate requirements	IS : 9396 (Part 1)—1987	-do-	2,000	All	..	-do-	-do-	-do-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
43.	High pressure sodium vapour lamps Part 1 General requirements and tests	IS : 9974 (Part 1) —1981	One Piece	1.000	All	..	1540 1290-05-01	1990-06-02	1993-04-01
44.	Composite units of air break switches and rewirable type fuses for voltages not exceeding 650 volts AC	IS : 10027—1981	One Piece	0.500	All	2418	.. 2418 1990-08-21	1990-09-15	-do-
45.	15-kg-square tins for vanaspati and edible oils	IS : 10325—1989	One Tin	0.050	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-
46.	Square tins-15 kg for ghee, vanaspati edible oils and bakery shortening	-do-	1000 Closures	1.000	All	1014 1988-01-20	..	1988-04-02	-do-
47.	Powder hair dyes	IS : 10350.1—1982	One kg	0.750	All	..	1540 1990-05-01	1990-06-02	-do-
48.	Intrinsically safe transformers primarily for bell signalling circuits	IS : 10406—1983	One Piece	3.000	All	..	-do-	-do-	-do-
49.	Blow moulded HDPE containers for vanaspati	IS : 10840—1986	100 Pieces	2.000	All	..	2680 1990-09-18	1990-10-13	-do-
50.	Polyester blend suitings for uniforms	IS : 11248—1985	One Sq. M.	0*060	All	..	2229 1990-08-01	1990-08-25	-do-
51.	Pumpset for desert coolers	IS : 11951—1987	One Pump-set	0.500	All	..	-do-	-do-	-do-
52.	Isoproturon, technical	IS : 12004—1987	One Tonne	50.000	All	..	1539 1990-04-26	1990-06-02	-do-
53.	Specification for jet centrifugal pump combination	IS : 12225—1987	One Pump	5.000	All	..	1540 1990-05-01	1990-06-02	-do-

[No. CMD/13 : 10]
N. SRINIVASAN, Addl. Director General

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2296—केन्द्रीय मरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में माडर्न फूड इंडस्ट्रीज (हिन्दी) लि. के रांचो यूनिट को जिसके 80% कर्मचारी-बून्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, प्रधि-सूचित करती है।

[संख्या ई-12011/10/94-हिन्दी]
कुमार भाटिया, चीफ इंजीनियर

MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2296.—In pursuance of sub-rule (4) of rule (10) of the Official Languages (use for official purposes of the union) the Central Government hereby notifies the Ranchi Unit of Modern Food Industries (India) Ltd. the 80% staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi.

[No. E-12011/10/94-Hindi]
KUMAR BHATIA, Chief Engineer.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1994

का.आ. 2297 डिल्ली यूनियनिटी, आयरलैण्ड गणराज्य द्वारा प्रदान की गई एम.बी.बी.सी.एस. की आयुर्विज्ञान अहंता भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजन के लिए एक मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अहंता है।

और डा. आर.मी. रिया, एक डिट्रिय राइट्रिक जिनके पास उभन अहंता है इस समय पूर्व कार्य के लिए पी.डी. हिन्दूजा राष्ट्रीय अस्पताल और चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई से संलग्न है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 34 की उपधारा (1) के उपबन्धों के खण्ड (ग) के अनुसरण में उस प्रवधि को जिसके दोसरा आ.आर.मी. रिया पी.डी. हिन्दूजा राष्ट्रीय अस्पताल और चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई से एक वर्ष या उसके कर्तव्यभार की प्रवधि के लिए, इन दोनों में से जो भी कम हो, गंतव्य रही है, ऐसी प्रवधि के रूप में विनिविष्ट करती है, जिस तक उक्त डाक्टर की चिकित्सा प्रैविटम सीमित होगी।

[संख्या ई-11016/5/94-एम.ई.(य.जी.)]
एस के मिश्रा, डैस्क प्रधिकारी

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 18th August, 1994

ORDER

S.O. 2297.—Whereas medical qualification MBBS, granted by University of Dublin, Republic of Ireland is a recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956).

And whereas Dr. R. C. Rigg, a British national who possesses the said qualification is at present attached to P. D. Hinduja National Hospital and Medical Research Centre, Bombay for charitable work.

Now, therefore, in pursuance of Clause (c) of the provisions of sub-section 1 of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies the period during which Dr. R. C. Rigg is attached to P. D. Hinduja National Hospital and Medical Research Centre, Bombay as one year or for the duration of her assignment whichever is shorter, as the period for which the medical practice of the said doctor shall be limited.

[No. V-11016/5/94-ME (UG)]
S. K. MISHRA, Desk Officer

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1994

का.आ. 2298 —केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालयों को, जिसमें 80% कर्मचारीवृद्धि ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

- क्षेत्रीय तसर अनुसंधान केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, नगदलपुर-494001 (म.प्र.)
- क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केन्द्र, अनुसंधान प्रसार केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, गुमला-835207 (बिहार)।
- केन्द्रीय तसर अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, बुनियादी धीज गुणन एवं प्रशिक्षण संस्थान, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, पाली-495449, जिला बिलासपुर (म.प्र.)।
- राष्ट्रीय रेशम उत्पादन परियोजना, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, सं. 708, सेक्टर 11, पंचकुला (हरियाणा)।
- केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, अनुसंधान प्रसार केन्द्र, मुजानपुर-145023, जिला गुरुद्वारापुर (पंजाब)।

2. विनांक 12-5-1994 को समसंबद्ध अधिसूचना में प्रकाशित “4. राष्ट्रीय रेशम उत्पादन परियोजना, रेशम कोटी बीज उत्पादन केन्द्र, 767-बी.टी.सी. स्कीम, रानी रोड, उदयपुर-313001 (राजस्थान)” के स्थान पर “4. पी 2 फार्म सह बीजागार, राष्ट्रीय रेशम उत्पादन परियोजना, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, फतहनगर-313205 (राजस्थान)” पढ़ा जाए।

[मं. ई-11016/2/94-हिन्दी]

वरन दास उप मंत्रिव

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 10th August, 1994

S.O. 2298.—In pursuance of Sub-Rule 4 of Rule 10 of the Official Language [Use for Official Purposes of the Union] Rule 1976 the Central Government hereby notifies the following offices under the Ministry of Textiles more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi :—

1. Regional Tassar Research Station, Central Silk Board, Jagdalpur-494001 (M.P.).
2. Regional Sericulture Research Station, Research Extension Station, Central Silk Board, Gumala-835207 (Bihar).
3. Central Tassar Research and Training Institute, Basic Seed Multiplication and Training Institute, Central Silk Board, Pali-495449, Distt. Bilaspur (M. P.).
4. National Sericulture Project, Central Silk Board, No. 708, Sector 11, Panchkula (Haryana).
5. Central Sericulture Research and Training Institute, Research Extension Station, Sujanpur-145023, Distt. Gurdaspur (Punjab).
2. “4. National Sericulture Project, Silk Warm Seed Production Centre, 767, B.T.C. Scheme, Rani Road, Udaipur-313001 (Raj.) published in the Notification of even number dated 12-5-1994 may be read as “4. P 2 Farm-cum-Grainage, National Sericulture Project, Central Silk Board, Fatehnagar-313205 (Rajasthan).

[No. E-11016/2/94-Hindi]
CHARAN DASS, Dy. Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1994

का.आ. 2299.—दिल्ली विकास (मुख्य योजना तथा क्षेत्रीय विकास योजना) नियम, 1959 के नियम 5 के साथ पठित दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 10(1) के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र विली की क्षेत्रीय विकास योजना के प्रारूप को सैयर करने तथा उसके प्रकाशन के लिए सूचना।

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि :—

- (क) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के जोन “ई” (मध्यना पार क्षेत्र) के लिए एक क्षेत्रीय विकास योजना प्रारूप तैयार कर लिया गया है ; और
- (ख) उसकी एक प्रति नियोजन के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय, भूमत विकास मीमांसा में आने वाले 3 में उल्लिखित तारीख तक सभी कार्य दिवसों के द्वारा प्राप्त 11.00 घण्टे से मात्र 5.00 घण्टे तक उपनिवेश होगी।
2. इस प्रारूप योजना के सम्बन्ध में एतद्वारा आपत्ति एवं सुशाव आवंटित किए जाते हैं।
3. आपत्ति एवं सुशाव लिखित रूप में आपूर्त एवं संचित दिल्ली विकास प्राधिकरण, विकास सदन, नई विली-23 को सन् 1994 के दिसम्बर महीने की 9 तारीख से पहले मेजे।

आपत्ति/सुशाव भेजने वाले अधिकारी को अपना नाम एवं पता भी अवश्य देना चाहिए।

[फाइल संख्या एफ 1(21) 92 जैड० पी०]

विजय मोहन बंसल, आपूर्त एवं संचित

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 1st September, 1994

S.O. 2299.—Notice under section 10(1) of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957) read with rule 5 of the Delhi Development (Master Plan and Zonal Development Plan) Rules, 1959 of the preparation and publication of the draft of the Zonal Development Plan for the National Capital Territory of Delhi.

Notice is hereby given that :

- (a) A draft of a Zonal Development Plan for Zone 'E' (Trans Yamuna Area) in the National Capital Territory of Delhi has been prepared.
- (b) A copy thereof will be available for inspection of the office of the Delhi Development Authority, on Ground Floor, Vikas Minar, I. P. Estate, New Delhi, between hours of 11 A.M. to 5 P.M. on all working days till the date mentioned in para '3' hereinafter.
2. Objections and suggestions are hereby invited with respect to this draft plan.
3. The objection or suggestion may be sent in writing to the Commissioner-Cum-Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, I.N.A., New Delhi-23, before the 9th day of December, 1994.

Any person making the objection or suggestion should also give his name and address

[No. F. 1(21)92-ZP]

V. M. BANSAL, Commissioner-Cum-Secy.

अमर मंत्रालय

नई धूलनी, 22 अगस्त, 1994

का.धा. 2300 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में केन्द्रीय सरकार दक्षिण रेलवे के प्रबन्धालय के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के शीघ्र अनुबन्ध में निर्विल औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारा, शंगाली एवं पंचपट को प्रशासित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[अंज्या एक्स-41012/110/89-प्राई ग्राउ (डी०८०), बी-1]

वी.के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2300.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Southern Railways and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-8-94.

[No. L-41012/110/89-IR(DU)|B. I]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR
COURT, BANGALORE

Dated, the 30th July, 1994

PRESENT :

Sri M. B. Vishwanath, B.Sc., B.L.,

CENTRAL REFERENCE NO. 44/90

I Party

Sri G. Govindappa
S/o Gopallappa,
Addiganahalli,
Singanaya Kanahalli Post,
Bangalore Cantonment,
Pin : 560 001
(By Sri C. S. Sathyanarayana, Advocate)

V/s.

II Party

The Chief Engineer,
Southern Railway (Const.),
Bangalore North Taluk,
Bangalore-560 001
(By Sri J. Nagaraj, Advocate)

AWARD

In this reference made by the Hon'ble Central Government by its order No. L. 41012/110/89-IR(DU) Dated 27-7-90 under Section 10(2A)(1)(d) of I.D. Act the point for adjudication as per schedule to reference is :—

“Whether the management of Southern Railway is justified in dismissing Sri G. Govindappa, Casual Labour Khalasi from service w.e.f 23-9-85? If no, what relief the workman is entitled to?”

2. The charge against I party workman is :—

The I party workman was on night duty on the night of 30/31-8-85 at Doddaballapur. When he was on night duty he intentionally opened the locks of cement shed at Doddaballapur and committed the of 10 bags of cement for the use of construction of the house of his brother-in-law.

3. In the claim statement it is contended :—

The I party workman was night watchman on 30/31-8-85 in the Doddaballapur depot unit. On 30/31-8-85 at about 2.00 a.m. Head Clerk|Stores, came with four unknown men, since they are not Railway workers and he ordered to open the cement shed and I party workman obeyed his orders. Hence, the workman opened the lock of Shed No. 6. Thereafter he told the four strangers to take 10 bags of cement. Accordingly 4 strangers took 10 bags of cement from the cement shed and they loaded into the bullock cart and took away immediately. The work-

man locked the key. In the next day on 31-8-85 the workman handed over the key to the Head Clerk-Stores|Yelahanka.

On 3-9-85 the cement shed was checked. It was found that 10 bags of cement was short. The Head Clerk|Stores then told the I party that he (Head Clerk) was in danger and asked the I party to help him. The Head Clerk|Stores told I party workman that if he gave in writing that he had committed theft of 10 bags of cement, nothing would happen and that only the cost of cement would be recovered. The Head Clerk assured the I party that the cost recovery from him would be paid by him (head clerk) to the I party. So under these circumstances he gave a letter dated 4-9-85 to the head clerk, though the head clerk had taken 10 bags of cement for his own use.

Then on the basis of the letter dated 4-9-85 given by the I party a departmental enquiry was held. The Asst. Engineer was the enquiry officer. The enquiry held was improper. The I party was not given any opportunity to defend his case. The E.O. obtained the signatures of the I party on blank papers. The charge sheet was not read over to him. The I party was not given opportunity to cross-examine the management witnesses etc.

The I party was dismissed from service w.e.f. 23-9-85. The I party had not committed any misconduct. The letter dated 4-9-85 was given under the circumstances stated above at the instance of the head clerk. The I party had no intention to confess. It was obtained fraudulently as stated above. The dismissal of I party is not justified. The action of the II party in dismissing the I party cannot be sustained on facts and in law. The I party is entitled to be reinstated with continuity of service and back wages.

4. In the counter statement it is contended :—

On 30-8-85 the day watchman was Obalesh and night watchman was the I party workman. The Dy. Financial Advisor, and Chief Accounts Officer, Constructions, Bangalore and the Dy. Chief Engineer, Construction, Bangalore made a surprise visit and checked the store-shed at Doddaballapur on 3-9-1985 and it was found that as against the book balance of 170 bags of cement, only 160 bags were available. whereas the stock was physically counted before being handedover/taken over by the respective officials.

Between 30-8-85 and 3-9-85, no issue of cement was made. On enquiry by Sri Katharki, Head Clerk-Stores, Yalalanka on 3-9-85, Sri Obalesh who was on day duty on 31-8-85 stated that the stores shed was opened on the night of 30/31-8-85 by Sri G. Govindappa at about 6.2 hours. When questioned about the incident Sri Govindappa admitted that he had opened the cement shed and had removed 10 bags of cement for the use of construction of his brother-in-law's house. He has given letters admitting his guilt. The I party has admitted his guilt by giving a confession letter in his own handwriting which was witnessed by the Station Superintendant, Doddaballapur. The enquiry held against the I party is proper and valid. The I party was given full opportunity to defend himself. The order of dismissal is proper. The reference has to be rejected.

5. On 3-4-91 this Tribunal has framed a preliminary issue whether the II party proves that it has held the D.E. in accordance with law?

6. After recording evidence, by a separate considered order dt. 9-11-93 this Tribunal has set aside the D.E. Tribunal has given the II party an opportunity to justify its action.

7. After II party was given opportunity to justify its action, the II party has examined on its behalf M.Ws. 1 to 4. The I party workman W.W1 was further examined and cross-examined.

8. The Learned counsel for the II party argued at length, while arguing on merits, that the D.E. held was proper. This argument cannot be given any weight because this Tribunal has recorded after recording the evidence that the D.E. held against the I party workman cannot be sustained.

9. M.W. 1 Srinath is the Executive Engineer who conducted the D.E. against I party. He has been examined subsequent to setting aside the D.E. by a considered order. So the evidence of M.W. 1 does not help the II party in seeing whether the II party is justified in dismissing the I party.

10. I will look to the other evidence to find out whether the II party has proved the charge of theft against the I party.

11. Ex. M. 1 is the attested xerox copy of the complaint against the I party given by the day watchman Obalesh (M.W. 4). Ex. M. 1 has been attested by the E.O. himself. Ex. M. 2 is the attested xerox copy of the alleged confession letter given by the I party workman. Ex. M. 4 is the attested xerox copy of the charge sheet (memorandum) issued to I party workman. Ex. M. 5 is the attested xerox copy of the reply given by the I party to the charge sheet Ex. M. 4.

12. The Learned Counsel for the I party objected to the marking of the attested xerox copies. The attested xerox copies were marked subject to objections. Though the reference was registered in 1990, the II party has not produced the originals. In the absence of originals it is not proper for the Tribunal to rely on the attested xerox copies, bearing in mind that the I party has denied having committed theft of cement bags.

13. There is another reason why the xerox copy of the complaint Ex. M. 1 cannot be considered by this Tribunal. Ex. M. 1 is in Telugu. But I party does not know Telugu. He knows only Kannada.

14. M.W. 2 Katharki was the then Store Keeper. He has stated in his evidence that 10 bags of cement was committed theft of on 30/31-8-95. He has stated that the I party's duty hours were from 6-00 p.m. to 6-00 a.m. He has stated that Obalesh (M.W. 4) was the watchman during day time on 30-8-85 from 6-00 a.m. to 6-00 p.m. He has further stated that on 3-9-85 the Executive Engineer, himself (M.W. 2),

Dy. Chief Engineer and Accounts Officer made a surprise check of the cement shed at Doddaballapur and found shortage of 10 bags of cement.

15. M.W. 2 Katharki has further stated that he enquired the day watchman Obalesh (M.W. 4) about the shortfall and Obalesh told him (M.W. 2) that day before yesterday the shed was open during night and that he (M.W. 4) enquired the I party and I party told him to go and sleep and mind his (M.W. 4's) business. M.W. 2 has stated that he took the report as per original of Ex. M. 1 from Obalesh.

16. I have already stated that original of the statement of Obalesh has not been produced and Ex. M. 1 is the attested zerox copy which is in Telugu. But M.W. 4 Obalesh has stated before this Tribunal that he did not give any report to M.W. 2 and that he does not know who wrote the original of Ex. M. 1 and that he does not know anything about the theft. So the evidence of M.W. 2 regarding the complaint against the I party by M.W. 4 Obalesh falls to the ground.

17. If the complaint against I party falls to the ground, the incident alleged against the I party workman also goes by the board.

18. M.W. 2 Katharki has stated in his evidence that he enquired I party on 4-9-85 and I party admitted the guilt and gave confession letter as per original of Ex. M. 2. The I party workman has denied giving any confession letter. In the absence of the original confession letter, the zerox copy Ex. M. 2 cannot be given any weight. The alleged confession made by the I party is thus not proved.

19. The evidence of M.W. 4 Obalesh knocks the bottom out of the II party's case. He has deposed that he gave report against the I party because M.W. 2 told him "to give him a report that the I party had opened the door at night".

20. It bears repetition. According to M.W. 2 Katharki, day watchman M.W. 4 Obalesh told him that I party workman had committed theft of the cement and Obalesh gave the complaint against I party workman. But M.W. 4 has stated that he does not know anything about the theft and that he did not give any report to M.W. 2.

21. M.W. 3 Christopher is the person who was working as station master at Doddaballapur on 4-9-85. He has stated that M.W. 2 Katharki came to him and told him that there was a theft in the stores and that he wants to obtain a statement from I party and that he (M.W. 3) should be present. M.W. 3 has stated that M.W. 2 brought the I party and I party wrote the confession statement as per the

original of Ex. M. 2. In cross-examination it is suggested that M.W. 2 did not take I party before M.W. 3 and I party did not give any confession statement and that Ex. M. 2 is got up.

22. Original of the confession statement made by the I party is not placed before the Tribunal. In the absence of the original it is not safe to rely on the attested zerox copy Ex. M. 2.

23. For the aforesaid reasons I hold that the II party has not established the charge against the I party workman.

ORDER

The order passed by the II party dismissing I party workman w.e.f. 23-9-85 is set aside. The II party is directed to reinstate the I party workman with continuity of service. The II party shall pay the I party workman 25 per cent of the back wages. Reference accepted as stated herein. Submit to Government.

(Dictated to Stenographer, typed by him, corrected, signed by me on this 30th day of July, 1994).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1994

का.आ. 2301—धौर्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार वैश्य बैंक लि. के प्रबन्धसंघ के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट धौर्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार धौर्योगिक अधिकरण, बंगलौर के पंचपट को प्रतिवित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 12-8-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या ए.ल-12012/13/90-आई.आर.बी.आई]

बी.के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1994

S.O. 2301.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vysya Bank Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-8-94.

[No. L-12012/13/90-IR B. I]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL CUM LABOUR COURT.
BANGALORE

Dated this the 30th day of July, 1994

PRESENT :

Sri M. B. Vishwanath, Bsc., B.L., Presiding Officer
Central Reference No. 30/91

I Party vs II Party

The General Secy.,
All India Vysya Bank
Employees' Union,
No. 351/4, 8th Cross,
Wilson Garden,
Bangalore-560027.

The General Manager,
Vysya Bank Ltd.,
No. 72, St. Marks Road,
Bangalore-560001.

(By Sri V. Gopala Gouda (By Sri B. C. Prabhakar,
Advocate) Advocate)

AWARD

This dispute was pending before the Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Vishakapatnam on a reference made by the Hon'ble Ministry of Labour by its order No. L-12012/13/90-IR, Bank-I dated 10-4-90 under Sec. 10(2A)(1)(d) of I.D. Act.

2. The Hon'ble Ministry has withdrawn the reference from the Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Vishakapatnam and transferred the dispute to this Tribunal by its order No. L-12012/13/90 IR.B. I/B.III Dt. 31-5-91.

3. As per schedule to reference the point for adjudication is :--

"Whether the action of the management of M/s. Vysya Bank Ltd., Bangalore in terminating the services of Smt. M. Neeraja, Clerk-cum-Typist, Gajuwaka Branch, Visakapatnam without assigning any reason is justified ? If not to what relief the workman is entitled to ?"

4. In the Industrial Tribunal-cum-labour Court, Visakhapatnam, the claim statement and counter statement were filed. Even so, after transfer, the I party filed a fresh claim statement before this Tribunal. By consent of both counsel, as could be seen from the order sheet dt. 19-10-93 this claim statement has been taken on file. After the claim statement was filed in this Tribunal, the II party has filed additional counter statement. In the additional counter statement it is stated that the counter statement already filed at Visakapatnam be read as part and parcel of the additional counter statement.

5. In the claim statement it is contended by the 1 party :—

I party is a B.A., graduate, high second class. She has passed Lower Grade Typewriting in English. She has passed Post Graduate Diploma in Marketing Management in Andhra University. As per advertisement of the II party, the I party applied for the post of clerk-cum-typist and appeared for the written examination conducted by the II party. She passed the written examination. She was interviewed by the II party. Later she underwent training at the Bank's Training College at Hyderabad. On the conclusion of the training the II party conducted a test. The I party passed this test.

6. The I party workman was appointed by the II party on probation as a clerk-cum-typist. The I party serving the II party satisfactorily. Her probationary period was completed on 9-12-88. But she was not confirmed in the said post. Instead the II party terminated the services w.e.f. 9-12-88 without assigning any reasons. The termination is illegal. Alongwith the order of termination the II party had enclosed a cheque for Rs. 1,365.90. The I party has encashed this cheque without prejudice to her rights to challenge the order of termination. The termination is opposed to Sastry Award. The termination of the services of I party is a clear case of victimisation and unfair labour practice. The termination amounts to retrenchment and the conditions precedent to retrenchment have not been complied with. The I party workman has to be reinstated with continuity of service and full backwages.

7. In the counter statement filed in Vishakapatnam and the additional counter statement filed in this Tribunal it is contended :—

The I party was appointed on probation as a clerk-cum-typist. The probationary period was for 6 months from the date of reporting for duty. It is not true that the work of I party was satisfactory. The I party failed to come up to the expected standards. Her handwriting was not legible. She showed no interest in the work. Her overall performance was below the normal working standards. Since her work was not satisfactory, her services were terminated. The said termination does not amount to any stigma. The termination is legal and proper. There was no reason for the I party to receive the order of termination under protest. She did not satisfactorily complete her probation. So her services were terminated. The I party having encashed the D.D. sent by the II party to her towards notice pay, has no right to challenge the order of termination. The provisions of Sastry Award have no application. It is not true that there is victimisation or unfair labour practice. The action of the II party does not amount to retrenchment. The action of the II party is a simple case of termination since I party did not complete probationary period successfully. No stigma is attached to the order of termination. The order passed by the II party is perfectly legal.

8. As could be seen from the order sheet dated 10-7-91 it is stated that the point for determination is covered by the schedule to reference and no separate issues are required. At the time of final arguments I have been hearing arguments on the subsidiary points also.

9. On behalf of the II party management MW I Anil Kumar, Deputy Manager of II party has been examined. On behalf of the I party she has got herself examined and closed her case.

10. Ex. M1 is the order appointing the I party workman as clerk-cum-typist on probation for a period of 6 months. It is stated in Ex. M1 that the probation period could be extended by 3 months at the discretion of the Bank. In cross-examination I party workman has admitted that Ex. M26 series which are 19 demand drafts, 1 voucher, 4 pay orders have been written by her. Ex. M26 series, without more, speak volumes for the efficiency or otherwise of the I party workman. Her handwriting was not satisfactory to write D.D.s. vouchers and pay orders. A look at these 25 documents (Ex. M26 series) reveals that the work of the I party workman could not be said to be satisfactory by any stretch of language. There is substance in the arguments advanced on behalf of the II party that the work of I party was not satisfactory. I hold that the action of the management in terminating the services of the I party workman was justified.

11. Since what the II party has done is a discharge simplicitor according to terms of appointment Ex. M1, I am of opinion, II party was not required to give reasons.

12. The Learned counsel for the II party relied on the latest decision of the Supreme Court reported in 1994 (1) LLJ 597 (M. Venugopal v/s. LIC of India, A.P. and Anr.) to impress upon me that once the probationer is discharged, he cannot be reinstated and the Tribunal has no power under Sec. 11-A of the I.D. Act. I have carefully and respectfully gone through this decision of the Supreme Court. That was a case in which an LIC's Development Officer's services were terminated under regulation 4 of the LIC of India (Staff) Regulations 1960 read with order of appointment before the expiry of extended period of probation on account of unsatisfactory service. It was held by the Hon'ble Supreme Court that the order of appointment read with Regulation 14 attracts Sec. 2(oo) (bb) of the I.D. Act and termination is not retrenchment even if the I.D. Act is applied to the LIC Employee who was a development officer. It was held that the regulations relating to terms and conditions of service have over-riding effect over the provisions contained in the I.D. Act. It is clear from the Judgment that the order of appointment had fixed a target in respect of the performance of the development officer which admittedly the appellant failed to achieve within the period of probation which was extended upto 2 years. So the Hon'ble Supreme Court was pleased to hold that regulation 14 aforesaid has to be read as a statutory term of contract of employment between LIC and the Development Officer who was on probation.

13. That is not the position here. The authority of the Supreme Court has been rendered while setting aside the order of the High Court made on the writ side. The appellant|Development Officer had directly filed a writ petition before the High Court and the High Court was pleased to hold that the Development Officer was a workman within the meaning of the I.D. Act and the termination of his service amounts to retrenchment within the meaning of Sec. 2(oo) of the I.D. Act and the termination order was set aside because provisions of Sec. 25-F of the I.D. Act were not complied with. In the writ appeal the decision of the Learned Single Judge was set aside (See paras 4 and 5 of the Judgment). The Appellant|Development Officer then approached the Hon'ble Supreme Court. From the facts it is clear that the matter did not arise out of any reference under Sec. 10(1) (d) of the I.D. Act. As I have already stated the Supreme Court was pleased to hold that the regulation 14 r/w. the order of appointment amounts to contract of employment.

14. That is not the position in the present reference with which the Tribunal is concerned. The I party was appointed on probation and there was no statutory regulation fixing the period of probation as 6 months. The probationary period of 6 months was fixed in the order of appointment itself and there was no regulation contemplating that a particular period of probation should be fixed. Their Lordships of the Supreme Court were pleased to hold that the termination of the services of the appellant was as a result of contract of employment having been terminated under the stipulations specifically provided under regulation 14 and the order of appointment of the appellant. That is not the position in the present case. The order of appointment Ex. M1 provides for extension of the period of probation by 3 months, but the II party has terminated the services of I party immediately after the period of 6 months probation period was over. They have not extended the period of probation by 3 months as contemplated under the appointment order Ex. M1.

15. I am of opinion that the Law laid down by the Hon'ble Supreme Court in 1994 (1) LLJ 597 is not applicable to the facts of this case and the power of this Tribunal under Sec. 11-A of the I.D. Act to go into the question whether the discharge or dismissal of I party was not justified is not taken away.

16. It is argued by the Learned Counsel for the II party that the discharge in this case is a punitive discharge and so this Tribunal cannot exercise the power under Sec. 11-A of the I.D. Act. If this argument is to be accepted, the II party will be hoist with its own petard. If it is a punitive discharge, a stigma will be attached to the I party workman. It has been laid down in 1993 (1) LLR 291 (Governing Council of Kidwal Memorial Institute of Oncology, Bangalore v/s. Dr. Pandurang Gadwalkar and another) that "in such a case a plea cannot be taken that as his service was temporary or his appointment was on probation, there was no requirement of holding any enquiry, affording such an employee an opportunity to show that the charge levelled against him was either not true or it was without any basis." In the instant

case I hold that the termination order was a discharge simplicitor because the overall performance was not satisfactory.

17. The Learned Counsel for the II party relied on a number of authorities to persuade me to hold that the power of this Tribunal under Sec. 11-A comes to an end, once the services of the probationer are terminated. In none of the authorities relied by the Learned Counsel has it been laid down that the power of the Tribunal under Sec. 11-A is taken away. In fact in none of the authorities relied on by the Learned Counsel for the II party Sec. 11-A of the I.D. Act has been dealt with or interpreted. For the aforesaid reasons, I repeat, the power of this Tribunal under Section. 11-A of the I.D. Act is not taken away.

18. MW1 Anil Kumar, Deputy Manager of II party has stated in his evidence that I party workman is a graduate and she has passed typewriting and she is a diploma holder in Marketing Management. The I party workman has stated this in her evidence which has been admitted by MW1. She has further stated that she has passed higher typewriting in English and Telugu. She has stated that her husband has divorced her. Ex. W2 shows that I party has been divorced by her husband. She has stated that she has not a son who is in UKG. Her father is a pensioner. Her father is feeding her and her son. She has stated that her mother and her younger sister are also living with her father and her unmarried sister is physically handicapped. The above circumstances clearly show that the I party workman is in an unenviable position. It is firmly established that the Industrial Law leans in favour of the weaker section. workman.

19. While holding that the work of the I party workman was unsatisfactory and the discharge was proper I have adverted to the seamy side of her personality so far as her work performance was concerned. Apart from the unfortunate circumstances of the I party workman, the I party has a sunny side in her personality. The confidential report's Exs. M.5 to M.13 clearly show that the I party workman in her conduct was polite towards customers, courteous to the officers and good to the fellow workers.

20. There is another important facet in this case. The appointment order Ex. M1 says that the I party workman was on probation for a period of 6 months. Ex. M1 says that it can be extended by another 3 months at the discretion of the bank. The Bank has terminated the services of the I party immediately after the 6 months period of probation was over. The Bank could have extended the period of probation by another 3 months. I party workman, mind you, was selected after she passed the written examination

conducted by the II party and after she was interviewed by the II party. Furthermore the I party has undergone training at the Bank's Training College at Hyderabad and it was only after conclusion of the training the II party conducted a test and the I party passed the test and then only II party appointed the I party workman. This reinforces my conclusion that the II party could have extended the period of probation of I party by another 3 months.

21. The II party appears to have made the I party workman to do work in which she was not up to the mark. The II party could have given some other work in the bank where handwriting was not very important.

22. For the aforesaid reason I am of opinion that the order of termination of the services of I party is harsh and disproportionate. The I party workman should be given another opportunity to improve herself.

23. All other documents and evidence not referred to by me above are not relevant. In any case they do not alter my conclusions reached above.

24. The Learned counsel for the II party relied on some authorities. 1981 (1) LLJ 485 (Union of India and others v/s. P. S. Bhatt). This decision has been rendered under Article 311 of the Constitution and deals with the reversion of an employee where misconduct, negligence or inefficiency is involved. In 1991 Lab. I.C. 1266 (Municipal Corporation, Raipur v/s. Ashok Kumar Misra) the point for decision was where there was automatic deemed confirmation after the expiry of the period of probation. In 1985 (1) LLN 770 (Dhanjibhai Ramjibhai v/s. State of Gujarat) the law laid down by the Supreme Court is that if the order of termination does not contain any stigma or refer to any charge of mis-conduct on the part of the employee, there is no obligation that the employee should be heard before termination of services. This law has been laid down under Article 136 of the Constitution. This is also the law laid down in 1993 (1) LLR 153 (Unit Trust of India and others v/s T Bijaykumar and another). In 1980 (2) LLJ 155 (Oil and Natural Gas Commission v/s. Dr. Md. S. Iskander Ali) the fact were that during the extended period of probation, the Medical Officer was proceeded against departmentally. Afterwards the enquiry was abandoned and services terminated in terms of appointment order. The point for consideration was whether it is termination simplicitor. Moreover, this authority has been rendered under Article 311 of the constitution. Provisions of the I.D. Act have not been interpreted. The Learned Counsel relied on the decision of our Hon'ble High Court in 1985 Lab. I.C. 1833 (C. M. Jitendra Kumar v/s. The Management of Bharath Earth Movers Ltd.,

and another). The law laid down by our Hon'ble High Court in this case is that there is no compulsion in law that a probationer should be retained till the last date of the period of probation even if non-fulfilment of conditions of probation is established. The probationer could be discharged even prior to the expire of probation period in terms of the contract of employment.

25. In my humble opinion none of these authorities are applicable to the facts of the present case. To repeat myself, in none of these authorities has it been laid down that if a probationer is discharged, the Tribunal has no power to act under Sec.11-A of the I.D. Act.

ORDER

The order of termination of the services of I party as per Ex. M14 is set aside. The II party is directed to reinstate I party with continuity of service. The I party workman is granted 50 per cent backwages. After reinstatement the I party shall be on probation for a period of 9 months from the date of her joining, during which period the employer shall be entitled to ascertain her suitability. Award passed as stated herein accepting the reference. Submit to Government.

(Dictated to Stenographer, typed by him, corrected, signed by me on this 30th day of July 1994).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer